RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 186
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में आए बदलावों को कर लिया है स्वीकार
विविध-12

www.dailypioneer.com

टीके के लिए दूसरे देशों के भरोसे न रहें राज्य

- वैक्सीन आयात में हुई देर, दवा कंपनियां दूसरे देशों से पहले ही मिल चुके ऑर्डर पूरे करने में व्यस्त
- केंद्र वैक्सीन आयात का काम अपने जिम्मे ले और राज्यों को जरूरत के हिसाब से वितरित करे

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

विभिन्न राज्यों ने विदेशों से कोविड-19 टीकों की खरीद के लिए टेंडर डालने शुरू तो कर दिए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें वैश्विक बाजार से बहुत उम्मीद नहीं करनी चाहिए। दूसरे देशों में पहले से ही टीकों की भारी कमी है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अधिकांश विदेशी वैक्सीन निर्माता कंपनियां अन्य देशों से पहले ही मिल चुके ऑर्डर पूरा करने में व्यस्त है। उदाहरण के लिए अमेरिका बड़े पैमाने पर फाइजर के टीकों का स्टॉक कर रहा है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी मॉडर्ना की वैक्सीन की 25 मिलियन खुराक हासिल की हैं।

वैश्विक बाजार में वैक्सीन की गंभीर कमी है, क्योंकि आपूर्तिकर्ताओं की संख्या सीमित है और दुनिया भर से मांग बहुत अधिक आ रही है। चीनी टीके को कई देशों में सख्ती से नकारा जा सकता है, क्योंकि सेशेल्स में सिनफार्मा द्वारा बनाए गए चीनी टीकों का इस्तेमाल करने के बावजूद बड़े पैमाने पर कोरोना के केस आ रहे हैं। मॉडर्ना और फाइजर पहले से ही विभिन्न देशों के मौजूदा ऑर्डर पूरा करने में व्यस्त हैं। हाल ही में यूरोपीय संघ ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित और भारत में कोविशील्ड के नाम से पहचानी जाने वाली एस्ट्राजेनेका पर मुकदमा दायर किया है, क्योंकि कंपनी ऑर्डर के मुताबिक वैक्सीन की आपूर्ति नहीं कर पाई। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ आरके धमीजा ने कहा कि इसकी संभावना बहुत कम ही है कि एस्ट्राजेनेका वैष्विक निविदाएं जारी करने वाले किसी भी राज्य के साथ अनुबंध करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि कोई भी ऑर्डर पूरा करने में समय लगता है, क्योंकि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अचानक वैक्सीन का बड़े पैमाने पर उत्पादन नहीं किया जा सकता है। भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन के सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के. एस. रेड्डी ने कहा कि अपनी ज्यादा जनसंख्या को देखते हुए भारत को बहुत पहले वैक्सीन का ऑर्डर दे देना चाहिए था, ताकि समय पर सारी आबादी को टीका लगाया जा सके। विषेशज्ञों का यह भी मानना है कि वैक्सीन खरीद का काम राज्यों पर छोड़ने के बजाय केंद्र को यह काम अपने हाथ में लेना चाहिए था ताकि प्रतिस्पर्धा में उचित दर पर वैक्सीन मिलती और वह जरूरत के हिसाब से राज्यों को वितरित करता। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, महाराश्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली ऐसे राज्य हैं जिन्होंने वैक्सीन की खरीद के लिए वैश्विक बाजार का रुख किया है। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में एक केंद्र पर कोरोनारोधी टीका लगवाती युवती

बच्चों की वैक्सीन के दूसरे व तीसरे चरण के ट्रायल को मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के शीर्ष दवा नियामक ने भारत बायोटेक के कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन का दो से 18 साल तक के बच्चों को लगाने के लिए दूसरे, तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल को मंजूरी दे दी है।यह ट्रायल 525 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा, देश के राष्ट्रीय नियामक, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद विषय विशेषज्ञता समिति (एसईसी) की सिफारिश को मंजूर कर लिया है और कोवैक्सीन (कोविड रोधी टीके) के निर्माता भारत बायोटेक लिमिटेड को 12 मई को दो से 18 वर्ष की आयु के लोगों पर इसके दूसरे, तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल को मंजूरी दे दी। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने दो से 18 वर्ष की आयु वर्ग पर क्लिनिकल ट्रायल करने का प्रस्ताव दिया था। ट्रायल में टीके की दो खुराक 28 दिन के अंतराल में दी जाएगी। एसईसी ने कोविड-19 पर 11 मई को हुई बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की। इससे पहले 24 फरवरी को एसईसी की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई और कंपनी को संशोधित क्लिनिकल ट्रायल प्रोटोकॉल देने को कहा गया। स्वदेश निर्मित कोवैक्सीन का उत्पादन भारत बायोटेक ने किया है।

देशभर में लगाए जाएंगे 1594 ऑक्सीजन प्लांट

- प्राणवायु की कमी दूर करने के लिए केंद्र और राज्यों ने मिलकर झोंकी ताकत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए देशभर में 1594 ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट लगाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में 300 तथा महाराष्ट्र में 350 प्लांट लगाने का काम शुरू भी हो चुका है। इनसे एक दिन में 500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पन्न होगी। दिल्ली सहित देश के अलग-अलग हिस्सों से ऑक्सीजन की कमी के कारण कोविड-19 रोगियों की मौत की खबरें आई हैं। अस्पतालों में लगातार ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है। इन हालात से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों ने मिलकर बीड़ा उठाया है और प्रेशर स्विंग एडसोर्शन (पीएसए)) स्थापित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 300 ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने के लिए काम चल रहा है, जबकि महाराष्ट्र में 350 ऐसे संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं जो एक दिन में लगभग 500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन पैदा करेंगे। बिहार के 15 जिलों में 15 पीएसए संयंत्र स्थापित होंगे, जबकि हरियाणा ने 60 अस्पतालों में पीएसए लगाने की योजना तैयार की है। दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भी ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त, मार्च और अप्रैल में पीएम केयर फंड के तहत मंजूर किए गए 1051 पीएसए अगले तीन महीनों में चालू हो जाएंगे।

सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में जिन 162 ऑक्सीजन संयंत्रों के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं, उनमें से 74 स्थापित हो चुके हैं और षेश जून तक शुरू होने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के अस्पताल ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं। यहां काशीपुर, गाजीपुर, मोदीनगर (आईनॉक्स एयर), पानीपत और रुड़की से ऑक्सीजन लाई जा रही है, लेकिन यह प्र्याप्त नहीं है। राज्य को 960 टन गैस की जरूरत है, लेकिन मिल रही केवल 650 मीट्रिक टन। महाराष्ट्र सरकार ने ऐसी योजना बनाई है जो अगले कुछ महीनों में राज्य में ऑक्सीजन पैदा करने वाले संयंत्र स्थापित करने वाली कंपनियों के निवेष का 100 प्रतिषत से 150 प्रतिषत लौटाकर देगी। इस योजना के तहत हर जिले में ऑक्सीजन प्लांट लगेगा। (शेष पेज 9)

मेरठ में कोरोना पीड़ित परिजन के लिए आक्सीजन सिलेंडर ले जाता एक व्यक्ति

अवकाश

ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में दिनांक 14 मई 2021 को अवकाश रहेगा। अत: 15 मई का अंक प्रकाशित नहीं होगा।

बाजार

संसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

मोदी डिजिटल ढंग से जी-7 सम्मेलन में ले सकते हैं भाग

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने डिजिटल माध्यम से कार्नवेल मे ब्रिटेन की मेजबानी मे आयोजित जी- 7 सम्मेलन की बैठक मे शामिल हो सकते है। इससे पहले भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मोदी इस बैठक मे शामिल होने के लिए कार्नवेल नही जा पाएंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बॉरिस जॉनसन ने ब्रिटेन की विदेश नीति मे हिंद प्रशांत क्षेत्र पर विशेष बल देने के तहत मोदी को 11-13 जून के दौरान होने वाली इस बैठक मे शामिल होने का न्यौता दिया था। भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया तीन अतिथि देशो के रूप में शामिल है।

कोविशील्ड की खुराक लेने वाले 12 हफ्तों बाद ले सकते हैं दूसरी खुराक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत सरकार ने कोविशील्ड टीके की दो डोज लगवाने के बीच के समय को 6-8 सप्ताह से बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने की कोविड-19 कार्य समूह की सफारिश को बृहस्पतिवार को स्वीकार कर लिया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को दो डोज के बीच समय बढ़ाने की घोषणा करते हुए उक्त बात बताई। मंत्रालय ने कहा, लेकिन नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन (एनटीएजीआई) (टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह) ने कोवैक्सीन के दो डोज के समयांतर (पहला और दूसरा डोज लगने के बीच का समय) में बदलाव का कोई सुझाव नहीं दिया है। उसने कहा, वास्तविक समय के साक्ष्यों, विशेष रूप से ब्रिटेन से प्राप्त, के आधार पर कोविड-19 कार्य समूह कोविशील्ड टीके के दो डोज के बीच समयांतर को बढ़ाकर 12 से 16 सप्ताह करने पर राजी हो गया है। कोवैक्सीन के दो डोज के बीच समयांतर में बदलाव की कोई सिफारिश नहीं की गई है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा उत्पादित कोविशील्ड के दो डोज के बीच समयांतर फिलहाल 6 से 8 सप्ताह का है। विभिन्न राज्यों में टीकों की कमी की खबरों के बीच केन्द्र सरकार ने यह फैसला लिया है। दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना सहित कई राज्योंकेन्द्र शासित प्रदेशों ने घरेलू उत्पादन से मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में कोविड-19 रोधी टीके की खरीद के लिए वैश्विक निविदा जारी करने का फैसला लिया है। पिछले कुछ महीनों में दूसरी बार ऐसा हुआ है जब कोविशील्ड टीके के दो डोज के बीच का समयांतर बढ़ाया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मार्च में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से कहा था कि वह दो डोज के बीच समयांतर को 28 दिनों से बढ़ाकर 6 से 8 सप्ताह तक कर दें। मंत्रालय ने कहा, कोविड-19 कार्य समूह की सिफारिश को कोविड-19 टीकाकरण पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह (एनईजीवीएसी) द्वारा 12 मई, 2021 को हुई बैठक में स्वीकार कर लिया गया। एनईजीवीएसी के प्रमुख नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉक्टर वी.के. पॉल हैं। (शेष पेज 9)

असम राज्य एनआरसी समन्वयक ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

असम राज्य एनआरसी समन्वयक ने उच्चतम न्यायालय से संपर्क कर राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के मसौदे और पूरक सूची के पूर्ण, समग्र एवं समयबद्ध तरीके से पुन: सत्यापन का आग्रह किया है तथा कहा है कि इसमें कुछ प्रत्यक्ष खामियां दिखी हैं। हितेश देव शर्मा ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित मामले में हस्तक्षेप आवेदन दायर कर यह आग्रह भी किया कि पुनर्सत्यापन का कार्य संबंधित जिलों में निगरानी समिति की देखरेख में किया जाना चाहिए तथा इस तरह की समिति में प्राथमिकता के साथ जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक जैसे लोग शामिल होने चाहिए। मई 2014 से फरवरी 2017 तक एनआरसी असम के कार्यकारी निदेशक रहे शर्मा को अक्टूबर 2019 में हुए प्रतीक हाजेला के तबादले के बाद 24 दिंसबर 2019 को एनआरसी का राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया था। शर्मा ने कहा कि खामियों को न्यायालय के समक्ष लाए जाने की आवश्यकता है क्योंकि एनआरसी अद्यतन की प्रक्रिया शीर्ष अदालत की निगरानी में हो रही है।

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित 100 जिलों के डीएम से संवाद करेंगे मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित देश के 100 जिलों के जिलाधिकारियों के साथ आगामी 18 और 20 मई को संवाद करेंगे। सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नौ राज्यों के 46 जिलाधिकारी पहली बैठक में शामिल होंगे वहीं 10 राज्यों के 54 जिलाधिकारी दूसरी बैठक में शिरकत करेंगे। कोविड-19 की स्थिति पर यह प्रधानमंत्री की पहली बैठक होगी जिसमें जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी हिस्सा लेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सर्वाधिक प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई दौर की बैठकें कर चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे के भीतर आए मामलों में 72 फीसदी 10 राज्यों में हैं जिनमें महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में हैं।

देश में एक दिन में कोविड-19 के 3,62,727 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 2,37,03,665 हो गए हैं जबकि कोरोना वायरस संक्रमण से 4,120 लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या 2,58,317 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक 37,10,525 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है जो कुल मामलों का 15.65 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर कुछ सुधर कर 83.26 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या।,97,34,823 हो गई है जबकि संक्रमण से मृत्यु दर। . 09 फीसदी दर्ज की गई है। मौत के नए मामलों में से सर्वाधिक 816 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई है। (शेष पेज 9)

आज पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 8वीं किस्त जारी करेंगे प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 मई को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की आठवीं किस्त के रूप में 9.5 करोड़ लाभार्थी किसान परिवारों के लिए 19,000 करोड़ रुपए की राशि जारी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम-किसान सम्मान निधि की राशि जारी करेंगे और लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। (शेष पेज 9)

गंगा में लाशें मिलने के मामले में एनएचआरसी का केंद्र, उप्र और बिहार को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश और बिहार में गंगा नदी में कई लाशें मिलने की शिकायतों के बाद बृहस्पतिवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय और दोनों राज्यों को नोटिस जारी किया। आयोग ने बयान में कहा, इसने (एनएचआरसी) दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सचिव को आज नोटिस जारी कर चार सप्ताह में कार्वाई रिपोर्ट मांगी है। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले लोगों के मुताबिक नरही इलाके के उजियार, कुल्हड़िया और भरौली घाट पर कम से कम 52 लाशें बहती हुई दिखाई दी हैं। इसी प्रकार उन्नाव में गंगा नदी में बहती हुईं और नदी किनारे दफन की गईं दर्जनों लाशों का मामला सामने आया है। इसी तरह गंगा नदी में लाशों के बहने की खबर बिहार से भी मिली है। बयान में एनएचआरसी ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रशासनिक अधिकारी जनता को जागरूक करने और गंगा नदी में अधजली या बिना जली लाशों को बहाने से रोकने में असफल हुए हैं। (शेष पेज 9)

लकड़ी जलने के बावजूद नहीं उठेगा चिता से धुआं

- आईआईटी रोपड़ ने अंतिम संस्कार के लिए बनाई कम लकड़ी के प्रयोग वाली मशीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपने प्रियजनों का अंतिम संस्कार करने के लिए जहां-तहां परेशान होने वालों के लिए राहत की खबर है। कोरोना महामारी के दौरान अधिकांश श्मशानघाट में संख्या से अधिक शवों को जलाया जा रहा है। ऐसे में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने अंतिम संस्कार के लिए एक पोर्टेबल प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक मशीन का विकास किया है, जिसमें लकड़ी का प्रयोग होने के बावजूद धुंआ नहीं होगा। इस तरह पहली बार धुआं रहित अंतिम संस्कार संभव हो सकेगा। इस मशीन में तकनीक के प्रयोग से दाह संस्कार के लिए कम लकड़ी की जरूरत होगी और यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ इसे दूसरी जगह भी ले जाया जा सकता है। आईआईटी रोपड़ द्वारा बत्ती वाले स्टोव तकनीक पर आधारित है। इसके जलाने पर बत्ती पीले रंग की चमकती है। इसकी बत्तियों को ऊपर करने पर यह काम करने लगता है और वायु प्रणाली की मदद से इसके धुएं का रंग नीली लौ में परिवर्तित हो जाता है। अंतिम संस्कार के लिए तैयार किए गए इस मशीन (गाड़ी) में पहिए लगे हैं, जिसकी मदद से इसे कहीं भी आसानी से ले जाया जा सकता है। इसके दोनों तरफ लगे स्टील के ट्रे को हटाकर राख को साफ किया जा सकता है। (शेष पेज 9)

शवों के दाह संस्कार के लिए कम लकड़ी के प्रयोग वाली मशीन

कोविड की जंग जीते, और लोगों को बचाने में लगा दी जान

आशा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हमारे आसपास बहुत सारे ऐसे चेहरे मिलेंगे जिन्होंने बड़ी बहादुरी से लड़ते हुए कोरोना को हराया है। इन लोगों ने दुनिया को दिखा दिया कि साहस और संकल्प के हथियार से कोई भी लड़ाई जीती जा सकती है। कोरोना को हराने वाले अक्षित कुमार थोट्टाम का कहना है कि इसे एक युद्ध मानिए और स्वयं को योद्धा। अक्षित गुजरात के कच्छ स्थित गांधी टाउन में बैंकर हैं। पिछले 6 अप्रैल को वह कोविड पॉजटिव हुए थे। अक्षित बताते हैं कि षुरुआती चरण में यह उनके लिए बहुत कठिन था, क्योंकि वह गुजरात में अकेले थे और उनका परिवार केरल में था। उन्होंने लोगों से इसका जल्द से जल्द इलाज शुरू करने के साथ ही कहा कि अपने आसपास साफ सफई का ध्यान रखें। अगर संभव हो तो बिस्तर का चादर और तकिए का गिलाफ भी हर दिन बदल दें। अधिक से अधिक आराम करें। थोड़ा योग करें, मन में सकारात्मक विचार बनाएं रखें और परिजनों के संपर्क में रहें। उज्जैन की बुजुर्ग महिला जिनका 95 फीसदी फेफड़ा संक्रमित हो गया था, ने भी सफलतापूर्वक कोविड को मात दी है। वह 80 दिन तक ऑक्सीजन सपोर्ट पर थीं। गोरखपुर में 82 साल की महिला ने बहादुरी से कोविड-19 का सामना किया और योग व अन्य उपायों से ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाया। मुंबई की 75 साल की बुजुर्ग महिला कोविड-19 संक्रमित थीं। उन्हें मधुमेह के कारण अधिक खतरा था। डॉक्टर ने कहा कि उसके पास सिर्फ24 घंटे हैं, लेकिन 13 दिन बाद उन्होंने कोरोना को हरा दिया। (शेष पेज 9)

कोरोना से नक्सलियों में दहशत, भगदड़ का माहौल

निराशा

- संगठन के कई कमांडरों की मौत से नक्सल संगठनों में हताशा का माहौल

राकेश सिंह। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से नक्सलियों में दहषत व्याप्त है। नक्सलियों की हृदय स्थली छत्तीसगढ़ में कई शीर्ष नक्सली इस घातक बीमारी की चपेट में हैं और वे पास के कस्बों और शहरों में इलाज करा रहे हैं। इससे उनका संगठन और व्यवस्था चरमरा गई है। जंगल में चिकित्सा सुविधाओं के अभाव और बड़ी संख्या में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) के संगठन व रैंक के कई बड़े कमांडरों की मौत होने से भय और निराषा का माहौल है।

वहीं नक्सल नेतृत्व ने षक्ति बढ़ाने के लिए पहले बच्चों की भर्ती का सहारा लिया था, लेकिन मौजूदा हालात बेहद कठिन हैं, क्योंकि महामारी के बीच बच्चों का षोशण करना पूरी मानवता को प्रभावित करेगा। बीएसएफ, उत्तर प्रदेष व आसाम के पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने ट्वीट कर कहा कि सीपीआई-माओवादी को कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान 12-18 साल के लगभग 700 स्कूली बच्चों की भर्ती करने के बारे में पता चला है। इन स्कूली बच्चों के लिए छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में एक महीने के लिए प्रशिक्षण षिविर चलाया जा रहा है। इस नई भर्ती का उद्देश्य हाल ही में हुए नुकसान और निराषा की भरपाई करना है। छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के सुरक्षाबलों द्वारा छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित इलाकों की तलाशी अभियान के दौरान जब्त किए गए नक्सल कैडर के कई पत्र नक्सलियों के वर्तमान हालात और मन की स्थिति पर प्रकाष डालते हैं। एक पत्र के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण से कई नक्सल कमांडर बस्तर, दरभा और पश्चिमी बस्तर संभाग में जूझ रहे हैं। जिसमें कई कमांडरों की अचानक मौत भी हो गई है।

घरों में आइसोलेट कोरोना पीड़ितों को मिली बड़ी राहत

निगम उपलब्ध करा रहा है मेडिकल किट

तीन हजार से भी अधिक संक्रमितों को दी जा चुकी हैं दवाइयां

● मरीजों को दवा लेने का तरीका भी समझा रही निगम की स्वास्थ्य टीम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना संक्रमण से जूझ रहे शहर को राहत दिलाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम की स्वास्थ्य टीम मैदान में उतर गई है। यही नहीं कोरोना से पीड़ित जो लोग घरों में आइसोलेशन में रह रहे हैं, उन्हें दवाई आदि उपलब्ध कराने का अभियान भी शुरू कर दिया गया है।

खास बात यह है कि नगर निगम के सुपरवाइजर व सफाई नायक अपनी-अपनी टीम के कर्मचारियों के साथ घर-घर जाकर कोरोना पीड़ितों को मेडिकल किट उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही दवाई का इस्तेमाल करने का तरीका भी उन्हें बता रहे हैं। अपर नगर आयुक्त आरएन पांडे के नेतृत्व में यह विशेष अभियान शुरू हो चुका है और रात-दिन कोरोना योद्धा इस अभियान में जुटे हुए हैं। अपर नगर आयुक्त आरएन पांडे ने बताया कि अब तक इस अभियान में 3000 से भी अधिक कोरोना पीड़ितों को मेडिकल किट सौंपी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अभियान में पारदर्शिता लाने के लिए क्षेत्र की निगरानी समितियों व आरडब्लूए टीम की मदद ली जा रही है।

उन्होंने बताया कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत निगरानी समितियों की अध्यक्षता में शहर के निवासियों का कोविड चेकअप कराकर उन्हें यह मेडिकल किट दी जा रही है। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि होम आइसोलेशन के मरीजों तक दवाई पहुंचाने की जिम्मेदारी अपर नगर आयुक्त आरएन पांडे को सौंपी गई है जिनके नेतृत्व में यह काम पारदर्शिता के साथ चल रहा है।

उन्होंने बताया कि यह अभियान इसलिए चलाया गया है ताकि आइसोलेशन में रहने वाले मरीज अपने आप को अकेला ना समझें। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग 24 घंटे मरीजों के साथ में है।

शहर में परिवार के मुखिया कोविड किट सौंपते हुए निगम कर्मी।

कोरोना योद्धाओं की देखभाल करेगा निगम

गाजियाबाद। शहर में संक्रमण को रोकने के लिए मैदान में उतरे नगर निगम के कोरोना योद्धाओं व उनके परिवारों की देखभाल निगम खुद करेगा। इस संबंध में निगम प्रशासन ने सभी विभागाध्यक्षों से सभी कर्मचारियों और उनके परिजनों का ब्यौरा मांगा है।

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तवर ने बताया कि निगम के कर्मचारी दिन-रात अपने परिवार की परवाह किए बगैर शहर के लोगों की सेवा में लगे हुए हैं। इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए निगम ने फील्ड में काम कर रहे सभी कोरोना योद्धाओं का डाटा एकत्र करने के लिए कहा है ताकि समय-समय पर उनकी व उनके परिवारों की स्वास्थ्य जांच पड़ताल करके उन्हें उचित दवाई व इलाज उपलब्ध कराया जा सके। नगरायुक्त ने बताया कि कैलाश मानसरोवर में निगम ने अपना अस्पताल भी शुरू कर दिया है। अस्पताल में निगम कर्मचारियों व उनके परिजनों को इलाज के लिए वरीयता दी जाएगी।

दो साल पहले अगवा किया गया बच्चा बदायूं से बरामद

● रिश्तेदार को 90 हजार में बेचा था, दो धरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र से वर्ष 2019 में अगवा हुए एक बच्चे को पुलिस ने बृहस्पतिवार को बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना ईकोटेक-3 के प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार ने बताया कि जलपुरा गांव में रहने वाले बच्चे शादाब अली का जुलाई, 2019 में अपहरण हो गया था। उसके परिजनों ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर रही थाना पुलिस ने एक सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को जनपद बदायूं से बच्चे को बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बच्चे को राजाराम तथा उसकी मां ने ग्रेटर नोएडा से अगवा करके बदायू जनपद में रहने वाले अपने रिश्तेदार राजेंद्र शाक्य को 90 हजार रुपए में बेच दिया था। उन्होंने बताया कि राजेंद्र शाक्य का कोई बेटा नहीं था इसलिए उसने शादाब को खरीद लिया था तथा गांव में यह बात फैला दी थी कि उसने बच्चे को गोद लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने शादाब का नाम बदलकर अंश शाक्य रख दिया था। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने राजाराम तथा राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

अपने पिता की गोद में बरामद बच्चा।

मुख्यमंत्री जल्द करेंगे गौतमबुद्धनगर का दौरा

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्दी ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा का दौरा करने आ रहे हैं। जानकारी मिल रही है कि अगले एक-दो दिन में उनका कार्यक्रम जारी हो जाएगा।

मुख्यमंत्री कोरोनावायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए चल रहे अभियान की समीक्षा करेंगे। दूसरी लहर के दौरान गौतमबुद्धनगर को भी इस महामारी ने बुरी तरह चपेट में लिया है। जानकारी के मुताबिक शासन की ओर से गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन को संकेत दे दिए गए हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण पैदा हुई महामारी के हल्का पड़ते ही मुख्यमंत्री ने राज्य में जिलों का भ्रमण शुरू कर दिया है। पिछले 2 दिनों से मुख्यमंत्री भ्रमण पर हैं। गुरुवार को मथुरा और अलीगढ़ जिलों का दौरा योगी आदित्यनाथ करेंगे। शासन से जानकारी मिली है कि इस सप्ताह के आखिर में या अगले सप्ताह की शुरुआत में सीएम जिले के दौरे पर आएंगे। उसी दिन वह गाजियाबाद का भी दौरा करेंगे।

प्लाज्मा दान करने वाले कोरोना योद्धा सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा है। मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ गया है। संकट की इस घड़ी में गंभीर मरीजों को प्लाज्मा दान कर नई जिंदगी देने वाले कोरोना वारियर्स का उत्साहवर्धन करने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोरोना योद्धाओं को अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय सूरजपुर में सम्मानित किया।

पुलिस आयुक्त मुख्यालय पुष्पांजलि व पुलिस उपायुक्त मुख्यालय द्वितीय मिनाक्षी कात्यायन ने कोरोना योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सभी का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि उनके इस मानवीय कार्य पर गर्व है। बता दें कि गौतमबुद्धनगर पुलिस ने एक सराहनीय पहल की है, जिसमें कोरोना संक्रमित व्यक्ति जिसे प्लाज्मा की आवश्यकता है, वह कोविड हेल्पलाइन 8851066433 या ट्विटर लिंक के माध्यम से संपर्क कर प्लाज्मा के लिए आवेदन कर सकता है। महामारी के इस दौर में जरूरतमंद को गौतमबुद्धनगर पुलिस के कोरोना वारियर्स अपना प्लाज्मा दान कर रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय पर खड़े प्लाज्मा दान करने वाले कोरोना योद्धा। फोटो : दीपक

फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव, पति पर हत्या का आरोप

● पुलिस ने बीच में रुकवाया अंतिम संस्कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मसूरी थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर संदिग्ध रूप से आत्महत्या कर ली, ससुराल पक्ष के लोगों ने मायके वालों को घटना की सूचना दे दी लेकिन उनके आने से पहले ही श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार की रस्म शुरू कर दी।

जब मायके वाले मौके पर पहुंचे तो हैरत में रह गए और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी । पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर विवाहिता के अंतिम संस्कार को बीच में रुकवा दिया और उसके अधजले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में महिला के परिजनों ने पति व ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

मरने वाली महिला का नाम सरिता है । दो साल पहले उसकी शादी बयाना निवासी संदीप के साथ हुई थी । मसूरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सरिता के अधजले शव को चिता से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके वालों ने पति व ससुराल वालों पर सरिता की हत्या करने का आरोप लगाया है।

पुलिस पर हमला करने के मामले में दो दबोचे

थानाध्यक्ष समेत 4 पुलिसकर्मी भी हुए घायल, सरकारी वाहन भी तोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना जारचा पुलिस पर हमला करने तथा पथराव कर सरकारी वाहनों को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि गांव रघुवीर गढ़ी के रहने वाले सैकड़ों लोगों ने नहर में एक युवक के डूब जाने के बाद मंगलवार देर रात को थाना जारचा पुलिस पर लाठी, डंडों से व ईंट पत्थर फेंककर जानलेवा हमला किया था तथा सरकारी वाहनों में तोड़-फोड़ की थी।

उन्होंने बताया कि इस घटना में थानाध्यक्ष श्रीपाल सिंह सहित चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही थाना जारचा पुलिस ने बृहस्पतिवार को पुलिस पार्टी पर हमला करने के आरोपी सोनू तथा रवि नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पांडे ने बताया कि इस मामले में 160 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गांव रघुवीर गढ़ी के कुछ युवक समाना नहर के पास बैठकर शराब पी रहे थे तभी प्रीतम नामक शख्स की नहर में डूबने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद गांव में अफवाह फैल गई कि वे लोग नहर किनारे बैठकर शराब पी रहे थे, इसी बीच पुलिस वहां पर गश्त करती हुई आ गई और पुलिस को देखकर प्रीतम ने नहर में छलांग लगा दी।

पांडे ने बताया कि इस बात से आक्रोशित ग्रामीण मंगलवार की देर रात को नहर के किनारे इकट्ठे हो गए तथा वहां पहुंची पुलिस पार्टी पर ईंट पत्थर आदि से हमला करने लगे। अपर उपायुक्त ने बताया कि बुधवार दोपहर को प्रीतम का शव नहर से बरामद हुआ। इस बाबत प्रीतम के पिता हरस्वरूप ने उसके साथी छोटू तथा दीपक को नामित करते हुए हत्या का मुकदमा थाना जारचा में दर्ज कराया है। दोनों आरोपी फरार हैं।

संक्षिप्त समाचार

नवयुग मार्केट स्थित बड़ी सब्जी मंडी के बाहर तैनात पुलिसकर्मी।

सब्जी मंडी में भीड़ संभालने के लिए पुलिस तैनात

गाजियाबाद। बस अड्डा स्थित सब्जी मंडी में खरीदारों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अब पुलिस ने मोर्चा संभाला है। पुलिस ने सब्जी मंडी के प्रवेश पर बेरिकेट्स लगा दिए हैं। ग्राहकों को एक-एक कर ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा है। साथ ही ग्राहकों को जल्द से जल्द सब्जी आदि खरीदकर वापस जाने की हिदायत दी जा रही है ताकि एकसमय में अधिक लोग एकत्र न हो सकें। भीड़ को कम करने के लिए सब्जी मंडी परिसर में वाहनों को भी प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। सभी वाहनों को सब्जी मंडी से बाहर सड़कों पर पार्किंग में खड़ा किया गया। मंडी खुलने का समय सुबह 11 बजे तक का है। ऐसे में लोग बड़ी संख्या में सुबह से ही सब्जी खरीदने पहुंच जाते हैं। भीड़ के कारण सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं हो पा रहा था।

विटामिन की गोली, मास्क व सेनेटाइजर बांटते कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता।

कांग्रेस सेवा दल ने बांटी विटामिन की गोली

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को शहर में जगह-जगह शिविर लगाकर विटामिन सी ,मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया और लोगों को जागरूक रहने के लिए परामर्श दिया। कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने बताया कि जनपद में सभी तहसीलों में यह शिविर लगाया जाएगा। इससे पहले जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर कोविड डेस्क का आयोजन भी किया गया था लेकिन दो-तीन दिन के बाद ही इस डेस्क ने दम तोड़ दिया। कोरोना संक्रमण के भय से जिला कार्यालय पर कोई भी कार्यकर्ता नहीं पहुंचा।

वैक्सीन लगवाने आए बुजुर्ग को धक्का देकर निकाला

गाजियाबाद। शहर के एक कोविड वैक्सीनेशन सेंटर पर झड़प का वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो काफी जगह शेयर हुआ है। इस वीडियो में एक सीनियर सिटीजन वैक्सीनेशन सेंटर पर वैक्सीन लगवाने के लिए दिखाई दे रहे हैं। जहां सेंटर पर मौजूद एक शख्स सीनियर सिटीजन को धक्का देते हुए कमरे से बाहर निकाल रहा है। झड़प होने की क्या वजह रही यह स्पष्ट नहीं है। मगर सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो पर काफी तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जो व्यक्ति धक्का देते हुए सीनियर सिटीजन को बाहर निकाल रहा है उसे एक जनप्रतिनिधि का करीबी भी बताया जा रहा है। धक्का देने की परिस्थितियां क्यों बनी यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। वीडियो विजय नगर क्षेत्र के किसी इलाके का बताया जा रहा है।

20 लाख की लूट का खुलासा, गैंग के 7 लुटेरे गिरफ्तार

● दो महिलाओं समेत पांच बदमाश फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बृहस्पतिवार को इंदिरापुरम पुलिस ने पिछले माह शिप्रा अंडरपास से कोनोडिया इंफ्राटेक के केशियर से हथियारों के बल पर की गई 20 लाख की लूट का खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने इस मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के 7 लुटेरों को गिरफ्तार किया है जबकि दो महिलाओं समेत पांच आरोपी फरार हैं। वारदात को फैक्ट्री मालिक के ड्राइवर सतेंद्र ने ही ताना-बाना बुना था।

पुलिस अधीक्षक नगर (द्वितीय) ज्ञानेंद्र ने बताया कि 19 अप्रैल को कनोडिया इंफ्राटेक के कैशियर संदीप खेमका से तमंचे के बल पर बदमाशों ने 20 लाख रुपए की नकदी लूट लिया था। इस मामले में खेमका ने इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना के बाद से ही पुलिस की टीमें घटना का अनावरण करने के लिए जुटी थी।

बृहस्पतिवार को पुलिस ने इस मामले में जितेंद्र उर्फ जीतू, गजराज, रामू उर्फ टीटू, सत्येंद्र, मनीष, सचिन व पप्पू को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फैक्ट्री के मालिक के ड्राइवर सत्येंद्र के अलावा सीमा, प्रीत, अमजद व रोहित फरार हैं।

उन्होंने बताया कि सत्येंद्र फैक्ट्री मालिक का ड्राइवर है और पैसा लाने ले जाने का काम वही करता था। उसी ने सीमा, प्रीति अन्य आरोपियों से रेकी कराई थी। पुलिस ने अपराधियों कब्जे से 9 लाख 30 की नकदी, दो तमंचे लूट में प्रयुक्त की गई दो मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं । इनमें कई आरोपी पूर्व में जेल में जा चुके हैं।

इंदिरापुरम पुलिस द्वारा पकड़े गए सातों लुटेरे।

पत्नी का पहले सिर कुचला फिर गर्दन काटकर मार डाला

● पति समेत कई हिरासत में लिए गए

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मसूरी थाने के बयाना गांव में एक युवक ने झगड़े के बाद मायके में रह रही अपनी पत्नी की बेरहमी से सिर कुचलकर नृशंस हत्या कर दी। इतना ही नही पति ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन और कान भी काट दिए। घटना के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने महिला के पति दीपक और पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। इस संबंध में अभी तक पुलिस ने गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. इराज राजा ने बताया कि बयाना गांव में राजकुमारी नामक एक नवविवाहिता का शव खून से लथपथ उसके मायके में बरामद हुआ। मृतका का सिर किसी वजनी वस्तु से कुचला हुआ था।

साथ ही उसकी गर्दन व कान भी धारदार हथियार से काटे गए हैं। पूछताछ में राजकुमारी के परिजनों ने बताया कि राजकुमारी की शादी इन्द्रगढ़ी निवासी दीपक के साथ एक साल पहले ही हुई थी।

दुकानों का समय बढ़ाने की मांग

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल द्वारा ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सरकार से लॉकडाउन में फुटकर सब्जी और किराना दुकानों के समय 7 से 11 को 2 घंटे बढ़ाने की मांग की गई। बैठक में कहा गया कि थोक व रिटेल का एक समय रहने के कारण सब्जी का फुटकर विक्रेता 8:00 बजे तक सब्जी लेकर अपनी दुकान तक बेचने के लिए पहुंचता है, फिर सब्जी लगाता है। इतने में ही उसका काफी समय निकल जाता है। ऐसे में जब तक उसकी सब्जी की बिक्री शुरू होती है तभी प्रशासन द्वारा तय दुकान बंद करने का समय हो जाता है।

500 स्थानों पर निगम ने कराया सैनिटाइजेशन

निगरानी समितियों और आरडब्ल्यूए की देखरेख में हो रहा कार्य

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना से जंग

महानगर को ऑक्सीजन की किल्लत से मुक्ति दिलाने के बाद नगर निगम ने अब शहर में कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सैनिटाइजेशन का काम शुरू कर दिया है। इस रणनीति के तहत जहां-जहां शहर में सैनिटाइजेशन का कार्य पूरा हो रहा है उस वार्ड का संबंधित पार्षद और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

नगर निगम की इस रणनीति का चौतरफा स्वागत किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में 100 वार्डों के अलावा 500 विभिन्न इलाकों में सेनेटाइजेशन का काम किया गया है। जहां-जहां सैनिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है वहां 2 दिन या 3 दिन छोड़कर पुन: सैनिटाइजेशन का काम किया जाएगा ताकि संक्रमण का खात्मा हो सके। अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव के नेतृत्व में सैनिटाइजेशन का यह विशेष अभियान चल रहा है।

अपर नगर आयुक्त ने बताया कि इस अभियान के तहत साफ-सफाई, फागिंग तथा सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए शहर के विधायकों, महापौर आशा शर्मा और नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर का मार्गदर्शन भी कारगर साबित हो रहा है।

यादव ने बताया कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के हर कोने-कोने में सैनिटाइजेशन और फागिंग कराने का है और क्षेत्रीय निगरानी समितियों के सहयोग से इसमें काफी सफलता मिल रही है।

पटेल नगर बी ब्लॉक में सैनिटाइज करता नगर निगम का कर्मचारी।

गाजियाबाद में पांच हजार से कम हुए सक्रिय मामले

नए कोरोना संक्रमितों से अस्पतालों से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना संक्रमण को लेकर जहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय देशभर में स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने की खबर दे रहा है वहीं देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद जनपद में भी पिछले छह दिनों से लगातार राहत देने वाली रिपोर्ट आ रही है। जी हां पिछले छह दिन से लगातार कोविड-19 के जितने नए मामले आ रहे हैं, डिस्चार्ज होने वालों की संख्या उनसे अधिक रहती है।

जाहिर सी बात है कि जनपद में एक्टिव केस भी लगातार कम हो रहे हैं। 6 मई तक स्थिति इसके उलट थी। किसी दिन यदि स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ी भी तो अगले ही दिन फिर गोता खा गई और एक्टिव केस घटते कम और बढ़ते ज्यादा दिख रहे थे, लेकिन अब मामूली सा सही राहत की किरण दिखने लगी है। उत्तर प्रदेश शासन से रोजाना जारी होने वाली रिपोर्ट के मुताबिक बृहस्पतिवार को जिले में कोविड के कुल 374 नए पॉजिटिव मामले सामने आए तो पिछले 24 घंटे के दौरान 684 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज भी हो गए। नए मामलों के मुकाबले स्वस्थ होने वालों की संख्या ज्यादा होना नि:संदेह अच्छी खबर है। वहीं डेली रिपोर्ट पर नजर डालें तो सात मई से जनपद की रिपोर्ट ऐसी ही खबर दे रही है। सात मई, 2021 को 686 नए मामले सामने आए थे और 887 उपचाराधीन स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए थे। छह मई को इस बार के अधिकतम सक्रिय केस 6915 दर्ज किए गए थे जो सात मई को घटकर 6707 रह गए थे और उस दिन से लगातार सक्रिय मामले कम हो रहे हैं।

इसी प्रकार आठ मई को 564 नए मामलों के मुकाबले 1100 स्वस्थ हुए। नौ मई को 578 नए मामलों के मुकाबले 921 उपचाराधीन स्वस्थ हुए। 10 मई को 532 के मुकाबले 846 और 11 मई को 817 नए मामलों के मुकाबले 999 उपचाराधीन स्वस्थ्य हुए। 12 मई को जरूर स्वस्थ होने वालों की संख्या नए मामलों से कम रह गई लेकिन 13 मई को एक बार फिर रिपोर्ट में अच्छे संकेत मिले। बृहस्पतिवार को जहां नए मामले केवल 374 रहे वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या 684 पहुंचने से एक्टिव केस घटकर 4958 रह गए।

लगातार मामले घट रहे हैं। यह अच्छा संकेत है। लोग घरों में रहें। केवल जरूरी काम से ही बाहर निकलें। बाहर निकलते समय मॉस्क, सामाजिक दूरी और हैंड हाईजीन में कोई समझौता न करें। जागरूकता और बचाव से कोविड-19 पर काबू पाया जा सकता है।

डा. एनके गुप्ता, सीएमओ, गाजियाबाद

कोरोना नियमों के साथ कड़ी सुरक्षा में मनेगी ईद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना काल में ईद उल फितर का त्यौहार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज मनाया जाएगा। ईद उल फितर पर कोई गड़बड़ ना हो और कोरोना नियमों का पालन कराया जा सके इसके लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

कार्यवाहक जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने सर्किल वाइज 8 मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी है। जो सुबह 6:00 बजे से देर शाम तक अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करते रहेंगे। वहीं शहर इमाम मुफ्ती जमील जमीर बेग कासमी ने लोगों से कोरोना नियमों का पालन करते हुए की ईद का त्यौहार मनाने की अपील की है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक सर्किल में मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट विपिन कुमार सर्किल 1, जीडीए के विशेष अधिकारी सुशील चौबे सर्किल दो, संजय कुमार कवि नगर सर्किल, एसडीएम विजय कुमार सर्किल 3, अंजुम खालिद सर्किल 4, डीपी सिंह सदर सर्किल, आदित्य प्रजापति मोदीनगर सर्किल तथा शुभांगी शुक्ला लोनी सर्किल में तैनात रहेंगे और अपने ड्यूटी को अंजाम देंगे। इस दौरान संवेदनशील इलाकों को भी चिन्हित कर लिया गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

दिल्ली के पास ज्यादा ऑक्सीजन जरूरतमंद राज्यों को दे केंद्र

उपमुख्यमंत्री ने केंद्र से किया आग्रह

- अस्पतालों में कम हुई संक्रमितों की संख्या, 700 के बजाय 582 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अस्पतालों में संक्रमित मरीजों की संख्या कम हो गई है। इसके चलते दिल्ली में ऑक्सीजन की खपत हर दिन 700 मीट्रिक टन से घटकर 582 मीट्रिक टन रह गई है। उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कहा दिल्ली की सरप्लस ऑक्सीजन जरूरतमंद राज्यों को दें। सिसोदिया ने ऑक्सीजन कोटे को कम करने की मांग करते हुए एक जिम्मेदार सरकार की शानदार भूमिका का उदाहरण दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि शहर में संक्रमण दर गिरकर 14 प्रतिशत रह गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 10,400 मामले दर्ज किए गए हैं।

सिसोदिया ने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में जानकारी दी कि दिल्ली में अप्रैल के चौथे और मई के पहले सप्ताह में कोरोना संक्रमण दर तेजी से बढ़ी थी। रोजाना 80 हजार से एक लाख तक टेस्ट किए जाते थे और 27 से 28 हजार नए मरीज सामने आते थे। तब संक्रमण दर 32 फीसदी तक पहुंच गई थी लेकिन अब मरीजों की संख्या घट रही है इससे संक्रमण दर अब 14 फीसदी पर पहुंच गई है। पिछले 24 घंटो में केवल 10400 मामले सामने आए है।

सिसोदिया ने कहा कि जब संक्रमण बढ़ा तो ऑक्सीजन की मांग भी बढ़ी थी तब हर दिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत थी संक्रमण दर के कम होने और अस्पतालों में मरीजों की संख्या कम होने के बाद अब ऑक्सीजन की मांग भी घट गई है। केंद्र सरकार द्वारा तय प्रति बेड ऑक्सीजन की कुल मांग के अनुसार अब रोज 582 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि मुश्किल समय में सुप्रीम कोर्ट के सहयोग से केंद्र द्वारा मांग के अनुसार 700 टन नहीं लेकिन पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई जिससे हजारों की जान बचाई जा सकी।

सिसोदिया ने यह भी बताया कि अब अस्पतालों से आपात स्थिति में एसओएस कॉल आना भी बंद हो चुकी है। अब 24 घंटों में बमुश्किल 1-2 फोन आते हैं जहां तुरंत ऑक्सीजन पहुंचा दी जाती है। इसलिए दिल्ली सरकार ने एक जिम्मेदार सरकार का कर्तव्य निभाते हुए केंद्र सरकार को पत्र लिख कर ऑक्सीजन आपूर्ति का कोटा घटाकर का अनुरोध किया है। ताकि शेष ऑक्सीजन को जरूरतमंद राज्यों को दिया जा सके।

45 से अधिक उम्र के लोग बिना रजिस्ट्रेशन लगवा सकेंगे टीका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को वैक्सीनेशन प्रक्रिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि 45 साल से अधिक उम्र के लोग अब बिना रजिस्ट्रेशन करवाए सीधे वैक्सीनेशन केंद्रों पर जाकर टीका लगवा सकते हैं।

वैक्सीनेशन केंद्रों पर ही उनका रेजिस्ट्रेशन किया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि टीका केंद्रों को अस्पतालों से शिफ्ट कर सरकारी स्कूलों में खोला जाएगा। सरकारी स्कूलों में 18 से 45 आयुवर्ग के लोगों के लिए 3 मई से वैक्सीनेशन केंद्रों की शुरुआत की गई थी। इसके बेहतर परिणामों को देखते हुए सरकार ने 45 प्लस लोगों का वैक्सीनेशन केंद्र सरकारी स्कूलों में शिफ्ट करने का निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाने के लिए वैक्सीन सेंटरों को सरकारी स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा साथ ही सेंटरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस उम्र वर्ग के काफी लोग वैक्सीन के लिए स्वयं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रहे है इसलिए इस वर्ग के सभी लोगों को वॉक-इन वैक्सीनेशन की सुविधा दी जाएगी जहां वैक्सीनेशन सेंटर पर ही उनका रेजिस्ट्रेशन किया जाएगा और वैक्सीन लगाई जाएगी।

सरकार बहुत जल्द ही टीका केंद्रों की संख्या बढ़ाएगी। दिल्ली के हर हिस्से में वैक्सीन केंद्रों और वैक्सीन का सामान वितरण होगा ताकि कम समय में ज्याद लोगों को वैक्सीन लगाई जा सके। इन सभी केंद्रों पर सप्ताह में 6 दिन वैक्सीन लगाई जाएगी। रविवार को वैक्सीन केंद्र बंद रहेंगे। अगर पर्याप्त वैक्सीन की आपूर्ति होती रही तो हर दिन 3 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी।

संक्रमण दर 14 फीसदी, 24 घंटो में आए 10400 मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 10,489 नए मामले सामने आए। वहीं पिछले चौबीस घंटे 15189 मरीज ठीक हुए। साथ ही 308 मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ संक्रमण दर घटकर 14.24 फीसदी पर आ गई है।

इससे एक दिन पहले संक्रमण दर 17.03 प्रतिशत थी। यह संतोषजनक है कि पिछले कई दिनों से संक्रमण दर लगातार कम हो रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि संक्रमण के नए मामले 10 अप्रैल के बाद से सबसे कम हैं। उस वक्त 7,897 लोग संक्रमित पाए गए थे।

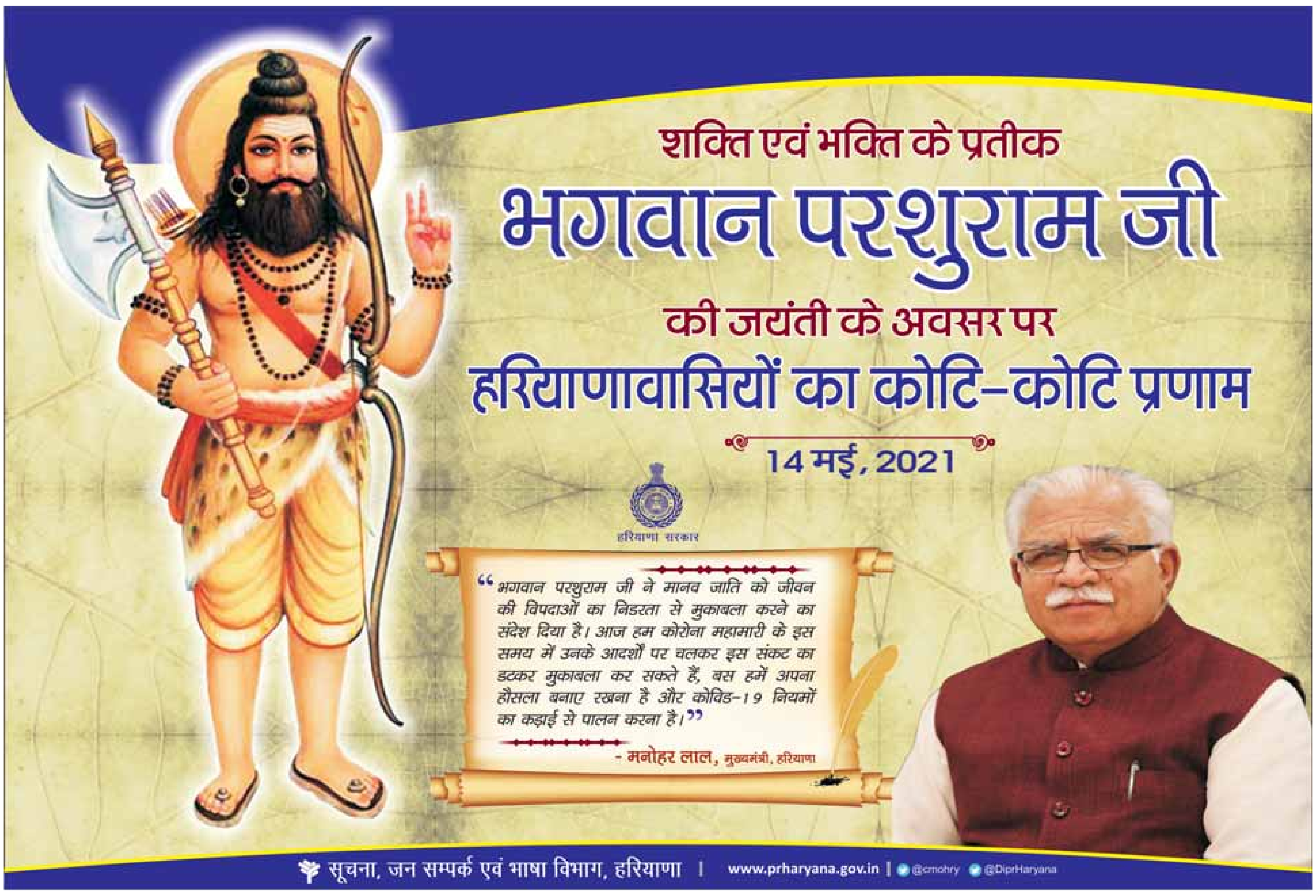

सत्यमेव जयते
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
भारत सरकार

सशक्त अन्नदाता, आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
के द्वारा
पीएम-किसान के तहत

9.50 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों के बैंक खातों में
19 हजार करोड़ रु से ज्यादा की सम्मान राशि का हस्तांतरण
और किसान भाई-बहनों से बातचीत (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा)
दिनांक: 14 मई, 2021 प्रात: 11:00 बजे

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

- सभी भूजोतधारी योजना में शामिल।
- अब तक लगभग 11 करोड़ किसानों के खातों में कुल 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का हस्तांतरण।
- योजना का पूरा खर्च भारत सरकार द्वारा वहन।
- किसानों की सुविधाओं के लिए "पीएम किसान मोबाइल ऐप"।
- पीएम किसान निधि से किसानों को खेती सम्बन्धी जरूरतों में सहायता।
- राज्य सरकारों द्वारा पात्र किसानों का चयन एवं डाटा www.pmkisan.gov.in पर उपलब्ध।
- पात्र किसान योजना का लाभ लेने के लिए जिले के नोडल अधिकारी से संपर्क करें।

सभी किसान भाई-बहन यह कार्यक्रम डीडी न्यूज या डीडी किसान चैनल या https://pmevents.ncog.gov.in पर लाइव देख सकते हैं | पीएम किसान हेल्पलाइन नं. : 011-24300606, 155261 | AgriGoI | AgriGoI

davp 01101/13/0001/2122

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 मई, 2021

ग्रामीण क्षेत्रों में आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए 164 इमारतें चिह्नित

आगामी 10 दिनों में ग्रामीणों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहरी क्षेत्र में कोरोना कुछ हद तक नियंत्रित होने के बाद अब गुरुग्राम जिला प्रशासन शहरी क्षेत्र के साथ-साथ गावों पर भी ध्यान देगा। इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है, जिसे आने वाले दिनों में अमलीजामा पहनाया जायेगा।

कोरोना की पहली लहर ज्यादातर शहरी क्षेत्रों तक सीमित रही थी, लेकिन अब दूसरी लहर में संक्रमण के मामले ग्रामीण क्षेत्र में भी पाए जा रहे हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। उन निर्देशों और विषय की गंभीरता को समझते हुए गुरुग्राम जिला प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्र में कार्य योजना बनाकर उस पर काम भी शुरू कर दिया है। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग के अनुसार कोरोना संक्रमित मरीजों तथा संदिग्ध व्यक्तियों को स्वस्थ लोगों से अलग करने के लिए गांवों में भी आइसोलेशन सेंटर बनाने होंगे। ऐसे सेंटर बनाने के लिए गुरुग्राम जिला के गांवों में 164 भवनों अथवा इमारतों की पहचान की गई है, ताकि परिस्थिति अनुरूप आइसोलेशन सेंटर बनाकर कोरोना संक्रमित पाए जाने वाले व्यक्तियों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सके। इन आइसोलेशन सेंटरो में स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा एकजुटता से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निदेशज़नुसार जिला में प्रत्येक गांव को सेनिटाइज करवाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 10 दिन में गावों में घर-घर जाकर लोगो की स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य जांच की जाएगी, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग व जिला विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा संयुक्त रूप से टीमें तैयार की जा रही हैं। इन टीमों में आंगनवाड़ी वर्करों को भी शामिल किया गया है। ये टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना लक्षण वाले मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें कोविड अनुकूल व्यवहार के बारे में जागरूक करेंगी। इन टीमों को जल्द की प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा सके। इस टीम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला के 7 हाईरिस्क ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से ही 138 टीमों का गठन कर टेस्टिंग, ट्रेसिंग व ट्रीटमेंट पर काम किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि आइसोलेशन सेंटर बनाने को लेकर पंचायतों को गांवो की आबादी के अनुसार ग्रांट भी दी जाएगी। जिन गांवों की आबादी 10 हजार से कम है, उन्हें 10 हजार रूपये तथा जिनकी जनसंख्या 10 हजार से अधिक है, उन्हें 50 हजार रुपये की ग्रांट दी जाएगी।

सोहना की ग्राम पंचायत में स्थापित आईसोलेशन सेंटर।

खंड के 35 गांवों में बनाए गए आइसोलेशन सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों में कोरोना से संक्रमित होने वाले ग्रामीणों को उपचार सुविधा देने के लिए विलेज आइसोलेशन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। पंचायत विभाग ने विलेज आइसोलेशन बनाने की कवायद शुरू कर दी है। रोगियों को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से विलेज मोनेट्रिंग कमेटी की देखरेख करेगी। कोरोना संक्रमण गांवों में न पहुंचे, इसके लिए पंचायत विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार के आदेश पर अब खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों में विलेज आइसोलेशन सेंटर बनाए जाएंगे। पंचायत विभाग आइसोलेशन सेंटन राजकीय स्कूलों में स्थापित कर रही है। शुरुआत में प्रत्येक पंचायत के अंदर दो बेड का आइसोलेशन सेंटर होगा। आवश्यकता अनुसार बेडों की संख्या को बढ़ाया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों में बुखार, जुखाम और खांसी के रोगियों की पहचान के लिए डोर टू डोर सर्वे किया जाएगा।

संक्रमित को मिलेगी हर सुविधा

विलेज आइसोलेशन सेंटर प्रत्येक स्कूल परिसर के दो कमरों में एक-एक बेड से शुरुआत की जाएगी। आइसोलेट होने वाले रोगी को हैंडवॉस, सेनेटाइजर, दवा, मास्क, पीने के पानी की सुविधा, शौचालय और बिजली की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध होगी। कोरोना संक्रमित के स्वास्थ्य की जांच के लिए दिन में डॉक्टरों की टीम निरीक्षण करेगी। जिसके लिए डॉक्टर टीम 24 घंटे आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध रहेगी।

कमेटी करेगी देखरेख

ग्राम पंचायतों में बनाए जा रहे आइसोलेशन सेंटरों पर विलेज मोनेट्रिंग कमेटी रोगियों की देखरेख करेगी। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम सचिव शामिल होंगे।

ब्लॉक और जिला स्तरीय कमेटी गठित

विलेज आईसोलेशन सेंटर पर रोजाना ब्लॉक व जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम का गठन कर दिया है। दोनों ही टीम हर दिन प्रत्येक विलेज आइसोलेशन सेंटर का निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के दौरान सेंटर पर तैनात विलेज मोनेट्रिंग कमेटी से जानकारी प्राप्त करेगी। आइसोलेट रोगी के स्वास्थ्य से लेकर उसके खाना और सुविधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त करेगी।

क्या कहते हैं बीडीपीओ

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी 35 ग्राम पंचायतों में विलेज आइसोलेशन सेंटर स्थापित कर दिए गए है। विलेज आईसोलेशन सेंटर पर केवल उस कोरोना संक्रमित को लेकर आया जाएगा। जिसके घर में आइसोलेट होने की सुविधा नहीं है। जिससे परिवार के अन्य सदस्य में संक्रमण को होने से रोका जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मौत का रहस्य जानने को विवाहिता का कराया पोस्टमार्टम

सोहना। संदिग्ध हालत में मरने वाली 27 वर्षीय विवाहिता कोरोना संक्रमित थी। पुलिस ने मृतक महिला की मौत का राज जानने के लिए गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता ने विवाहिता की हत्या करने का आरोप पति समेत छह अन्य नामजद आरोपियों पर लगाया था। मृतक विवाहिता के मायके वालों ने सोहना सिटी थाना में पहुंच आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। मंगलवार को शहर के वार्ड-2 की नौगझा पीर कॉलोनी निवासी 27 वर्षीय विवाहिता अंजू पत्नी जयप्रकाश की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। विवाहिता का उपचार से पहले कराया गया कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट गुरुवार को प्राप्त हुई। जिसमें मृतक को कोरोना पॉजिटिव बताया गया है। पुलिस ने गुरुवार को विवाहिता के कोरोना पॉजिटिव होने से पहले की गई मारपीट या हत्या का रहस्य जाने के लिए पोस्टमार्टम कराया। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि विवाहिता के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही उसके साथ की गई मारपीट या हत्या का रहस्य का खुलासा हो जाएगा। रिपोर्ट के बाद ही हत्या का आरोपी सिद्ध होने पर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

ईद के लिए किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पलवल। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ईद का त्योहार दिनांक 14 मई 2021 को मनाया जा रहा है। कुछ असमाजिक तत्व झगड़े को धार्मिक व जातीय झगड़े का विषय बना देते हैं। ऐसी परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक पलवल दीपक गहलावत ने जिला पुलिस पलवल को आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ईद पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक गहलावत ने कोविड-19 संक्रमण के चलते जिला के सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने इलाके में पड़ने वाली मस्जिद के मौलवी एवं इमामों से संपर्क स्थापित किया जाए कि कोरोना वायरस महामारी चेन तोड़ने के लिए मस्जिद में भीड़ के साथ नमाज अदा न कराएं। सभी पीसीआर एवं राइडर को निर्देश दिए हैं कि पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से जहां भी अव्यवस्था की सूचना प्राप्त होगी तुरंत मौके पर जाकर स्थिति से निपटेंगे। पुलिस अधीक्षक पलवल ने जिले के सभी नागरिकों को ईद की बधाई देते हुए कहा है कि इस त्योहार पर अपने पुराने गिले-शिकवे दूर करके बिना किसी भेदभाव और वैर विरोध के इस त्योहार का आनंद लें। इसके साथ ही कानून व्यवस्था का पालन करते हुए हरसंभव पुलिस का सहयोग करें, और किसी भी आपत्ति में पुलिस को तुरंत सूचित करें और कहा कि कानून एवं शांति व्यवस्था को किसी भी सूरत में बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

फर्जी आईडी बना बैंक से 50 हजार रुपये उड़ाने वाला काबू

फिरोजपुर झिरका। शहर पुलिस चौकी ने बुधवार को फर्जी आई डी के आधार पर पोल गांव के एक व्यक्ति के बैंक खाते से 50 हजार रुपये निकालने के आरोप में साहिद पुत्र अहमद हसन निवासी मोहम्मद नगर को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भोंडसी भेजा गया है। पोल गांव के खुर्शीद पुत्र रहमत ने गत 23 अप्रैल को फिरोजपुर झिरका पुलिस चोकी में शिकायत कर बताया कि शाहिद उर्फ जाहिद पुत्र अहमद हसन निवासी मोहम्मद नगर थाना नगीना ने मेरे नाम की फर्जी आई डी बना कर मेरे स्टेट बैंक फिरोजपुर झिरका की शाखा से 50 हजार रुपये निकाल लिए है। पीड़ित की शिकायत पर शहर पुलिस ने पुलिस चौकी में आरोपी शाहिद के खिलाफ गत 23 अप्रैल की आपराधिक धारा 420,467,468,471 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया था। शहर पुलिस चौकी प्रभारी यशपाल ने बताया कि आरोपी मुकदमा दर्ज होने के दिन से पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि किसी मुखबिर ने शहर पुलिस को सूचना दी कि धोखाधड़ी का आरोपी शाहीद किसी काम से झिरका अम्बेडकर चौक के पास आ रहा है। यशपाल ने बताया कि इस सूचना के बाद टीम का गठन कर आरोपी की तलाश में अम्बेडकर चौक पर पुलिस खड़ी हो गई,थोड़ी ही देर में आरोपी अम्बेडकर चौक पहुंच गया जिसको पुलिस ने दबोच लिया, उन्होंने बताया कि आरोपी से 50 हजार की रिकवरी कर झिरका कोर्ट ने पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भोंडसी भेज दिया है।

कलाकारों को 5 हजार रुपये सहायता भत्ता दे सरकार : विश्वदीपक त्रिखा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

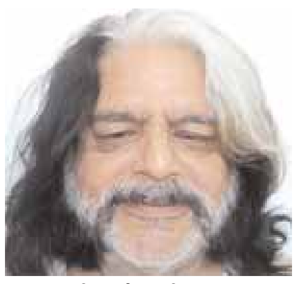

विश्वदीपक त्रिखा।

कोरोना महामारी के चलते प्रदेश में कलाकारों को भी रोटी के लाले पड़ गए हैं। ऐसे में कलाकारों की आवाज उठाते हुए प्रख्यात रंगकर्मी विश्वदीपक त्रिखा ने कहा है कि सरकार कलाकारों को 5 हजार रुपये मासिक सहायता भत्ता दे, ताकि वे परिवार का पेट पाल सकें।

गुरुवार को कलाकारों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक करके मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कोरोना काल में कलाकारों के सामने आ रही आर्थिक तंगी से अवगत कराया है। विश्वदीपक त्रिखा के मुताबिक मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया कि कोरोना के चलते लॉकडाउन ने कलाकारों को अपने पैतृक काम-धंधे छोड़कर दिहाड़ी, मजदूरी, फल, सब्जी की रेहड़ियां लगाने को मजबूर हैं। ऐसे में तुरन्त प्रभाव से जरूरतमंद कलाकारों को प्रतिमाह 5000 रुपये राहत भत्ता तब तक दिया जाना चाहिये, जब तक सरकारी तौर पर सांस्कृतिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजनों की स्वीकृति न मिल जाये। कलाकारों ने मुख्यमंत्री को बताया है कि वर्ष 2020 की तरह 2021 भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। उनके लिए परिवार का पालन-पोषण करना बहुत ही मुश्किल हो गया है। धार्मिक व सामाजिक संस्थानों ने भी कोरोना के भय से अपने दरवाजे बंद ही रखे हुए हैं। ऐसे में कलाकारों की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर होती जा रही है। कला एवं संस्कृति कार्य विभाग, हरियाणा कला परिषद् व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के पास प्रदेश के कलाकारों की सूची उपलब्ध है। केवल मात्र मुख्यमंत्री के आदेशों की जरूरत है। इसलिए हरियाणा के जरूरतमंद कलाकारों को चिन्हित कर उन्हें जल्द से जल्द लाभान्वित किया जाना चाहिये। इस ऑनलाइन बैठक में मोहन कांत, हर्ष कुमार, अर्जुन वशिष्ठ, प्रकाश घई, सुरेंद्र भारद्वाज, सुनैना गेरा, ऋतुराज, गौतम, सुदर्शन पंडित, कुलदीप सिंह, मनमोहन सोनी, विजय भटोटिया, विनोद दौलताबाद, अरुण मरवाहा आदि ने भाग लिया।

कोरोना के अधिक प्रकोप वाले क्षेत्रों को पीएचसी वार 27 भागों में बांटा

27 स्वास्थ्य केन्द्रों के क्षेत्रों में 165 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं

गुरुग्राम। जिले में कोरोना को और बढ़ने से रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बड़े प्रकोप वाले क्षेत्रों की सूची जारी करते हुए उनमें प्रभावी प्रबंधन के आदेश जारी किए गए हैं।

अब इन क्षेत्रों में कंटेनमेंट के नियम सख्ती से लागू किए जाएंगे और अवहेलना करने वालों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 तथा भारतीय दंड संहिता 1860 के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। जारी किए गए इन आदेशों में कोरोना के बड़े प्रकोप वाले क्षेत्रों अर्थात जिनमें कोरोना के पॉजिटिव केसों की संख्या ज्यादा है, उन क्षेत्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वार 27 भागों में बांटा गया है। ताकि उनका प्रबंधन ठीक से हो सके। आदेशों के साथ संलग्न सूची के अनुसार बड़े प्रकोप वाले क्षेत्रों में 165 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा 26 कंटेनमेंट जोन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिगरा के क्षेत्र में है जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दौलताबाद, नाहरपुर रूपा, खांडसा और मंदपुरा के क्षेत्रों में सबसे कम एक-एक कंटेनमेंट जोन है।

सूची के अनुसार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रलोक के क्षेत्र में 19, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटेल नगर के क्षेत्र में 15, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाथूपुर के क्षेत्र में 14 और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बादशाहपुर व चौमा के क्षेत्रों में 9- 9 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। स्वास्थ्य केंद्र फिरोज गांधी कॉलोनी, कासन और वजीराबाद में सात-सात कंटेनमेंट जोन बने हैं जबकि राजीव नगर, भांगरोला, फाजिलपुर स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्रों में 6-6 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं।

गुरुग्राम जिला का रिकवरी रेट बढ़कर हुआ 79.64 प्रतिशत

गुरुग्राम। जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों के स्वस्थ होने की दर में निरंतर सुधार हो रहा है। अब जिला का रिकवरी रेट बढ़कर 79.64 प्रतिशत हो गया है, जबकि पिछले सप्ताह यह 75.71 प्रतिशत था। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर हम सभी के लिए चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में जरूरी है कि इससे बचाव के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए टेस्टिंग, ट्रेसिंग व ट्रीटमेंट पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य योजना बनाई गई है। जिला के 7 हाईरिस्क ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की 138 टीमों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं, होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना संक्रमित मरीजों के स्वास्थ्य की मेडिकल टीम द्वारा मॉनीटरिंग की जाती है।

कोविड-19 नियमों की अवेहलना सात लोग गिरफ्तार, चालान भी किए

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कोविड-19 एसओपी नियमों एवं लॉकडाउन के प्रति पूरी तरह से गंभीर पलवल पुलिस ने श्री दीपक गहलावत पुलिस अधीक्षक पलवल के कुशल मार्गदर्शन में लगातार सख्ती दिखाते हुए लॉकडाउन में कोविड-19 के नियमों की अवेहलना करने पर अलग-अलग थाना क्षेत्र से 7 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा अवहेलना करने वालों के चालान भी किए।

पुलिस प्रवक्ता, कार्यालय पुलिस अधीक्षक पलवल से प्राप्त जानकारी अनुसार कोविड-19 की दुसरी लहर बहुत ही घातक साबित हो रही है। कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा गत तीन मई से पहला संपूर्ण लॉकडाउन लगाया गया एवं 10 मई से लगाया गया दूसरा लॉकडाउन(महामारी अलर्ट हरियाणा सुरक्षित) जारी है इसी के साथ ही धारा-144 भी लागू है। लेकिन कुछ लोग अभी भी लॉकडाउन में कोविड-19 के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। जिन पर पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इस कड़ी में कोविड़-19 नियमों एवं धारा 144 का उल्लघंन करने पर थाना कैंप पुलिस ने केएमपी पुल के नीचे से को नियमों की अवहेलना करने पर अशोक पुत्र शंभू दयाल, दीपक पुत्र बंशीधर, शंकर पुत्र बिशंबर निवासी नियामतपुर थाना नांगल चौधरी महेंद्रगढ़ एवं सतवीर पुत्र घासीराम निवासी बड़की राजस्थान को केएमपी पुल के नीचे से गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार थाना कैंप पुलिस ने अलावलपुर रेलवे पुल से सुभाष पुत्र मोतीराम निवासी कैलाश नगर को 13 बोतल देसी अवैध शराब सहित काबू किया है

इसी प्रकार मुंडकटी थाना पुलिस ने गांव नंगला एहसान पुर निवासी साकिर पुत्र हारून को तुमसरा टोल टैक्स से ही लॉकडाउन अवधि में मास्क ना पहन कर धारा 144 की उल्लंघना के आरोप मे गिरफ्तार किया है।

इसी क्रम में एवीटी स्टाफ हथीन ने गांव बहीन निवासी जितेंद्र जीतू पुत्र धर्मवीर को गांव बहीन से ही गुप्त सूचना के आधार पर सट्टा खाई वाले करते हुए काबू किया संबंधित थाना पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

ऑटो चालक क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर कोरोना को दे रहे दावत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से गुरुग्राम, बल्लभगढ़, नूंह, तावडू और पलवल की सड़कों पर दौर रहे ऑटो चालक कोरोना के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ा रहे हैं। अधिक कमाई के लालच में ऑटो में 10 से 15 सवारियां बैठाकर सामाजिक दूरी को तार-तार कर रहे हैं।

एक तरफ प्रदेश व केन्द्र सरकारें कोरोना की चेन तोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। वहीं दूसरी और लॉकडाउन में कमाई का लालच रखने वाले ऑटो चालक सामाजिक दूरी के कानून को तार-तार कर रहे हैं। ऑटो चालक अधिक कमाई करने की लालच में अपनी जान जोखिम डाल रहे हैं। सोहना से गुरुग्राम, पलवल, नूंह, बल्लभगढ़ और तावडू जाने वाले मार्ग पर ऑटो धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। ऑटो चालक कम चक्कर लगाने और पुलिस की नजरों से बचते हुए सामाजिक दूरी की धज्यिां 10 से 15 सवारियां बैठाकर उड़ रहे हैं। जिसमें नवजात बच्चों से लेकर वृद्ध शामिल हैं।

क्षमता से अधिक ऑटो में सवारियों बैठाकर चालक लॉकडाउन की धज्जियां उड़ाते हुए।

लॉकडाउन नियम का पालन नहीं

बेधड़क चल रहे ऑटो चालक लॉकडाउन नियम तोड़ रहे हैं। जबकि हरियाणा रोडवेज बसों के अलावा निजी वाहनों पर पूर्णरूप से पाबंदी है। केवल कॉमर्शियल वाहन माल ढुलाई के लिए अनुमति प्रमाण पत्र के साथ ही सड़कों पर आ सकते हैं।

जियोजित ने थ्री इन वन अकाउंट प्रदान करने के लिए पीएनबी के साथ करार किया

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंसियल सर्विसेस ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ उसके ग्राहकों को थ्री इन वन अकाउंट का लाभ प्रदान करने के लिए करार किया है। नई सेवा, पीएनबी डिमैट अकाउंट और जियोजित ट्रेडिंग अकाउंट ऐसे सभी ग्राहकों को प्रदान की जाएगी जिनके पास पीएनबी में सेविंग अकाउंट है।

पीएनबी में झंझटमुक्त अभिगम के साथ सेविंग एवं डिमैट अकाउंट ऑनलाइन खोला जा सकता है। थ्री इन वन अकाउंट पीएनबी के ग्राहकों को अपनी निवेश जरूरत पूरी करने हेतु अपने सेविंग अकाउंट से पेमेंट गेटवे सुविधा के मार्फत रियल टाइम में फंड ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करता है। ट्रेडिंग अकाउंट को 15 मिनट में ऑनलाइन खोला जा सकता है, जो पेपर वर्क करने से मुक्ति प्रदान करने के साथ जियोजित द्वारा ऑफर किए जाने वाले विभिन्न निवेश साधनों में ऑनलाइन निवेश करने की सुविधा प्रदान करता है।

जियोजित के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सतीश मेनन ने कहा, पीएनबी के ग्राहक अब कुछ स्टेप में ऑनलाइन जियोजित ट्रेडिंग अकाउंट खोल सकते हैं और इक्विटी के साथ-साथ जियोजित के स्मार्टफोलियो प्रोडक्ट में ऑनलाइन निवेश प्रारंभ कर सकते हैं, जो सावधानीपूर्वक चयनित स्टॉक का बास्केट आफर करता है. इससे ग्राहकों को अपने निवेश को विविधिकृत करने और एक अकाउंट के मार्फत उन सभी को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

जियोजित ने इसी तरह का करार ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) के साथ भी किया है, जो यूबीआई के साथ पीएनबी में मर्ज हो गया है।

जीनोम एडिटिंग से कुपोषण का हल निकालने के लिए आशा की नई किरण मिली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए वनस्पति आधारित आहार का सुझाव दिया जाता है क्योंकि यह पर्यावरण पर कम हानि के साथ ज्यादा सतत् है और विभिन्न पीढ़ियों की खाद्य व पोषण की सुरक्षा में सुधार करता है। लोगों की सेहत में सुधार, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण के स्तर पर एक समान फायदे प्राप्त करने के लिए मौजूदा आहार में परिवर्तन लाया जाना बहुत आवश्यक है।

साथ ही, कोविड-19 की महामारी पूरी दुनिया में मानवता को गंभीर चुनौतियां प्रस्तुत कर रही है। वैज्ञानिक और शोधकर्ता निरंतर इसके प्रभावों को समझने के लिए प्रयासरत हैं ताकि इसका प्रभावशाली समाधान तलाशा जा सके। इस परिदृश्य में, हमारे लिए यह अनिवार्य हो गया है कि हम कोरोना वायरस से बचाव के लिए हर संभव उपाय करें। इसी तरह का एक मुख्य उपाय है अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना।

वायरस से लड़ने के लिए उचित आहार का लिया जाना आवश्यक है। भविष्य में स्पष्ट दिख रही स्वास्थ्य की चुनौतियों के लिए अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह पोषणयुक्त आहार के दिशा-निर्देशों के महत्व पर बल देता है। हमें अभिनवताओं और प्रौद्योगिकीय समाधानों को अपनाना होगा, ताकि पोषण संबंधी समस्याओं का हल मिल सके। ए, बी6, बी12, फोलेट, सी, डी और ई जैसे विटामिन एवं जिंक, कॉपर, सेलेनियम, आयरन जैसे तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं क्योंकि उनमें एंटीवायरल एवं एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं। अमीनो एसिड एवं फैटी एसिड भी सेहतमंद आहार का मुख्य तत्व हैं। ताजा फल एवं सब्जियां, अनाज, फलियां एवं जंतु उत्पाद इन पोषक तत्वों के सर्वश्रेष्ठ स्रोत हैं। वैश्विक पोषण के लिए यूनाईटेड नेशंस (यूएन) के प्रयास माईक्रोन्यूट्रिएंट की कमी की समस्याओं का उन्मूलन करने पर केंद्रित हैं।

यह आवश्यक है कि एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए पोषण से भरपूर, संतुलित आहार लिया जाए, ताकि लोग सेहतमंद रहें और कुपोषण के कारण होने वाली बीमारियों के लिए मेडिकल खर्च में कमी आए। इससे वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के सामने गरीब समुदायों के लिए किफायती मूल्य में बेहतर पोषण सुनिश्चित करने की चुनौती है। दुनिया में लाखों लोग कुपोषण एवं आहार में पोषक तत्वों की कमी से प्रभावित हैं। बायोफोर्टिफिकेशन की प्रक्रिया हमारे द्वारा नियमित तौर से लिए जाने वाले पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाता है।

लापरवाही : 18 या 45 प्लस वेक्सीन लगवाने में करनी पड़ रही मशक्कत

कहीं पहली तो कहीं दूसरी डोज के लिए लगाने पड़ रहे चक्कर

कविता। फरीदाबाद

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग जिले 49 सेंटरों पर वैक्सीन लगाने के दावे कर रहा है, लेकिन 18 प्लस के वैक्सीनेशन सेंटरों पर लोग परेशान हो चुके हैं।

आवेदन करते ही बुक बताता है। सेंटरों पर 10 से 20 लोगों को ही वैक्सीन लगाते हुए पाया जाता है। वहीं 45 प्लस वालों को भी दिक्कतें आनी शुरू हो गई हैं। क्योंकि उन्हें जिन सेंटरों पर भेजा जाता हैं, वहां से 18 प्लस को वेक्सीन न लगाने की बात कह कर लौटाया जा रहा है। लोग परेशान होकर बीके अस्पताल का रूख करते हैं।

यहां घंटों लाइन में लगकर पहले कोरोना जांच करानी पड़ती है, उसके बाद वैक्सीन के लिए घंटों लाइनों में लगते हैं। बाद में पता चलता है कि पहली डोज ही लगेगी, दूसरी नहीं। वहीं कुछ को कहा जा रहा है कि पहली डोज नहीं लगेगी, दूसरी डोज ही लगाई जाएगी।

बीके अस्पताल मे कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए लम्बी लाइन में खड़े लोग।

आ रहे फर्जी संदेश

45 प्लस वालें कुछ लोगों को तो वैक्सीन लगाए बिना ही संदेश आ रहे हैं। कुछ को दो वैक्सीन लगने के बाद प्रथम वैक्सीन डोज का संदेश दिया जा रहा है। केन्द्रों पर जाने पर कर्मचारी आगामी 45 दिन बाद दोबारा एंट्री करवाने की बात कहकर उन्हें घर भेज देते हैं। नहर पार रहने वाले एडवोके सतेन्द्र दुग्गल को दोनों डोज लगने के बाद एक संदेश सतेन्द्र के नाम से प्रथम डोज का आया। अगले दिन फिर से सतेन्द्र दुग्गल के नाम से पहली डोज का संदेश आ गया। उनके नाम से किसी और को तो वैक्सीन नहीं लग गई, जिस पर उन्होंने इसकी लिखित में शिकायत पुलिस को दी है।

नहीं मिल रहा सेंटर

18 प्लस वालों में सुमन, रोहित, सुरेखा ने बताया कि उन्हें एक मार्च से पहले तो पोर्टल पर एंट्री नहीं मिली। फिर करीब छह दिन बाद एंट्री मिलने पर रजिस्ट्रेशन नम्बर मिल गया, लेकिन उनके पिनकोर्ड के हिसाब से कोई भी सेंटर नहीं मिला। रोजाना वह जांच करते हैं, लेकिन न तो रात को सेंटर मिल रहा है और न ही दिन में हर समय पोर्टल पर बुकिंग फुल होने का संदेश आता है।

नहीं लगी दूसरी डोज

सेक्टर-16 निवासी प्रीति ने बताया कि उन्हें करीब 60 दिन होने में दो दिन शेष है। वह करीब 15 दिनों से हर सेंटरों के चक्कर लगा रही है। लेकिन कहीं भी उन्हें दूसरी डोज नहीं लगाई जा रही है। दूसरी डोज न लग पाने की बात को लेकर वह चिंताग्रस्त है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खतरा : प्रशासन ने जांच को लगाई 1200 बूथ स्तरीय टीम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के दृष्टिगत ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के फैलाव को रोकने के लिये स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ-साथ अन्य लोगों की टीमें गठित करने का कार्य किया जा रहा है। बाकयदा उन्हें ट्रेनिंग भी दी गई है। निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक यह टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी और जिनमें कोरोना के लक्षण ज्यादा होंगे, उन्हें सामुदायिक केन्द्रों में उपचार के लिये भर्ती किया जायेगा। इसके लिए आइसोलेशन केयर सेंटर स्थापित किये जा चुके हैं और डेडिकेटिड हेल्थकेयर सेंटर भी स्थापित किये गये हैं।

जिला में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आठ इंसीडेंट कमांडर व 12 सौ से अधिक बूथ स्तर की टीमें भी लगाई गई हैं। प्रतिदिन सभी कार्यों की समीक्षा की जाती है। जहां पर कोरोना के केस ज्यादा पाये गये हैं, वहां पर सर्विलांस टीम द्वारा काम किया जा रहा है, टेस्टिंग की जा रही है। यह जानकारी उपायुक्त यशपाल ने गुरुवार को चंडीगढ़ से आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को दी। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने की दिशा में क्या कार्य एवं तैयारियां की गई है, इसकी समीक्षा भी की और उन्हें इस विषय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये।

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि जिला फरीदाबाद में इस कार्य को बेहतर तरीके से करने के लिये गांव के जिम्मेदार, मौजिज लोगों की भी टीम बनाई जा सकती है, जिसमें पूर्व प्रतिनिधि, नम्बरदार, रिटायर्ड टीचर शामिल हो सकते हैं। यह टीम उपरोक्त दोनो टीमों को बेहतर कार्य करने में सहयोग देने का काम करेगी।

उपायुक्त ने कहा कि जहां पर केस ज्यादा पाये जा रहे हैं, उन हॉटस्पॉट स्थानों का चयन करते हुए सम्बन्धित अधिकारी यदि वहां पर मैक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने की आवश्यकता है, उस कार्य को भी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिये जो टीमें तैयार की जा रही हैं, वे गांवो में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए जैसी भी स्थिति होगी, उन्हें उपचार देने का काम करवाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशानुसार उन्हें होम आइसोलेट किट भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीसी के माध्यम से ग्रामीण आंचल में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिये तैयार की गई टीमों को कहा कि वे पूरी तैयारी के साथ व बेहतर समन्वय के साथ इस कार्य को करना सुनिश्चित करें।

जांच के दौरान जिन मरीजों में हल्के लक्षण हैं, उन्हें घर में आइसोलेट करें, मध्यम लक्षण वाले मरीजों को जांच के उपरांत यदि उन्हें उपचार के लिये अस्पताल में दाखिल करने की जरूरत है तो उन्हें सीएचसी या पीएचसी में दाखिल कराएं और गंभीर लक्षण वाले मरीजों को कोविड अस्पतालों में दाखिल करवाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी तैयारी करके हम कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला में इस कार्य के लिये नोडल अधिकारी के रूप में जिला परिषद के सीईओ को नियुक्त किया गया है और इस पूरी व्यवस्था पर जिला उपायुक्त मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करेंगे। मीटिंग में उपायुक्त यशपाल के अलावा अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान, एसडीएम परमजीत चहल, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, सीएमओ रणदीप सिंह पुनिया सहित सभी इंसीडेंट कमांडर व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोरोना पॉजिटिव 32 मृतकों का अंतिम संस्कार सरकारी आंकड़े में आठ

बृहस्पतिवार को 1091 संक्रमित आए सामने आंकड़ा पहुंचा 93027

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 746340
अब तक पॉजिटिव	: 93027
अब तक नेगेटिव	: 651688
रिपोर्ट आनी शेष	: 1625
ऑक्सीजन पर हैं	: 828
वेंटीलेटर पर हैं	: 92
अब तक मौत	: 611
अब तक ठीक	: 82845
जिले में एक्टिव	: 9571

जिले में लगातार मृतकों की संख्या का आंकड़ा सामने आ रहा है, लेकिन विभाग की तरफ से इसे छुपाया जा रहा है। आंकड़ों के खेल में विभाग ने जिले में बृहस्पतिवार को 1091 नए संक्रमित मरीज दर्शाए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 93027 पर पहुंच गया। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 1928 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89.1 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं जिले में फिलहाल 9571 एक्टिव केस है। जिले में बृहस्पतिवार को आठ मौतें विभाग की तरफ से आंकड़ों में दर्शाई गई। जिसमें कुल अब तक 611 का आंकड़ा दर्शाया गया।

वहीं जिले में अब तक अधिक से अधिक सैम्पलिंग लेने के निर्देश जिला उपायुक्त की तरफ से दिए गए हैं। जिसके तहत रोजाना 10 हजार सैम्पल लेने के निर्देश दिए हैं। इस कड़ी में बीके अस्पताल में आने वाले लोगों के लिए निःशुल्क कोरोना जांच शिविर लगाए गए हैं। जिसमें जांच के बाद पॉजिटिव आने वालों को तुरंत प्रयोगशाला कर्मियों द्वारा रिपोर्ट बनाकर थमाई जा रही है, लेकिन नेगेटिव को बता दिया जा रहा है कि वह नेगेटिव है, उन्हें रिपोर्ट नहीं दी जा रही। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को जिले में कुल 9137 आरटीपीसीआर और रैपिड जांच के सैम्पल लिए गए।

पीड़ितों के लिए वरदान साबित होगी रोडवेज की मिनी एंबुलेंस : यशपाल

उपायुक्त यशपाल ने पांच मिनी एंबुलेंस बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि जिला की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देते हुए, मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर हरियाणा राज्य परिवहन फरीदाबाद द्वारा पांच मिनी बसों को एंबुलेंस का रूप देकर स्वास्थ्य विभाग को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक बस एक साथ चार मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं देने में सक्षम है।

उपायुक्त यशपाल गुरुवार को हरियाणा रोडवेज द्वारा तैयार की गई इन पांच मिनी एंबुलेंस बसों को लघु सचिवालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे थे। उन्होंने इस कार्य के लिए जीएम रोडवेज राजीव नागपाल को बधाई देते हुए कहा कि इन बसों को एक निर्धारित समय में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय में प्रत्येक संपत्ति जरूरतमंदों की मदद के लिए होती है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हरियाणा पुलिस द्वारा अपनी 10 गाड़ियां एंबुलेंस के लिए प्रदान की गई थी और आज यह पांच मिनी बसें हरियाणा रोडवेज द्वारा एंबुलेंस के तौर पर तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बसें विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को तुरंत चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने के लिए प्रदान की गई है। उपायुक्त ने कहा कि अब हमारे पास एंबुलेंस में अन्य चिकित्सक वाहनों की अच्छी खासी संख्या है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना आपदा के इस दौर में कोविड-19 प्रोटोकॉल के नियमों का पालन करें। अपने घरों में रहें और किसी भी तरह का संक्रमण ने फैलने दें। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वह इन मिनी बस एंबुलेंस का बेहतर ढंग से प्रयोग करें। इस अवसर पर एसडीएम परमजीत चहल, जीएम रोडवेज राजीव नागपाल, सीएमओ डॉ रणदीप सिंह पुनिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कोरोना : हाई पावर्ड कमेटी ने दिए कैदियों को पैरोल पर रिहा करने के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हाई पावर्ड कमेटी की 14वीं बैठक न्यायमूर्ति राजन गुप्ता, न्यायाधीश पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इस समिति द्वारा निर्धारित श्रेणियों के तहत विशेष पैरोल पर पहले छोड़े गए सात साल से अधिक की सजा वाले दोषियों की रिहाई की अनुमति दी गयी।

इस बैठक में बलदेव राज महाजन, हरियाणा के एडवोकेट जनरल, राजीव अरोड़ा, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, गृह विभाग, शत्रुजीत कपूर, आईपीएस, जेल महानिदेशक, हरियाणा और प्रमोद गोयल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-एवं -सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित थे। यह जानकारी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मंगलेश कुमार चौबे ने दी।

प्राधिकरण के सचिव मंगलेश कुमार चौबे ने बताया कि किया गया है कि वर्तमान में कुल 21804 (108 प्रतिशत) कैदी हरियाणा की 19 जेलों में 20,041 (100 प्रतिशत) की अधिकृत क्षमता के सापेक्ष बंद है। 24 मार्च 2020 को आयोजित हाई पावर्ड कमेटी की पहली बैठक के बाद से, सात साल से अधिक कारावास की सजा पाने वाले 2580 दोषियों को विशेष पैरोल पर रिहा किया गया। इसी प्रकार 2094 (656.1438) दोषियों, विचाराधीन कैदी, जिन्हें 07 वर्ष तक की सजा हो/जिन्हें ऐसे अपराधों का सामना करना पड़ा। जिनमें 7 वर्ष तक की अधिकतम कारावास है। उन्हें हाई पावर्ड कमेटी के आदेशों के तहत विशेष पैरोल, अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था।

साईंधाम की तरफ से दिया कोरोना योद्धाओं के लिए सामान

फरीदाबाद। तिगांव रोड स्थित शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसायटी ने कोरोना का मरीजों इलाज कर रहे डॉक्टरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साईं धाम के संस्थापक डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने जिला उपायुक्त यशपाल यादव को 250 पीपीई किट, 25 ऑक्सीमीटर, 300 मास्क दिये। इस अवसर पर बीनू शर्मा प्रिंसिपल शिरडी साईं बाबा स्कूल, देवेश गुप्ता, विकास राय और इंदरजीत मौजूद रहे।

डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि दुनिया भर के देश कोरोना महामारी से जंग लड़ रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें। सरकार द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करें। कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए साईं धाम ने भोजन की सेवा शुरु की है। साईं धाम ने 19 अप्रैल 2021 से प्रतिदिन कोविड मरीजों को भोजन देने की सेवा शुरू की है जिसमें मरीजों को सुबह का और रात का भोजन उपलब्ध करया जा रहा है।

लॉकडाउन में ले सकते हैं इन नम्बरों पर फ्री ओपीडी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकडॉउन के दौरान मरीजों को सुविधा प्रदान करने के लिए आई एम ए द्वारा फ्री ऑनलाइन ओपीडी की सुविधा प्रदान की जा रही है। पिछले साल की तरह इस साल भी लोगों की मांग को मध्यनजर रखते हुए इस सुविधा को फिर से शुरू किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न विभागों के डॉक्टरों के फोन नंबर और टाइम स्लॉट्स को हम प्रकाशित कर रहे हैं। आईएमए के मीडिया प्रभारी डॉ. सुरेश अरोड़ा ने बताया कि जिन मरीजों को डॉक्टर के पास जाने में दिक्कत हो रही है। वह इन डॉक्टर को फोन करके अपनी बीमारी बता कर अपनी समस्या का समाधान ले सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि जो दिन और समय बताया जा रहा है उसी के दौरान ही फोन करें।

ये हैं नाम और नम्बर

आईएमए की प्रधान डॉ. पुनीता हसीजा ने बताया कि पिछले साल इस सुविधा से कई हजार लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया था।

उन्होंने बताया कि जो डॉक्टर ऑनलाइन और वीडियो कंसल्टेशन देंगे उनमें निम्नलिखित चिकित्सक शामिल हैं। उनमें डॉ. रश्मि अहूजा, स्त्री रोग विशेषज्ञ 7982475633 सुबह 10 से एक शाम को 5 से 8 तक, सोमवार से शनिवार, डॉ. हेमंत अत्री जनरल सर्जन 9999833368 शाम 6 से 8 सोमवार से शनिवार, डॉक्टर अनुशुप डे 9873380708 जनरल सर्जन एक से छह बजे सोमवार से शनिवार, डॉ. आनंद गुप्ता कान नाक गला स्पेशलिस्ट 9716006017, दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक सोमवार से शनिवार, डॉ. धनसुख कुमावत 8377025750 बच्चों के स्पेशलिस्ट 11 बजे से 5 बजे तक सोमवार से शनिवार है।

वहीं डॉ. अमित उपाध्याय ब्लड कैंसर स्पेशलिस्ट 9999735215 सोमवार से शनिवार शाम 4 से 6 तक, डॉ. सुरेश अरोड़ा हड्डी रोग विशेषज्ञ 9810325499 शाम 4 से 8 बजे तक, सोमवार से शनिवार तक ले कंसल्ट। वहीं डॉ. पुनीता हसीजा स्त्री रोग विशेषज्ञ 9312505796, शाम 8 से 9 बजे तक सोमवार से शनिवार, डॉ. देवेंद्र सिंह जनरल सर्जन 9813643337 शाम 4 से 8 बजे सोमवार से शनिवार, डॉ. अर्चित अग्रवाल 8867269219 चमड़ी रोग विशेषज्ञ 10 बजे से 2 बजे सोमवार से शनिवार, डॉ. गीतांजलि केसरी मनोरोग विशेषज्ञ 9899818511 दोपहर 1.30 बजे से 3.30 बजे सोमवार से शनिवार, डॉ. निखिल सचदेवा हड्डी रोग विशेषज्ञ 9599917827 शाम पांच से आठ तक सोमवार से शनिवार, डॉ अजय कपूर जनरल सर्जन 9650833577 सोमवार से शनिवार दोपहर 11.00 से 2.00 तक, डॉ. रेनू जैन स्त्री रोग विशेषज्ञ 9910002989 शाम 5 से 8 तक सोमवार से शनिवार, डॉ अशोक चावला जनरल सर्जन 9810572892 सुबह 9 से शाम 5 बजे तक सोमवार से शनिवार, डॉ कीर्ति गर्ग बाल रोग 8860583249 विशेषज्ञ शाम 3 से 5 तक, डॉ. राजेश गुप्ता कान नाक गला विशेषज्ञ 9810310187 सुबह 11 से एक बजे तक सोमवार से शनिवार, डॉ बीके शर्मा जनरल सर्जन 8178848742 शाम 8 से 9 बजे तक सोमवार से शनिवार तक, डॉ अरविंद सिंघल कार्डियोलॉजिस्ट 9910571673 सुबह 11 से 12 बजे तक सोमवार से शनिवार, डॉक्टर संजय टुटेजा बाल रोग विशेषज्ञ 9811052022 शाम 4 से 6 बजे सोमवार से शुक्रवार तक।

करें बचाव के उपाय

इसके अलावा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अभी भी कोरोना से बचाव के लिए सभी उपायों का उपयोग करना बहुत जरूरी है, जैसा कि मास्क का उपयोग करना, सामाजिक दूरी रखना और हाथों को हमेशा साफ रखना बहुत जरूरी है और वैक्सीनेशन कराना अत्यंत आवश्यक है। वैक्सीन के कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होते हैं दोनों डोस लगवाने बहुत ही जरूरी है अगर किसी को कोरोना का कोई भी लक्षण दिखाई देता है तो तुरंत उसे अपने आप को आइसोलेट करना चाहिए और बिल्कुल भी घबराना नहीं है। टेस्ट कराना चाहिए और तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। 80 से 90 प्रतिशत केस बिना किसी दवा के अपने आप ही ठीक हो जाते हैं इसलिए कोई घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। लॉकडाउन का अच्छे से पालन करें। बिना किसी वजह के घर से बिल्कुल भी बाहर न निकलें।

कोरोना पीड़ितों के भोजन को रसोई का किया शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल के मूलमंत्र सेवा ही धर्म है तथा हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ के दिशानिर्देशों के अनुसार बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कोरोना रोगियों के लिये निःशुल्क भोजन की व्यवस्था बड़खल विधायक सीमा त्रिखा एवं स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय बीके अस्पताल में एसडब्ल्यूजी ग्रुप सेक्टर 21सी द्वारा शुरू की गई। जिसका विधायक सीमा त्रिखा ने शिवा रसोई का शुभारंभ किया।

शिवा रसोई की देखरेख एनएच मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, मेवला मंडल अध्यक्ष हरीश खदाना व युवा मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र भाटिया करेंगे। बीके हॉस्पिटल में कोविड-19 के 100 मरीजों के लिए भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की, जिसे वे रोजाना चलाएंगे। विधायक सीमा त्रिखा ने बताया कि कोरोना काल में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के परिजनों को अब भोजन के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा और उन्हें अस्पताल परिसर में स्थापित की गई शिवा रसोई में भोजन उपलब्ध हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि अमूमन दूर-दराज के इलाकों से मरीजों के परिजन अपने मरीजों को लेकर सुबह में ही बीके अस्पताल पहुंच जाते हैं। इस परिस्थिति में वे अपने साथ नाश्ता और खाना लेकर नहीं आ पाते हैं। लिहाजा बाहर जाकर उन्हें खाना पड़ता है या फिर नजदीक में घर हुआ तो घर से खाना मंगाकर खाना पड़ता है। परंतु अब उन्हें इस झंझट और दूषित खाना खाने की विवशता से मुक्ति मिल जाएगी।

शिवा रसोई में वे समय पर सेहतमंद भोजन या नाश्ता निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. सविता यादव, डॉ. विनय गुप्ता, डॉ. हेमंत, बीरेंद्र सांगवान, एनएच मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, मेवला मंडल अध्यक्ष हरीश खदाना व युवा मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र भाटिया और एसडब्ल्यूजी ग्रुप सेक्टर 21सी से महेंद्र शर्मा, आरडी शर्मा (मोंटू), मुकेश पुरथी, हमेंद्र बंसल, चंद्रमोहन और विकास जोशी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बैंक कर रहा कोरोना से बचाव की सामग्री वितरित

फरीदाबाद। जिला अग्रणी प्रबन्धक डॉ. अलभ्य मिश्रा ने बताया कि ज़िला अग्रणी बैंक केनरा बैंक कोविड-19 महामारी में बैंकिंग सुविधाएं देने के अतिरिक्त नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत जिले के विभिन्न वर्गों में कोविड - 19 बचाव के लिए जरूरी सामग्री का वितरण कर रहा है। उन्होंने बताया कि बैंक द्वारा जरूरतमंद, गरीब, मजदूर, श्रमिक, ऑटो रिक्शा चालक, फल तथा सब्जी विकेता आदि को सनीटाइजर एवं मास्क वितरण किए जा रहे है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय से महाबीर, मंडल प्रबंधक, मेजर विक्रमजीत, मंडल प्रबंधक, ईश्वर सिंह विजिलेंस अनुभाग, भगवत प्रसाद एफसीएस रवि बहल वह मेघा मौजूद थे।

मास्क न पहनने पर 32744 लोगों का काटा पुलिस ने चालान

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह के कुशल नेतृत्व की बदौलत फरीदाबाद पुलिस लॉकडाउन के दौरान लोगों से नियमों का पालन करवाने में सफल रही है। कोरोना महामारी के दौरान फरीदाबाद पुलिस द्वारा लोगों को इस महामारी से सुरक्षित रखने की हर संभव कोशिश की जा रही है। फील्ड ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी लोगों को घर में सुरक्षित रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं और साथ ही नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। बीट में तनाव पुलिस कर्मियों द्वारा 208897 लोगों को कोरोना महामारी के बारे में जागरूक किया गया है। 73841 लोगों को मास्क वितरित किए गए और 50868 लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की गई |साथ ही 32744 लोगों के मास्क के चालान काटकर 1 करोड़ 63 लाख 72 हजार रूपयों का जुर्माना लगाया गया। वहीं लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ दर्ज 270 मुकदमों में 342 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिनमें दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले 13 लोग शामिल हैं।

प्रशासन ने 550 लोगों को उपलब्ध करवाई ऑक्सीजन : यशपाल

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि कोविड-19 से पीड़ित जरूरतमंदों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्य की जिम्मेदारी जिला रेडक्रॉस सोसाइटी को दी गई है। गुरुवार को 575 लोगों के आवेदन प्राप्त हुए थे इनमें से 25 के पास कागज पूरे नहीं थे ऐसे में 550 लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया करवाए गए। उपायुक्त यशपाल यादव ने बताया कि जिला प्रशासन लोगों को समय पर ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया करवाने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की जनता के लिए अब किसी भी प्रकार से ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं रहेगी। जिला रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने बताया कि इस कार्य में विजेंद्र सौरोत सह सचिव ,बिमल खंडेलवाल कोऑर्डिनेटर के साथ रेडक्रॉस में वॉलिंटियर अभिषेक देशवाल, शिवम आहूजा, रवि चौहान, आदित्य मवई, राहुल चावला, नीरज नरूला, हितेश, जगप्रित सचदेवा, मनोज शर्मा, सुशील, अभिषेक, मधु भाटिया, आशा, कार्य में अपना सहयोग कर रहे हैं।

रिबन काटकर की भगवान परशुराम चालीसा की लॉन्चिंग

फरीदाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने अपनी शादी की सालगिरह को कुछ अलग अंदाज में मनाया। इस शुभ अवसर पर उन्होंने अपने ही द्वारा फिल्मांकित भगवान परशुराम चालीसा का रिबन काटकर शुभारंभ किया। सुरेन्द्र शर्मा बबली इससे पूर्व भगवान परशुराम आरती की लॉन्चिंग भी कर चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने विधिवत रूप से भगवान परशुराम का गुणगान किया और जय भगवान परशुराम के जयघोष के साथ रिबन काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर भगवान परशुराम चालीसा का शुभारंभ किया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान परशुराम चालीसा यू ट्यूब एवं प्रिंट यानि किताब के रूप में भी उपलब्ध होगी और भी भक्तजन इसकी कॉपी लेना चाहता है वह उनके नंबर 9873425060 पर संपर्क कर सकता है। बबली ने कहा कि न केवल भारत में बल्कि पूरे संसार में भगवान परशुराम का परचम लहराने का उनका लक्ष्य है और आज भारत एवं अन्य देशों में भगवान परशुराम के 56 से अधिक मंदिर हैं। इस मौके पर उनके साथ कैलाश पाराशर, राजू पाराशर, एडवोकेट हरीश पाराशर, नवीन एवं अन्य मौजूद रहे।

कोरोना से बचने को काढ़े का अत्यधिक सेवन नुकसानदायक

फरीदाबाद। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में अनेक लोग इम्युनिटी बूस्टर के रूप में काढ़े का सेवन कर रहे हैं। ऐसे में अधिक मात्रा में काढ़ा का सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। सेक्टर-21ए एशियन अस्पताल के गैस्ट्रोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. रामचंद्र सोनी ने मरीजों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। कोरोना महामारी से पूरा देश जूझ रहा है। फरीदाबाद समेत देश में अब तक लाखों लोगों की कोरोना वायरस से वजह से जान जा चुकी है। संक्रमण से बचे रहने और इसकी चपेट में आने के बाद जल्द स्वस्थ होने के बाद जरूरी है कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी मजबूत हो। पिछले दिनों आयुष मंत्रालय और भारत सरकार ने भी लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए काढ़ा पीने की सलाह दी। इस दौरान कई ऐसे लोग हैं जो दिन में जितनी बार मन कर रहा है, उतनी बार काढ़े का सेवन कर रहे हैं। ऐसे काढ़े का सेवन करने से कुछ लोगों को विशेष प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और वह डॉक्टर के पास जा रहे हैं।

कोविड महामारी

एकजुट संघर्ष आवश्यक

हालांकि कोविड महामारी के बारे में बहुत भ्रम फैला है, पर हमें इससे एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। हालिया स्मृति में कोई ऐसा अन्य मुद्दा नहीं है जिसका भारत के सार्वजनिक विमर्श पर कोविड महामारी जितना कब्जा रहा हो। मीडिया इससे भरा पड़ा है, सोशल मीडिया पट गया है, यह सभी चर्चाओं की दिशा तय करता है तथा सार्वजनिक विमर्श से लेकर सर्वाधिक निजी विमर्श तक छाया हुआ है। राजनीतिक पार्टियां भूल गई हैं कि पहले कब उन्होंने ऐसे मुद्दे पर चर्चा की होगी जिसका संबंध वायरस से न रहा हो। यह केन्द्र या राज्यों की सरकारों की क्षमता मापने का एकमात्र मानक बन गया है। विधायी या स्वशासी संस्थाओं का मतदान इससे प्रभावित रहा है। चिकित्सा शिक्षक, शोध केन्द्र तथा जर्नल इसका अत्यन्त सूक्ष्म विश्लेषण कर रहे हैं। लेकिन इस सारी चर्चा ने अब तक कोविड की दूसरी लहर का प्रभाव समाप्त करने या स्वास्थ्यरक्षा के प्रबंधन व निगरानी की कोई सुगठित या सुसंगत राष्ट्रीय योजना नहीं पेश की है। अभी ठीक-ठीक यही नहीं पता है कि महामारी के बारे में वास्तव में राष्ट्रीय विमर्श क्या है? यदि आप स्वास्थ्य व गृह मंत्रालय की रूटीन, दैनिक तथा लगभग एकरूपी घोषणाओं को छोड़ दें तो विमर्श का अर्थ केवल कड़वाहट, शिकायतें, आरोप, गालियां, निन्दा, अपना वर्चस्व प्रदर्शन, राजनीतिक दीवालियापन, सब कुछ जानने की लफ्फाजी, आदि तक सीमित हो जाता है। अब केवल सोशल मीडिया या टेलीवीजन चैनलों पर युद्ध जैसी बहस ही नहीं होती है, बल्कि संस्थान भी इस शोर-शराबे में शामिल हो गए हैं। न्यायपालिका भी सरकार को चुनौतियां देने लगी है, जबकि सरकार इसे गलत सक्रियता कहती है। सरकार, सत्तारूढ़ पार्टी तथा विपक्ष केवल अपना क्षेत्र बचा

रहा है। इससे किसी भी चीज के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है।

एक राज्य में पाजिटिविटी दर गिरी है, पर कोई नहीं जानता कि यह मामले घटने के कारण है या टेस्टिंग कम करने का नतीजा है। मृत्यु दर गिरी है, लेकिन कोई नहीं जानता कि चिकित्सा देखभाल में सुधार हो रहा है या आंकड़ों के साथ हेराफेरी हो रही है। 18-44 आयुवर्ग के लिए काफी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लेकिन कोई नहीं जानता कि इसका कारण वैक्सीन की कमी या वैक्सीन को उच्च जोखिम वाली श्रेणियों को देना है। स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों को वैक्सीन की बरबादी रोकने तथा उनसे टीकाकरण तेज करने का आह्वान किया है। सरकार या दवा उद्योग ने इस विचित्र स्थिति की व्याख्या की है जहां टीके की अनेक कीमतें हैं। इसका नतीजा भ्रम की स्थिति है। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका का फोकस आक्सीजन सप्लाई पर है जिसके कारण अब इसकी सप्लाई विभिन्न स्रोतों से हो रही है। भारतीय वायुसेना आगरा से जामनगर तथा ग्वालियर से रांची क्रायोजेनिक आक्सीजन कंटेनर ले जाती है। जापान 200 आक्सीजन कंसेंट्रेटर भारत भेज रहा है। अनेक अन्य देशों ने भी भारत को भूमि, समुद्र व वायुमार्ग से आक्सीजन कंटेनर भेजे हैं। दिल्ली पुलिस ने एक बिजनेसमैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है जिसने अपने स्वामित्व वाले एक होटल में आक्सीजन कंसेंट्रेटरों की जमाखोरी की थी। यदि यह मान लिया जाए कि भारत में आक्सीजन उपलब्ध है तथा इसके घरेलू उत्पादन में सुधार हो रहा है तो मरीज फिर आक्सीजन की कमी से मर क्यों रहे हैं? इस बात के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि आखिर गंगा में बड़ी संख्या में उतराती लाशें कहां से आई हैं, उत्तर प्रदेश से या बिहार से। यदि प्रकृति अपने रास्ते पर चलती है तो निश्चित रूप से महामारी एक दिन कम हो जाएगी। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण विमर्श केवल इस बात पर हो सकता है कि वायरस के खिलाफ संघर्ष में सक्रिय व समन्वित रूप से बहुआयामी दृष्टिकोण कैसे अपनाया जाए।

पश्चिम बंगाल चुनाव का विश्लेषण

भाजपा भले ही राज्य के हालिया चुनावों में अपना प्रभुत्व न स्थापित कर सकी हो, पर उसका प्रदर्शन कम से कम विश्वसनीय जरूर है।

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक लोकप्रिय स्तम्भकार हैं)

पश्चिम बंगाल में अत्यधिक कठिन चुनाव के परिणाम कमोबेश उम्मीद के अनुसार हैं। नि:संदेह दिल्ली के आशावादियों को निराशा मिली जिन्होंने भाजपा के बहुमत की उम्मीद की थी। लेकिन उनकी इच्छायें ज्यादातर सपनों की तरह थीं। मेरा मानना है कि बंगाल को समझना कठिन है। इस अखबार में पहले प्रकाशित एक लेख में मैंने संकेत दिया था कि बंगाल का विशिष्ट चरित्र है। 1947 के प्रारम्भ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई शरत तथा किरन शंकर सरकार हिंदुओं के पक्ष में थे और लोकप्रिय किसान नेता सर अब्दुल रहीम और फजलुर रहमान एक संयुक्त बंगाल के लिए बातचीत कर रहे थे। यह भारत और पाकिस्तान से अलग तीसरा स्वतंत्र देश हो सकता था। आश्चर्यजनक रूप से इन वार्ताओं की शुरुआत अगस्त, 1946 में कोलकाता के भयानक नरसंहार के कुछ ही महीनों के भीतर हुई थी। मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन डे के नाम पर हजारों लोगों को मार डाला गया था। इस कार्रवाई का निर्देश मुहम्मद अली जिन्ना ने ब्रिटिश सरकार को यह संदेश देने के लिए दिया था कि हिंदू और मुसलमान एक देश में एकसाथ नहीं रह सकते हैं और इसलिए स्वतंत्रता के पहले विभाजन जरूरी है। इसके परिणामस्वरूप जिन्ना ने जोर दिया कि पाकिस्तान को 14 अगस्त को भारत की स्वतंत्रता के एक दिन पहले आजाद घोषित किया जाना चाहिए।

जिन्ना ने दो मुस्लिम नेताओं को प्रोत्साहित किया था कि वे किसी प्रकार एक अलग संयुक्त बंगाल बनाने का प्रयास करें। कम्युनिस्ट पार्टी ने भी शरत बाबू का इस समझौते के लिए समर्थन किया था। इसका कारण सरल रूप से केवल यह था कि बहुसंख्य मुस्लिम जनसंख्या तथा उसी समुदाय का प्रधानमंत्री होने के कारण संयुक्त बंगाल द्वारा भारत की तुलना में पाकिस्तान को पसंद करने की संभावना अधिक थी। इसके पहले जिन्ना ने 1939 में असम के प्रीमियर मुहम्मद सादुल्ला व उनके साथियों से कहा था कि वे आदिवासियों की गणना हिंदुओं के बजाय पशुपूजकों के रूप में करें। इससे आदिवासी अल्पसंख्यक बन जाते और कम से मुसलमान थोड़े ही अंतर से बहुसंख्यक हो जाते। इस विचार का उद्देश्य असम को पाकिस्तान में शामिल करना था। गोपीनाथ बारडोलई ने समय रहते असम की रक्षा की। वे दिल्ली गए और कांग्रेस आलाकमान को हस्तक्षेप करने के लिए मना लिया।

संयोग से भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रगीत गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित हैं। कवि नजरुल इस्लाम को व्यापक रूप से केवल टैगौर के बाद सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता था। दमदम कहे जाने वाले कोलकाता हवाईअड्डे के परंपरागत राजमार्ग का नाम नजरुल इस्लाम एवेन्यू रखा गया। सबसे अच्छा रवीन्द्र संगीत इस समय ढाका की महिला रिजवाना चौधरी देती हैं। वे आमतौर से साड़ी पहनती हैं तथा माथे पर लाल टीका लगाती हैं। फरवरी, 1948 में पाकिस्तान के पश्चिमी भाग से बांग्लादेश की लड़ाई की शुरुआत जिन्ना द्वारा उर्दू को पाकिस्तान की एकमात्र राजभाषा घोषित करने के बाद हुई थी। अगले दिन ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने सड़कों पर उतर कर बांग्ला भाषा के प्रति अपना प्रेम प्रकट किया था जो कई दिनों तक जारी रहा था।

इसके बाद से 1971 के अंत तक पूर्वी पाकिस्तान के लिए बहुत कष्टदायक समय रहा और अंतत: वह बांग्लादेश बन गया। इसके बाद से उन्होंने जब भी पाकिस्तान के बारे में सोचा, वे केवल बांग्लादेशियों के बजाय बंगालियों की तरह सोचते थे। उनकी रेडियो वार्ता आकाश पाताल के बारे में होती थीं। अधिकांशत: अपने हिंदू समकक्षों से ईर्ष्या का अनुभव करने के कारण वे इसे आसमान जमीन कहने लगे। वे पहले बंगाली है, दूसरे स्थान पर बांग्लादेशी हैं और तीसरे स्थान पर मुसलमान हैं। पश्चिम बंगाल के बहुसंख्य लोग भी कमोबेश प्राथमिकता का यही क्रम रखते हैं। इसलिए भाजपा को हालिया चुनाव में स्वयं को मिली 77 सीटों को किसी प्रकार पराजय मानने के बजाय महान सफलता समझना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा मुश्किल से ही बड़ी बैठकों को संबोधित करने के लिए एक बांग्लाभाषी लोकप्रिय व्यक्ति तैयार कर सकी। बंगाली के लिए इसका अर्थ बहुत बड़ा है। जब मैं उसकी भाषा के कुछ वाक्य बोलता हूं तो स्रोता प्रसन्नता से आश्चर्यचकित हो कर कहता है, 'आपकी बंगाली कितनी अच्छी है।' इसका कारण भाषा पर बहुत अच्छी पकड़ के बजाय कोलकाता में पला-बढ़ा होना है। मैं जानता हूं कि बंगाली पहले एक धुन है और बाद में भाषा। तीसरी पीढ़ी के अनेक लोग इसे नहीं समझते हैं और बंगाली स्रोता बिना किसी लोच वाली ऐसी भाषा नहीं पसंद करता है। गुजरात में बसने वाला यदि कोई व्यक्ति गुजराती बोलता है तो अक्सर प्रतिक्रिया यह होती है कि उसने भाषा सीखने पर अपनी इतनी ऊर्जा क्यों नष्ट की? 'हम हिंदी समझते हैं'। यह बंगाल में अपनी भाषा के प्रति असाधारण प्रेम का एक उदाहरण है।

> **कठिनाइयों को देखते हुए भाजपा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह पांच साल में तीन सीट से बढ़ कर 77 सीट पर पहुंच गई है। यदि भाजपा के किसी सदस्य ने वास्तव में बहुमत मिलने की बात सोची थी तो वह सपना देख रहा था। हालांकि, पांच साल लंबा समय होता है, पर समय लगातार बहती एक नदी है जो बहती रहती है और स्वयं विपक्ष को अवसर देती रहती है।**

इसके साथ ही यदि मुझे ठीक से याद है तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 1953 में निधन के बाद हुए दो आम चुनावों में हिंदू महासभा के चार उम्मीदवार बांकुड़ा से विधायक बने थे। इसके बाद हर हिंदू पार्टी को कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला। हरिपद भारती एक सम्मानित व्यक्ति थे, पर वे सालों तक जनसंघ के नेता होने के बावजूद विधायक नहीं बन सके। पश्चिम बंगाल का लगभग एक तिहाई हिस्सा पूर्वी पाकिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थियों का वारिस है।

लेकिन 2011 तक वे वाममोर्चा के समर्थक थे। यह भले ही आश्चर्यजनक हो, पर सत्य है। कम्युनिस्टों ने खुलेआम विभाजन का समर्थन किया था, पर इसकी चिन्ता अपने परिवारों के साथ शरणार्थियों के रूप में आए इन लोगों को नहीं थी। इन कठिनाइयों को देखते हुए भाजपा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह पांच साल में तीन सीट से बढ़ कर 77 सीट पर पहुंच गई है। टीएमसी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। यदि भाजपा के किसी सदस्य ने वास्तव में बहुमत मिलने की बात सोची थी तो वह सपना देख रहा था।

हालांकि, पांच साल लंबा समय होता है, पर समय लगातार बहती एक नदी है जो बहती रहती है और स्वयं विपक्ष को अवसर देती रहती है।

कोरोना के दौर में विश्व व्यवस्था प्रबंधन

> **"भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन का उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों के बीच समसामयिक मुद्दों को संबोधित करना है।"**

सुधीर हिन्दवान
(लेखक एक प्रोफेसर व सामरिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

कोरोनावायरस महामारी के बीच, भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हाल ही में आभासी शिखर सम्मेलन ने व्यापार, आर्थिक साझेदारी और निवेश संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर बातचीत के लिए एक बड़ा मंच प्रदान किया है, जो सदस्य देशों के बीच समानता ला रहा है। एशिया, प्रशांत और अफ्रीकी क्षेत्रों में संयुक्त सहयोग स्थापित करने के लिए भी सूक्ष्म प्रयास हैं। यह निश्चित रूप से दोनों पक्षों की उच्च स्तरीय अंतर्दृष्टि और समझ को प्रदर्शित करता है। यह उन नेताओं की ओर भी इशारा करता है जिन्हें वर्तमान कोविड - 19 महामारी द्वारा आवश्यक विश्व व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, यूरोपीय संघ के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लीन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने व्यापार और वैश्विक सुरक्षा के लिए बातचीत के चैनल बनाने और विश्व राजनीति के समावेशी लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक नए मार्ग के लिए दूरदर्शिता का प्रदर्शन किया। शिखर सम्मेलन टकराव के बजाय सहयोग के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को संभालने वाले विश्व समुदाय के लिए एक प्रोटोटाइप का निर्माण करता है। महामारी ने सदस्य देशों को एक दूसरे पर भरोसा करने और अपने मतभेदों को दफनाने की आवश्यकता को मजबूत किया है। प्रमुख मुद्दा अधिकतम जीवन को बचाने में मदद करने के लिए महामारी से निपटने के लिए, संभवत: आराम से संबंधित ट्रेड-रिलेटेड ट्रेड-रिलेटेड एस्पेक्ट्स ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टीज (ट्रिप्स) से निपटने के संदर्भ में अधिक से अधिक देशों को बातचीत की मेज पर लाना है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को सीमित करने और तकनीकी ऊर्जा के विकास में अक्षय ऊर्जा और विकास के लिए गेटवे खोलने और बिजली उत्पादन के स्रोतों को चैनलाइज

करने और चीन के (बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव) द्वारा उत्पन्न किसी भी अचानक खतरे का सामना करने के लिए एक तंत्र बनाने के संबंध में बढ़ता समर्थन और समझौता।) सभी सदस्य देशों की शांति और समृद्धि के लिए अच्छी तरह से वृद्धि। 2019 जापान ईयू सौदा इस दिशा में एक प्रयास था।

भारत और यूरोपीय संघ ने एक सकारात्मक संबंध साझा किया है, उनके व्यापार में पिछले पांच वर्षों के दौरान एक अच्छा मील का पत्थर पार हो गया है, जो उम्मीद से कहीं अधिक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, जर्मनी, इटली और नीदरलैंड के साथ घनिष्ठ संबंध रहे हैं, वे भारत से सबसे बड़े आयातक हैं जबकि जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम माल के सबसे बड़े निर्यातक हैं।

शिखर सम्मेलन के हालिया प्रयासों से उनके संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास को स्थिर करने के लिए एक वास्तविक माहौल बनेगा (साथ ही माल और सेवाओं के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करना) रणनीतिक सुरक्षा, समृद्धि, स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाली अचानक चुनौतियों का मुकाबला करना। इसके अलावा, कोविड - 19 के दूसरे उछाल के दौरान यूरोपीय संघ के नागरिक सुरक्षा प्रणाली से भारत की मदद करने से निकट एकीकरण के लिए रास्ते खुले हैं।

विदेशी संबंध कुशल राजनयिक प्रणाली की मदद से संचालित होते हैं और संकट के समय कूटनीति सही इशारों और सहयोग और समन्वय के बारे में है। बेल्जियम और स्पेन के प्रधानमंत्रियों और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने महामारी से निपटने के भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए केवल और सहयोग किया। हालांकि, परमाणु ऊर्जा, सतत विकास और पर्यावरणीय मुद्दों के संबंध में एकमत की कमी नहीं है। आगे की वार्ता से गैर-राज्य अभिनेताओं द्वारा आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध, ड्रग डीलिंग, तस्करी और साइबर खतरे के खिलाफ एक कवच प्रदान करने के लिए एक रणनीतिक तंत्र का निर्माण हो सकता है। यह समुद्री मैत्रीपूर्ण संबंधों को भी तेज कर सकता है और हिंद महासागर और भारत-प्रशांत क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा बढ़ा सकता है जो हाल ही में चिंता के क्षेत्र बन गए हैं।

ये बदलता समय है और हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कई बदलाव हुए हैं। भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन का परिणाम इस तथ्य का समर्थन करता है कि एक बहु-स्तरीय और बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से आपसी आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक साझा रणनीतिक दृष्टि और एक संयुक्त दृष्टिकोण आने वाले दिनों में विश्व व्यवस्था पर हावी होने वाला है।

व्यवस्था को अस्थिर करने के किसी भी प्रयास के विरुद्ध गंभीर प्रतिक्रिया की संभावना का प्रबंल रखते हुए प्रतिकार की एक नई रणनीति तय करने के लिए देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर अधिक परिपक्व निर्भरता हेतु नया परिप्रेक्ष्य विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

आप की बात

नदी में बहते शव

देश कोरोना जैसी विभत्स महामारी से जूझ रहा है। ऑक्सीजन की किल्लत के कारण लोगों को जान गंवानी पड़ रही हैं , लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए घाटों पर लकड़ियां जुटाना मुश्किल हो रहा है शवों को गंगा में प्रवाहित किया जा रहा है यह सब घटनाएं बिहार और यूपी से निकल कर आ रही है। वहीं जिम्मेदार लोग अपनी कमियों को छुपाने के बजाय एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर अपना पल्ला झाड़ने में लगे हुए हैं। जरा सोचिए उन लोगों के बारे में भी जिनकी मौत करोना जैसी भयावह बीमारी से हुई हो और उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए भटकना पड़े तब भी उनका अंतिम विधि विधान पूर्वक न हो सके। अंतिम संस्कार के लिए लकड़िया ना मिलती हो और उनको गंगा में प्रवाहित करने के लिए ऐसे ही छोड़ दिया दिया जाए जहां अन्य लोगों के लिए भी संक्रमण का खतरा बना हो और नदी में अनेक जलीय जीव जन्तुओं के लिए खतरा उत्पन्न हो। इस मामले में काफी गंभीरता से सोचना चाहिए एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करने की बजाय कोविड से मृत लोगों के अंतिम संस्कार के लिए उनको उचित संसाधनों का प्रयोग करने के लिए जिला स्तर पर आदेशित करें।

– **योगेंद्र गौतम**, उन्नाव

अंतरिक्ष में तूफान

विदेशों से प्राप्त जानकारी का अध्ययन खगोलशास्त्रियों ,वैज्ञानिको ,ज्योतिषों आदि द्धारा किया जाकर सूर्यग्रहण के संबंध में नवीनतम जानकारी प्राप्त की जाकर सौर ज्वालाओं से बच जा सकता है। इसके कुछ वर्ष पूर्व सूर्य कि त्रियामी तस्वीर लेने गया खोजी अभियान नासा ने दो उपग्रह प्रक्षेपित किये गए थे। इस स्टीरियो अभियान का मकसद सूर्य कि त्रियामी तस्वीर के अलावा सूर्य से उत्पन्न होने वाली सोर उर्जा के बारे मे अध्ययन से शक्तिशाली सौर ज्वालाओं कि उत्पत्ति के बारे मे सही अनुमान लगाये जा सकना था, क्योंकि इसके कारण चुम्बकीय तूफान पैदा होते है ,जिससे धरती संचार प्रणाली के तहस-नहस होने कि आशंका हमेशा बनी रहती है। सूर्य पर तूफान कभी भी आ सकता है ,जिससे अन्तरिक्ष मे उपग्रह तथा अन्तरिक्ष यानों को भी क्षति पहुचने कि आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। खगोलशास्त्रियों ने दावा किया कि सूर्य अपनी सतह कि बजाए किनारों से ज्यादा गर्मी उत्सर्जित करता है और गर्मी नाभिकीय विखंडन के जरिये उत्पन्न होती है। इसी कारण सूर्य के धब्बों से अन्तरिक्ष मे तूफान आने कि संभावना बनी रहती है।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

कोरोना के बदलते प्रतिरूप

कोरोनावायरस के बदले प्रतिरूप अधिक घातक हैं और वे संक्रमण तेजी से फैला रहे हैं, लेकिन कहीं ऐसा तो नहीं कि उनकी प्रकृति में बदलाव को अभी भी सही तरह समझा न जा सका हो और इसी कारण वे कहर ढाने में लगे हुए हैं। इसलिए लोगों को लगातार चेताने, समझाने और उन तक सही सूचनाएं पहुंचाने का काम भी किया जाना चाहिए। उनके बीच आवश्यक तालमेल होना चाहिए। महामारी में समय पर सही सूचनाएं और जरूरी जानकारी कई समस्याओं का समाधान करती है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अभी भी कुछ लोग कोरोना वायरस से उपजी कोविड महामारी की गंभीरता को समझने के लिए तैयार नहीं। इसी तरह कुछ ऐसे भी हैं, जो टीका लगवाने में हिचक रहे हैं। टीके को लेकर लोगों की हिचक तोड़ने का काम तब प्रभावी ढंग से हो गा, जब उनकी उपलब्धता भी बढ़ाई जाए। भले ही 18 से 44 साल के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया गया हो, लेकिन देश के अनेक हिस्सों में अभी यह अभियान जमीन पर नहीं उतर सका है।

– **डॉ हेमंत कुमार,** गोराडीह

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

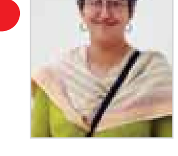

"**हमारे** पास किसी भी केंद्र में कोवैक्सीन नहीं बची है। जब तक वैक्सीन की आपूर्ति नहीं होगी किसी भी टीकाकरण केंद्र में कोवैक्सीन नहीं लगाई जाएगी।

– **आतिषी**
आम आदमी पार्टी की विधायक

मैं पाकिस्तान का वज़ीरे आज़म हूं और हम गाज़ा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। हम फिलिस्तीन के साथ खड़े हैं।

– **इमरान खान**
प्रधानमंत्री, पाकिस्तान

कोवैक्सीन विनिर्माता ने कहा है कि वे अनुपलब्धता के कारण दिल्ली को वैक्सीन उपलब्ध नहीं करा पाएंगे। वैक्सीन की आपूर्ति केंद्र के नियंत्रण में है।

– **मनीष सिसोदिया**
उपमुख्यमंत्री, दिल्ली"

ईद-उल-फितर पर राज्यपाल व सीएम ने दी बधाई

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद-उल-फितर के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके मंगलमय एवं स्वस्थमय जीवन की कामना की है। राज्यपाल ने अपने बधाई सन्देश में कहा है कि ईद-उल-फितर का पर्व हम सभी को एकता और आपसी भाईचारे का सन्देश देता है। इसी प्रकार अक्षय तृतीया शाश्वत, सुख, सफलता और आनन्द की कभी कम न होने वाली भावना का पर्व है, जिसका मानव जीवन में अपना एक विशेष महत्व है। आनंदीबेन पटेल ने सभी लोगों से अपील की कि वे वर्तमान वैश्विक महामारी कोविड.19 के प्रकोप से बचने के लिये सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पर्व एवं त्यौहार को मनाएं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद-उल-फितर के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह त्यौहार खुशी और मेल-मिलाप का सन्देश लेकर आता है। खुशियों का यह त्यौहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ईद के पर्व पर सभी को सद्भाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से आंशिक कोरोना कर्फ्यू तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करते हुए घर पर ही नमाज़ पढ़ने और ईद मनाने की अपील की है।

परशुराम न्याय की स्थापना के प्रतीकः सीएम

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने परशुराम जयन्ती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि समाज में धर्म एवं न्याय की स्थापना में महर्षि परशुराम का अतुलनीय योगदान है। धर्म और न्याय के मार्ग का अनुसरण करके ही लोक कल्याण एवं लोक मंगल का संकल्प पूरा हो सकता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से आंशिक कोरोना कर्फ्यू का पूर्ण पालन करते हुए परशुराम जयन्ती का कार्यक्रम घर पर ही मनाने की अपील की है।

विधान सभा अध्यक्ष ने दी बधाई

लखनऊ। उप्र विधान सभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने ईद-उल-फितर की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख एवं समृद्धि की कामना की है। विधान सभा अध्यक्ष ने अपने सन्देश में कहा है कि ईद का त्यौहार बहुआयामी संस्कृति का प्रतीक है। इसके अलावा स्पीकर ने भगवान परशुराम जयन्ती के पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की है।

ऑक्सीजन संकटः सीएम ने संभाली कमान और बदल गए हालात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते महीने पूरे प्रदेश में आक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। इलाज और आक्सीजन के अभाव में मौतें हो रही थी और राजधानी लखनऊ सहित अनेक जिलों में मौत का मंजर पसरा था। अचानक बने इस गंभीर हालात में सीएम योगी ने अपनी सेहत की परवाह न करते हुये कोरोना और आक्सीजन प्रबंधन की कमान खुद अपने हाथ में संभाली। नजीजा देखते ही देखते हालात बदले और आज अस्पतालों के साथ-साथ होम आइसोलेशन में रहने वालों को भी आक्सीन उपलब्ध होनेलगी है। परिणामस्वरूप मौत का तांडव थमा और संक्रमित मरीजों की सांसे संभली है।

सरकार का दावा है कि राज्य के हर जिले में मरीजों की सांसों को सहेजने के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन के सिलेंडर मौजूद हैं। ऑक्सीजन की इस उपलब्धता के चलते अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होम आइसोलेशन में कोरोना संक्रमण का इलाज कर रहे लोगों को भी ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया कराये जाने का निर्देश दिया। यह काम शुरू भी हो गया और बीते 24 घंटे के दौरान होम आइसोलेशन में 3471 कोरोना संक्रमितों को 26॰44 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराई गई। बीते मार्च-अप्रैल में कोरोना की आयी दूसरी लहर की संक्रमण दर पहले की तुलना में 30 से 50 गुना संक्रामक थी। इसी अनुपात में ऑक्सीजन की चौतरफा मांग भी निकली। मांग में अभूतपूर्व वृद्धि के नाते ऑक्सीजन की कमी को लेकर देश के अधिकांश राज्यों को परेशान होना पड़ा। यूपी की इससे अछूता नहीं रहा और ऑक्सीजन की कमी को लेकर हाहाकार मचा। लोग ऑक्सीजन के सिलिंडर को पाने के लिए परेशान हुए और कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज करने वाले अस्पताल भी मरीजों की साँस को सहेजने के लिए सरकार से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की मांग करने लगे। ऑक्सीजन रीफिलर के पास ऑक्सीजन के सिलिंडर लेने वालों की भीड़ लगने लगी। ऑक्सीजन की इस भयावह कमी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संकट दूर करने का बीड़ा उठाया। खुद कोरोना संक्रमित होने के बावजूद उन्होंने कोरोना संक्रमित हर मरीज की सांसों को सहेजने के लिए अपनी बीमारी की भी परवाह न करते हुए ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए जो योजना तैयार की, उसके चलते अब यूपी में ऑक्सीजन की कहीं कोई कमी नहीं है। हर जिले में मरीजों की सांसों को सहेजने के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन के सिलेंडर मौजूद हैं। ऑक्सीजन को लेकर चंद दिनों पहले ऐसा सकारात्मक माहौल नहीं था। अभी भी प्रदेश से सटी दिल्ली में ऑक्सीजन कमी बनी हुई है। फिर उत्तर प्रदेश ने ऑक्सीजन की कमी को कैसे दूर किया, तो इसका जवाब है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देखरेख में चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर टीम-9 के अफसरों का एक सैनिक की तरह अपने टास्क को पूरा करने का जुनून। जिसके चलते आज यूपी में न सिर्फ ऑक्सीजन की कमी खत्म हुई है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले यह जाना कि ऑक्सीजन की कमी क्यों हो रही है और इसे दूर करने के लिए क्या-क्या किया जाए। इस पर उन्हें बताया गया कि मेडिकल ऑक्सीजन विश्व स्वास्थ्य संगठन की आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल है। कोरोना की दूसरी लहर में मेडिकल ऑक्सीजन की मांग बहुत ज्यादा बढ़ी है और खपत भी। लेकिन आपूर्ति में बाधा से कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी सामने आ रही है। ऑक्सीजन के वितरण की व्यवस्था की कमी इसकी कमी का सबसे प्रमुख कारण है। यह जानने के बाद मुख्यमंत्री ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों में ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने का फैसला किया है। इसके लिए बजट भी सरकार ने जारी कर दिया है।

विभिन्न पीएसयू भी अपने स्तर पर प्लांट स्थापित करा रही हैं। इसके साथ ही गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग और आबकारी विभाग द्वारा ऑक्सीजन जनरेशन की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा सरकार ने सीएचसी स्तर से लेकर बड़े अस्पतालों तक में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए हैं। जिलों की जरूरतों के अनुसार और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदे जाने की अनुमति भी दी गई है।

केन्द्र ने लागू किया यूपी मॉडल

लखनऊ। ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से लागू किए गए मॉडल को केंद्र सरकार ने भी अपनाया लिया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अनिवार्य रूप से ऑक्सीजन कंटेनर्स, टैंकर्स और अन्य वाहनों में वेहिकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाने के आदेश दिए हैं। इन टैंकर्स की जीपीएस के माध्यम से उचित निगरानी और सुरक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की उपयोगिता बढ़ने पर तकनीकी का सहयोग लेने का आदेश दिया था, जिसके बाद अप्रैल के मध्य में ही सीएम योगी ने ऑक्सीजन मॉनिटरिंग सिस्टम फॉर यूपी नामक डिजीटल प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया। यह प्लेटफॉर्म प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागए परिवहन और गृह विभाग के सहयोग से तैयार किया है। इसके लिए वेब पोर्टल लिंक तैयार किया गया है, जिसे ऑक्सीजन सप्लाई चेन से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी प्रयोग करते हैं। देश के दूसरे राज्यों को भी यूपी मॉडल की जब जानकारी हुई तो उन्होंने राज्य सरकार से संपर्क साधा।

बिहार, पंजाब, तमिलनाडु, महाराष्ट्र आदि ने गहरी रुचि भी दिखाई। उत्तर प्रदेश ऑक्सीजन ट्रैकिंग सिस्टम को लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। गृह विभाग में एक विशेष नियंत्रण कक्ष बनाकर ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति के सम्बन्ध में लगातार निगरानी की जा रही है। इसमें गृह विभाग को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और परिवहन विभाग भी सहयोग कर रहा है।

बदहाली को झूठे आंकड़ों से छुपाया जा रहाः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना महामारी के दौर में सत्ता संरक्षित कालाबाजारी और मंहगाई से भाजपा राज में लोगों की जिंदगी नरक बन गई है। प्रदेश की बदहाली को झूठे आंकड़ों की बाजीगरी से छुपाया जा रहा है। मौतों का सच भी उसे नहीं दिख रहा है। उल्टे भाजपा नेतृत्व द्वारा सरकार को आगाह करने वाले विपक्षी नेताओं को बदनाम करने का अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा ने नैतिकता और लोकलाज सबको तिलांजलि दे दी है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार शायद यह समझती है कि जनता को अपनी आंखो से जो सच दिख रहा है उस पर वह झूठ फरेब का पर्दा डाल देगी। मीडिया ऑक्सीजन की कालाबाजारी, दवाओं और इंजेक्शनो में भयंकर मुनाफाखोरी और अस्पतालों में लूट की सच्चाई रोज ही दिखा रही है। इस पर रोक लगाने के सरकारी बयान सिर्फ बहकाने के लिए दिए जाते हैं। सच तो यह है कि शासन-प्रशासन की मिलीभगत से ही काले धंधे पनप रहे है। हर सांस की भाजपा राज में नीलामी हो रही है। जनता को त्रस्त करने के लिए ही सरकारी तौर पर डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए है, जीवनदायिनी ऑक्सीजन सिलेंडर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाकर 50 रुपए महंगा कर दिया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गरीब, बेबस और मजबूर जनता से लूट की खुली छूट भाजपा सरकार ने दे रखी है। बाजार में खाद्य पदार्थो, फल सब्जियों के दाम अचानक बढ़ गए हैं। रोज की कमाई से पेट भरने वालों को नमक रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। खुद मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में जनता मुनाफाखोरो और चोरों से त्रस्त है। हर तरफहाहाकार है। विगत चार वर्षो में भाजपा शासन में नकली-जहरीली शराब का कारोबार खूब पनपा है। इससे सैकड़ों की जान जा चुकी है। इन मौतों के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। उन्होंने कहा कि कितने दुख और शोक की बात है कि सांसों के आपातकाल में भी शासन, प्रशासन और शराब माफिया का सिंडीकेट खुलेआम जहरीली शराब बिकवा रहा है। भाजपा सरकार के प्रवक्ताओं का बस एक ही एजेण्डा है कि सपा के सुझावों को दर किनार कर कोरोना नियंत्रण करने की बजाय सपा के विरुद्ध अनाप शनाप आरोप लगाना जारी रखना है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष से कम महत्व की भूमिका विपक्ष की नहीं होती है। सरकार की कमियों को इंगित करने पर विपक्ष के प्रति द्वेषपूर्ण व्यवहार एवं कुप्रचार करना अलोकतांत्रिक और अनैतिक है। हकीकत से मुंह चुराकर भाजपा सरकार कब तक लोगों को धोखा देगी?

ईद पर दी मुबारकबाद

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईद के त्योहार पर मुस्लिम भाइयों को दिली मुबारकबाद देते हुए उनकी खुशहाली और प्रदेश में अमन चैन की दुआ मांगी है। उन्होंने कहा कि यह आपसी भाईचारा को बढ़ावा देने वाला और आपसी मेलमिलाप का भी त्योहार है। अखिलेश यादव ने कहा कि पवित्र रमजान के बाद ईद के दिन हम यही दुआ मांगते हैं कि सब पर रहमत ए खुदा बरसती रहे। किसी का कोई गम बाकी न रहे। यादव ने कहा कि इन दिनों कोरोना संक्रमण के दौर में हमें सामाजिक दूरी बनाए रखना होगा। इस बारे में उलेमाओं की राय का आदर करना चाहिए। वहीं अखिलेश यादव ने परशुराम जयंती पर सभी के सुख-समृद्धि की कामना की है और भगवान परशुराम को श्रद्धासुमन अर्पित किए है। अखिलेश यादव ने कहा कि परशुराम जी आजीवन अन्याय और अत्याचारी कुशासन के खिलाफ संघर्षरत रहे। उन्हें विष्णु भगवान के अवतार के रूप में पूजा जाता है।

सरकार मृतकों के आंकड़ों में कर रही है हेराफेरीः लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू एवं कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने कहा है कि जो शव नदियों में बह रहे हैं वह प्रदेश सरकार की नाकामी हैं। उन्होने मांग की है कि बलिया और गाजीपुर समेत अन्य जिलों में नदियों में प्रवाहित किए गए शवों के मामले की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से करायी जाए। दोनों नेता बृहस्पतिवार को वर्चुअल माध्यम से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। लल्लू ने कहा कि बीजेपी के जनप्रतिनिधि, मंत्री, विधायक लगातार अपनी ही सरकार पर कोरोना महामारी को रोकने और समुचित इलाज के लिए पत्र लिखकर सरकारी नाकामियों को उजागर कर रहे हैं मगर सरकार लगतार झूठ और फरेब की राजनीति कर रही है उसे आम जनमानस की चिंता नहीं है और आम जनता को उसने भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। इवेंट के माध्यम से अखबारों में हेडलाइन बनाने में जुटी हुई है। आराधना मिश्रा ने कहा कि सरकार चिकित्सीय उपकरणों और दवाओं पर तत्काल जीएसटी खत्म करे जिससे आम जनता को कोरोना के इस भीषण महामारी के समय राहत मिल

कोरोना संक्रमण व सरकार के प्रबंधन को लेकर प्रियंका ने निशाना साधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश के कई जिलों में नदी में मिल रहीं लाशों और उन्नाव में गंगा किनारे रेती में सैकड़ों शवों को दफनाने के मामलों पर योगी सरकार को घेरा है। प्रियंका ने लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, कानपुर जैसे शहरों में मौत का आंकड़ा कई गुना कम करके बताने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे असहनीय और अमानवीय बताते हुए हाईकोर्ट के जज से जांच कराने की मांग की।

प्रियंका गांधी ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर कहा कि खबरों के अनुसार बलिया, गाजीपुर में शव नदी में बह रहे है और उन्नाव में नदी के किनारे सैकड़ों शवों को दफना दिया गया है। लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, कानपुर जैसे शहरों में मौत के आंकड़े कई गुना कम करके बताए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हद से ज़्यादा अमानवीयता हो रही है। सरकार अपनी इमेज बनाने में व्यस्त है और जनता की पीड़ा असहनीय हो चुकी है। इन मामलों पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में तुरंत न्यायिक जांच होनी चाहिए। इससे पहले किए अपने एक अन्य ट्वीट में प्रियंका गांधी ने कोरोना संक्रमण और सरकार के प्रबंधन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि हाईकोर्ट में यूपी सरकार ने जो हलफनामा दाखिल किया है, वह प्रदेश में कोरोना से लड़ने की असल कहानी बयां करता है।

बुजुर्ग कैदी को अस्पताल में जंजीर से बांधा, जेल वार्डर निलंबित

लखनऊ। एटा जेल के एक उम्र दराज कैदी को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान पैरों में बेड़ियां डालकर बेड से बांधकर रखने के मामले को गंभीरता से लेते हुए डीजी जेल आनंद कुमार ने जेल वार्डर अशोक यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोषी पर्यवेक्षण अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए डीजी ने कहा है कि इस अमानवीय कृत्य के लिए दोषी किसी भी अधिकारी कर्मचारियों को माफ नहीं किया जाएगा। एटा जिला कारागार में किसी पुराने मामले में बंद 92 वर्षीय बाबूराम निवासी पुल्हा हबीबपुर को सांस लेने में परेशानी के बाद स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जेल प्रशासन ने अमानवीय व्यवहार करते हुए इलाज के दौरान कैदी को बेड पर चेन से बांध दिया। 92 वर्ष के कैदी के साथ इस तरह की अमानवीय हरकत को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

प्रदेश के किसी जिले में ऑक्सीजन की कोई कमी नहींः अवनीश अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने दावा किया कि प्रदेश के किसी जिले में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। हमने अपनी ऑक्सीजन सप्लाई 1000 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक बढ़ा दी है। देश में किसी भी राज्य में इतनी ऑक्सीजन नहीं दी गई। हमें जितनी ऑक्सीजन की आवश्यकता हैए हम उतनी ऑक्सीजन जनपदों को पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटो में प्रदेश के मेडिकल कालेजों, चिकित्सा संस्थानों, निजी अस्पतालों एवं रिफीलर्स को रिकार्ड 1031.43 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति की गयी है। सेल्फ प्रोडक्शन के तहत एयर सेपरेटर्स यूनिट्स के माध्यम से भी 81.87 मीट्रिक टन आक्सीजन आपूर्ति की गयी है तथा होम आईसोलेशन के 3471 मरीजों को भी कुल 26.44 मीट्रिक टन आक्सीजन की अपूर्ति सिलेण्डरों के माध्यम से बीते 24 घण्टों मे की गयी है। अवस्थी ने बताया कि 623.11 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति रिफ िलर्स को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही 313.02 मीट्रिक टन आक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 95.29 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति आक्सीजन सप्लायर्स द्वारा सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। अवस्थी ने बताया कि प्रदेश के प्रमुख कानपुर में 85.08 मीट्रिक टन, वाराणसी में 57.15 मीट्रिक टन, प्रयागराज में 56.99 मीट्रिक टन, मेरठ में 261.41 मीट्रिक टन, मुरादाबाद में 53.12 मीट्रिक टन, आगरा में 73.47 मीट्रिक टन, गोरखपुर में 53.21 मीट्रिक टन तथा लखनऊ में 155.26 मीट्रिक टन आक्सीजन बीते 24 घंटे में पहुंचाई गई है।

तस्कर गिरोह का सरगना गिरफ्तार, दो किलो स्मैक बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने अंतर राज्य स्तर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना को लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र स्थित लोकबंधु अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 2 किलो ग्राम स्मैक बरामद हुई है एसटीएफ के अनुसार बरामद स्मैक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत दो करोड़ रुपए है।

एसटीएफ उत्तर प्रदेश को विगत कुछ दिनों से निरन्तर सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि अन्तर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थो की तस्करी करने वाला गिरोह बाराबंकी व बरेली में सक्रिय है। इस सूचना पर एसडीएम द्वारा छानबीन की जा रही थी। अभिसूचना संकलन के दौरान ज्ञात हुआ कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ सदस्य झालावाड राजस्थान से अवैध मादक पदार्थ लेकर बरेली, लखनऊ होते हुए बाराबंकी आते जाते है । इस सूचना पर एसटीएफ मुख्यालय ए लखनऊ की टीम को सक्रिय किया गया। एसटीएफटीम को सूचना प्राप्त हुई कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का सरगना मो. सलमान राजस्थान से होण्डा सीटी कार से अवैध मादक पदार्थ लेकर लखनऊ के रास्ते बाराबंकी जाएगा। मुखबिर की इस सूचना पर एसटीएफ टीम लोकबन्धु अस्पताल के पास थाना क्षेत्र कृष्णानगर पहुंचकर इन्तजार करने लगी। कुछ देर बाद होण्डा सिटी कार यूपी-32-सीबी-5898 आती हुई दिखाई दी। एसटीएफ टीम द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर गाड़ी रोककर चेक किया गया तो उसमें से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ। सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सलमान ने बताया कि वह बाराबंकी मे मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले संगठित गैंग का सरगना है तथा हाजी असगर अली का बेटा शादाब निवासी उसरी जैतपुर बाराबंकी, मोहम्मद जमालू निवासी रसौली बाराबंकी, मोह मद गुलाम रसूल निवासी पल्हरी थाना सफदरगंज बाराबंकी एवं सज्जन निवासी भनौली जैतपुर बाराबंकी उसके ही गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। जो लोग लगभग 8 वर्ष पूर्व से उसके गैंग में रहकर तस्करी कर रहे हैं। पंचायत चुनाव मे इसकी हार हो गयी है। जिसमें लगभग 15 से 20 लाख रुपए खर्च भी हो गए हैं तथा लॉकडाउन मे माल की अच्छी खपत होने के कारण यह खुद ही शर्मा नामक व्यक्ति से स्मैक लेने झालावाड राजस्थान चला गया था। पूछताछ से ज्ञात हुआ कि उक्त संगठित गिरोह द्वारा अफीम, डोडा एव गांजा की भी तस्करी व्यापक रूप से हरियाणा, पंजाब एवं पश्चिमी उप्र के कई जिलो मे संचालित किया जाता है। यह भी ज्ञात हुआ है कि इसके विरुद्ध थाना सफदरगंज बाराबंकी में एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत है जिसमें यह वांछित भी है।

ग्रामीण इलाकों में कोरोना को रोकने में ढाल बनीं निगरानी समितियां

● तीन दिनों में कराई 257845 लोगों की कोविड जांच, 374685 रोगियों तक पहुंचाई मेडिकिल किट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी के ग्रामीण इलाकों में निगरानी समितियां बीमारी को रोकने के लिये ढाल बन गई हैं। गांव-गांव में कोरोना वायरस के खात्मे के लिये तिगुनी ताकत से आर पार की लड़ाई में जुटी हैं। इसके लिये योगी सरकार के निर्देशों पर 60 हजार निगरानी समितियां दिन रात मेहनत कर रही हैं। टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट के मूलमंत्र पर समितियों के 4 लाख सदस्य प्रतिदिन एक एक व्यक्ति के घर तक पहुंच रहे हैं। कोरोना की चेन तोड़ने में लगी निगरानी समितियों के सदस्यों ने पिछले 9 से 12 मई तक जनपदों में 31937797 मकानों का भ्रमण किया है। जिनमें लक्षित मकानों की सं या 33069010 पाई गई है। निगरानी समितियों ने कुल 374685 रोगियों तक मेडकिल किट पहुंचाने का काम किया है। जनपदों में ब्लाक तक क्रियाशील सचल कोविड टेस्ट टीमों ने 6081 पाजिटिव केसों की पुष्टि की है। टीमों ने कुल 257845 लोगों की कोविड जांच कराई गई। क्रीयाशील सचल कोविड टेस्ट टीम दिवसों की कुल सं या 12976 रही।

कोरोना की चेन तोड़ने में लगी निगरानी समितियों के सदस्यों की ओर से परिवार के एक एक सदस्य की जांच की जा रही है। बीमारी के लक्षण वाले लोगों को तत्काल इलाज दिलाया जा रहा है। मेडिकल किट से लेकर होमआईसोलेशन में रहने की गाईडलाइनों से परिचित कराया जा रहा है। जो घरों में आईसोलेट नहीं रह सकते हैं उनको गांव के ही विद्यालयों, सामुदायिक केन्द्रों व स्वास्थ्य केन्द्रों पर इलाज की मु त सुविधाएं दी जा रही है। गौरतलब है कि इतनी तेज र तार से बीमारी की रोकथाम करने में जुटी योगी सरकार के शानदार कोविड प्रबंधन को दुनिया भर में प्रशंसा मिली है। निगरानी समिति में लेखपाल, रोजगार सेवक, एनजीओ, एसएचजी, कोटेदार से लेकर सफाई कर्मचारी तक अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। निगरानी समितियां होम आइसोलेट मरीजों का हालचाल ले रही हैं। रोजाना टेलीकन्सल्टेशन के माध्यम से डॉक्टर इनकी स्वास्थ्य की जानकारी हासिल कर रहे हैं। सरकार के निर्देश पर दिक्कत होने पर गंभीर रोगियों को हायर मेडिकल फैसिलिटी भी उपलब्ध कराई जा रही है। कोरोना पर लगाम लगाने के लिये निगरानी समितियां बढ़ा हथियार बन कर सामने आई हैं।

प्रदेश की जेलों में भी कोरोना का खौफ

● अंतरिम जमानत पर अब तक रिहा किए गए 4802 विचाराधीन कैदी

● 22 को हाई पावर कमेटी की बैठक में होगा पैरोल पर छोड़ने का फैसला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के जबरदस्त संक्रमण से यूपी की जेलों में बंद कैदियों को सुरक्षित रखने के सभी उपाय किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन और व्यापक स्वास्थ्य हित में प्रदेश की विभिन्न जेलों से न्यायालयों द्वारा दी गई 90 दिन की अंतरिम जमानत पर अब तक 4802 विचाराधीन कैदी रिहा किए जा चुके हैं। कैदियों को पैरोल पर रिहा किए जाने के संबंध में फैसला सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित हाई पावर कमेटी की 22 मई को होने वाली बैठक में होगा। जेलों में प्रायः दो तरह के कैदी होते हैं। सिद्धदोष कैदी वे हैं जिन्हें सजा हो चुकी है।

विचाराधीन कैदी वे हैं जिन पर मुकदमे चल रहे है और अभी सजा नहीं हुई है। विचाराधीन कैदियों को अंतरिम जमानत पर विभिन्न जिलों के जनपद न्यायाधीश द्वारा अधिकृत जज या न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा रिहा किया जा रहा है। कैदियों को पैरोल पर उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी द्वारा रिहा किया जाना है। कमेटी की बैठक 22 मई को होगी। इस बैठक में तय किया जाएगा कि कितनी संख्या में कैदियों को पैरोल पर छोड़ा जाएगा। प्रदेश की सभी 71 जेलों में इस समय 111882 कैदी निरुद्ध हैं। इन जेलों में क्षमता से दोगुने-चौगुने कैदी हैं। इन जेलों में इस समय कुल 1604 लोग कोरोना से संक्रमित हैं जिसमें 156 जेल के ही कर्मचारी हैं। संक्रमितों में से 11 की मौत भी हो चुकी है, जिसमें सात कैदी शामिल हैं। कैदियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में भीड़ कम करने का आदेश दिया है। कोरोना की पहली लहर में भी बड़ी संख्या में कैदी रिहा किए गए थे। इस बार भी उन कैदियों को प्राथमिकता पर रिहा किया जाएगा। इसके अलावा अन्य कैदियों की भी रिहाई होगी। जेल मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि डीजी जेल आनंद कुमार द्वारा जेलों में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए की गई जबरदस्त किलेबंदी और जेल अधिकारियों से सीधे संपर्क में रहकर निर्देश दिए जानेके राहत भरे परिणाम सामने आने लगे हैं। यही वजह है कि दूसरी लहर में जेलों में संक्रमित कैदियों यानी एक्टिव केसेज की संख्या घटते-घटते मात्र 1266 रह गई है।

मुख्तार अंसारी कोरोनामुक्त टेस्ट रिपोर्ट आई नेगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की बांदा जेल में बंद पूर्वांचल के माफिया डॉन व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी कोरोना संक्रमण से मुक्त हो गए हैं। उनकी आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद जेल प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के बाद से ही मुख्तार के स्वास्थ्य पर जेल मुख्यालय भी लगातार नजर बनाए हुए था। मुख्तार अंसारी बीते दिनों संक्रमित हो गए थे। उनके साथ ही जेल के कई और बंदियों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी। कोरोना की चपेट में आने के बाद मुख्तार को उसकी बैरिक नंबर 16 में आइसोलेट किया गया था। संक्रमण के दौरान उनकी डाइट काफी कम हो गई थी और ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ गया था ।जेल मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि जिला जेल प्रशासन को बृहस्पतिवार को मिली मुख्तार अंसारी की कोरोना वायरस संक्रमण की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

महामारी और हिंसा की दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है बंगाल : धनखड़

भाषा। कूच बिहार (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल में अपनी मर्जी से वोट देने वाले लोगों को निशाना बनाकर हमला किए जाने का दावा करते हुए राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे में जबकि देश कोविड संकट से जूझ रहा है, राज्य को महामारी और चुनाव बाद हिंसा की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद हमलों की घटना से वह स्तब्ध थे और उन्होंने हिंसा से प्रभावित विभिन्न जगहों का दौरा करने का निर्णय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए किया।

कूच बिहार जिले में विभिन्न स्थानों का दौरा शुरू करते हुए राज्यपाल ने कहा, देश कोविड की चुनौती से जूझ रहा है तथा पश्चिम बंगाल को महामारी और चुनाव बाद हुई हिंसा की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उनके अनुसार यह हिसा केवल इस आधार पर हो रही है क्योंकि कुछ लोगों ने अपनी मर्जी से वोट डालने का फैसला लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीत सरकार सुनिश्चित करे कि कानून अपने हाथ में लेने वाले सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाए।

विपक्षी पार्टी भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ हिंसा कर रही है। हालांकि सत्तारूढ़ दल ने इन आरोपों से साफ इंकार किया है। राज्यपाल ने कहा, इतिहास मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इंसाफ करेगा। इतिहास राज्यपाल जगदीप धनखड़ तथा नौकरशाही और मीडिया का भी इंसाफ करेगा। चुनाव बाद हुई हिंसा के संबंध में सूचना पाने के तमाम प्रयास के बावूजद राज्य सरकार से कोई जानकारी नहीं मिलने का दावा करते हुए धनखड़ ने कहा कि राज्य सरकार संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत उन्हें आवश्यक सूचना मुहैया कराए। उन्होंने कहा, मैं किसी भी परिस्थिति में बिना किसी रूकावट और विचलित हुए बिना अपने संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन करूंगा।

राज्यपाल को सीतलकूची में काले झंडे दिखाए

कूचबिहार(पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को बृहस्पतिवार को सीलतकूची में उस समय काले झंडे दिखाए गए जब वह चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने गए थे। पांच लोगों की मौत हो गई थी। धनखड़ के कूचबिहार दौरे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निंदा की थी। राज्यपाल को कुछ लोगों ने गोलोकगंज में उस समय काले झंडे दिखाए जब उनका काफिला मथभंगा से सीतलकूची जा रहा था। पुलिस ने सड़क के दोनों ओर मानवश्रृंखला बना रखी थी ताकि कोई प्रदर्शनकारी सड़क पर नहीं आ सके। विस चुनाव के चौथे चरण के दौरान 10 अप्रैल को केंद्रीय अर्धसैनिकों बलों की गोली से जोरपातकी में चार लोगों की मौत हुई थी, वहां पर भी राज्यपाल के दौरे की आलोचना करने वाले पोस्टर दिखाई दिए। सीतलकूची में पहली बार मतदान करने आए एक मतदाता की मौत मतदान केंद्र पर कतार में खड़े होने के वक्त हो गई थी। धनखड़ उत्तरी बंगाल के कूचबिहार जिले में मथभंगा और सीतलकूची गए और उन लोगों से मुलाकात की जिन्होंने दावा किया कि दो मई को चुनाव नतीजे आने के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थक गुंडों ने उन पर हमला किया था।

पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में चुनाव बाद की हिंसा के पीड़ितों से मिलते राज्यपाल जगदीप धनखड़

क्या इस संघीय ढांचे में कन्नड़ लोग अनाथ हो गए हैं : कुमारस्वामी

बेंगलुरु। जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने ऑक्सीजन और कोविड-19 रोधी टीकों की आपूर्ति को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कर्नाटक के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या कन्नड़ लोग इस संघीय ढांचे में अनाथ बन गए हैं। केंद्र को अपना अहंकार त्याग देना चाहिए। केंद्र को लगता है कि वही सबसे ताकतवर है, उसे यह मानना छोड़कर इसके बजाय कर्नाटक की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

भाजपा नेता सी टी रवि एवं तेजस्वी सूर्या ने पलटवार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री को ट्वीट करने से पहले अपने तथ्यों को ठीक करने की सलाह दी। कुमारस्वामी ने ट्वीट किया, कर्नाटक के लिए 1,200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति के अदालत के आदेश के बावजूद केंद्र राज्य को सिर्फ 120 मीट्रिक टन ऑक्सीजन दे रहा है। केंद्र ने उत्तर प्रदेश को 1,680 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मुहैया कराकर अपना पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया है जहां कर्नाटक की तुलना में कोविड-19 के कम मामले आ रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या कर्नाटक के लोग इस संघीय ढांचे में अनाथ बन गए हैं? उन्होंने कहा कि कर्नाटक को लेकर केंद्र के पक्षपातपूर्ण रवैया का खुलासा सरकार के ही आंकड़ों से हुआ है। आखिर केंद्र कर्नाटक और कन्नड़ों का इतना तिरस्कार क्यों कर रहा है? क्या यह इस कारण है कि कर्नाटक से भाजपा के सबसे अधिक सांसद चुनकर आए हैं या एदियुरप्पा को खलनायक के तौर पर पेश करने का एक प्रयास है। जवाब देते हुए रवि और सूर्या दोनों ने कहा कि कर्नाटक को कुल 1,075 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हो रही है और जिस 120 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की वह बात कर रहे हैं वह राज्य की आपात जरूरत को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस से भेजी गई थी।

महाराष्ट्र : गढ़चिरौली में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बृहस्पतिवार की सुबह सुरक्षा बलों के साथ मठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया गया। यह मुठभेड़ सुबह करीब छह बजे धानोरा तालुका के तहत मोरचुल गांव के जंगल में हुई जब गढ़चिरौली पुलिस की विशेष लड़ाकू इकाई सी-60 कमांडों की टीम और अन्य सुरक्षाकर्मी इलाके की गश्त कर रहे थे। गढ़चिरौली पुलिस अधीक्षक अंकित गोयल ने बताया कि पुलिस को विशिष्ट सूचना मिली थी कि 25 नक्सलियों का समूह मोरचुल में जंगल में एकत्र हुआ है। पुलिस की टीम को देखकर, नक्सलियों ने उनपर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने भी जवाबी कार्वाई की। मुठभेड़ के बाद, विद्रोही घने जंगल में भाग गए। गोयल ने बताया कि बाद में इलाके की तलाश के दौरान पुलिस को दो नक्सलियों के शव मिले जिसमें एक महिला थी और अन्य नक्सल संबंधित सामग्रियां मिली। बताया कि दो विद्रोहियों की पहचान अभी बाकी है।

राज्यपाल धनखड़ का हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा असंवैधानिक : तृणमूल कांग्रेस

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य सरकार के परामर्श को नजरअंदाज कर कूचबिहार जिले के हिंसाग्रस्त इलाकों का बृहस्पतिवार को दौरा किया जो संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को धनखड़ को पत्र लिखकर दावा किया था कि उनकी कूचबिहार दौरे से दशकों पुरानी परंपरा का उल्लंघन होगा और उनसे इस दौरे को रद्द करने की अपील की थी।

हालांकि, राज्यपाल ने जवाब में कहा था कि वह संविधान में प्रदान कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं और कूचबिहार का उनका दौरा चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों का दुख-दर्द बांटने के लिए है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और पार्टी प्रवक्ता सौगत रॉय ने कहा, उन्होंने (राज्यपाल) राज्य सरकार की नहीं सुनी और कूचबिहार चले गए। वह भाजपा नेता के साथ वहां गए। उनका आचरण असंवैधानिक है।

गौरतलब है कि कूचबिहार दौरे के दौरान धनखड़ के साथ भाजपा सांसद निसिथ प्रमाणिक भी थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पहले हमने राष्ट्रपति को इस राज्यपाल को हटाने के लिए पत्र लिखा था। अगर मुखयमंत्री कहती हैं तो हम उनके खिलाफ दूसरा पत्र राष्ट्रपति को भेजेंगे। तृणमूल कांग्रेस ने पिछले साल दिसंबर में धनखड़ को राज्यपाल पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखा था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल नियमित रूप से राज्य प्रशासन के खिलाफ सार्वजनिक टिप्पणी कर संवैधानिक सीमा का उल्लंघन कर रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य में मंत्री सोभनदेब चटोपाध्याय ने दावा किया कि धनखड़ का आचरण राज्यपाल के लायक नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, राज्यपाल चुनाव बाद हिंसा की छिटपुट घटनाओं पर राजनीति कर रहे हैं जबकि राज्य सरकार ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं। वह ऐसे समय राजनीति कर रहे हैं जब राज्य महामारी से लड़ने में व्यस्त है। हम उम्मीद करते हैं कि राज्यपाल और राज्य सरकार कोविड-19 से लडने के लिए मिलकर काम करेंगे।

तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य काकोली घोष दस्तीदार ने ट्वीट कर धनखड़ से विभाजनकारी दुष्प्रचार बंद करने का आह्वान किया और कहा कि यह समय इसके लिए नहीं है। हालांकि, उन्होंने राज्यपाल के कूचबिहार दौरे का जिक्र नहीं किया।

क्विक न्यूज

निर्वाचन आयोग ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में नौ सीटों पर विधान परिषद का चुनाव टाला

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के मद्देनजर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना मे विधान परिषद की नौ सीटों पर होने वाले चुनाव को बृहस्पतिवार को टाल दिया। आयोग द्वारा जारी बयान के अनुसार, आंध्र प्रदेश विधान परिषद के तीन सदस्यों और तेलंगाना विधान परिषद के छह सदस्यो का कार्यकाल क्रमशः 31 मई और तीन जून को समाप्त हो रहा है। इन सभी का निर्वाचन विधानसभा सदस्यो (विधायकों) द्वारा किया जाना है। आयोग ने कहा कि चुनावी नियमों के अनुसार, विधान परिषद सदस्यों का छह साल का कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही चुनाव कराकर उनकी सीटें भरना आवश्यक होता है। आयोग ने आज (बृहस्पतिवार को) मामले की समीक्षा की और तय किया है कि देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना विधान परिषद का द्विवार्षिक चुनाव कराना उस समय तक उचित नही होगा जब तक स्थिति सुधर ना जाए और चुनाव कराने योग्य ना हो जाए। निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह सभी पहलुओ को ध्यान मे रखते हुए इस मुद्दे पर भविष्य मे सही समय पर निर्णय लेगा।

तमिलनाडु के संयंत्र में ब्वायलर फटने से चार की मौत

कुडलूर। तमिलनाडु के कुडलूर मे रसायन के एक संयंत्र मे बृहस्पतिवार को ब्वायलर फटने और उसके बाद अमोनिया गैस का रिसाव होने के कारण एक महिला समेत चार कर्मचारियो की मौत हो गई तथा दस लोग घायल हो गए। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजन को तीन-तीन लाख रूपए का मुआवजा तथा घायलों को एक-एक लाख रूपए का मुआवजा देने के आदेश दिए है। एक सरकारी विज्ञप्ति मे बताया गया कि ब्वायलर मे विस्फोट के बाद अमोनिया गैस का रिसाव हुआ जिसके चलते चार लोगो की मौत हो गई तथा दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि संयंत्र मे फसलों की सुरक्षा मे इस्तेमाल होने वाले रसायनों का उत्पादन किया जाता है। आज सुबह जब घटना घटी तब सभी कर्मचारी काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद गैस रिसाव होने पर एक महिला और तीन पुरूषो की दम घुटने से मौत हो गई तथा दस लोग घायल हो गए। कुडलूर जिले के पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव ने संवाददाताओं को बताया, उन लोगों की मौत दम घुटने के कारण हुई। वे झुलसे नही थे। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। श्रम मंत्री सीवी गणेशन ने कहा कि हादसे की जांच करवाई जाएगी। घायलो को कुडलूर के जिला अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है।

एमएनएम के दो और नेताओं ने इस्तीफा दिया

चेन्नई। तमिलनाडु में कमल हासन नीत मक्कल निधी माईम (एमएनएम) के दो और नेताओं ने व्यक्तिगत कारण बताते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया। इनमें वरिष्ठ नेता और पूर्व आईएएस अफसर संतोष बाबू शामिल है। पार्टी महासचिव (मुख्यालय) बाबू और राज्य सचिव पद्म प्रिया ने पार्टी के पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इससे कुछ दिन पहले ही पार्टी उपाध्यक्ष डॉ आर महेंद्र ने इस्तीफा दे दिया था और उन्होंने एमएनएम में लोकतंत्र के अभाव का आरोप लगाया था। बाबू ने ट्विटर पर कहा, भारी मन से मै आपको सूचित कर रहा हूं कि मै अपने पदों और मक्कल निधी माईम की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मेरा निर्णय व्यक्तिगत कारणों से है। मै प्यार और दोस्ती के लिए कमल सर और हमारी टीम का आभार जताता हूं। पूर्व नौकरशाह ने छह अप्रैल को हुआ विधानसभा चुनाव वेलचेरी सीट से लड़ा था किंतु उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मदुरावोयाल से चुनाव लड़ने वाली प्रिया ने भी एमएनएम से नाता तोड़ने की घोषणा की। उन्होंने ट्वीट किया, काफी सोच-विचार के बाद मैने एमएनएम के राज्य सचिव के अपने पद से और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से व्यक्तिगत कारणो से इस्तीफा दे दिया है।

फ्रांसीसी दूतावास ने बिना मंजूरी मॉडर्ना के टीके खरीदेः मलिक

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार मे मंत्री नवाब मलिक ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारत स्थित फ्रांसीसी दूतावास ने मॉडर्ना के कोविड-19 रोधी टीके खरीदे और नवी मुंबई स्थित अपने नागरिकों को लगाया जबकि देश मे केवल तीन टीकों को ही मंजूरी दी गई है। राज्य के अल्पसंख्यक मामलो के मंत्री ने केंद्र से जानना चाहा कि बिना अनुमति टीके को कैसे यहां रह रहे फ्रांसीसी नागरिकों एवं उनके परिजनों को लगाने की अनुमति दी गई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता मलिक ने पूछा कि अगर फ्रांसीसी दूतावास खरीद सकता है तो केंद्र क्यो नही यह टीका भारत के लोगो के लिए खरीद सकता है। उन्होंने ट्वीट किया, कोविशील्ड, कोवैक्सिन और स्पुतनिक-ङ्क तीन टीके है जिनकी मंजूरी हमारी सरकार ने भारत में दी है। मुझे मिली सूचना के मुताबिक फ्रांसीसी दूतावास ने मॉडर्ना के टीके खरीदे और नवी मुंबई मे अपोलो अस्पताल की मदद से अपने नागरिकों और उनके परिजनों को लगाए। उन्होने कहा, सवाल है कि कैसे बिना मंजूरी वाले टीके को लगाने की अनुमति दी गई? अगर वे हासिल कर सकते है तो क्यों नही भारत सरकार हमारे नागरिकों के लिए प्राप्त कर सकती है। सरकार और स्वास्थ्यमंत्री डॉ. हर्षवर्धन को स्पष्ट करना चाहिए।

राजस्थान के सीकर में वैक्सीन लगवाने के लिए लाइन में खड़े हुए लोग।

भाजपा का कांग्रेस सरकार पर कोरोना में कुप्रबंधन का आरोप

जयपुर। राजस्थान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनियां ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस सरकार पर कोरोना संक्रमण में कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार अपनी कमियों, कमजोरियों, नाकाबिलियत को केन्द्र के माथे जड़कर पाक साफ होना चाहती है। पूनियां ने कहा, राजस्थान की कांग्रेस पार्टी की मौजूदा सरकार पिछले काफी अर्से से अपनी कमियों, कमजोरियों और नाकाबिलियत को केन्द्र के माथे मढ़कर पाक साफ होना चाहती है। उन्होंने ने यहां आनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत सरकार राजस्थान में ऑक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन से लेकर वेंटीलेटर तक तमाम सुविधाओं को विकसित करने के लिए तत्पर और तैयार है..तथा कर भी रही है।

बावजूद इसके कांग्रेस नेताओं के बड़बोलेपन के बयान लोगों का मनोबल कमजोर करते हैं। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि कोरोना की इस लडाई में वास्तव में सहकारी संघवाद की भावना का पालन करें और राजस्थान की जनता को भरोसा दिलाएं। वे कोरोना के प्रबंधन को बेहतर करके बताएं तो मुझे लगता है कि कोरोना की लडाई हम सब लोग मिलकर ठीक तरीके से लड़ पाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को लिखे पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उस पत्र में उन्होंने अपनी पीड़ा जाहिर की है। इस बात का दुख भी व्यक्त किया है कि कोरोना जैसी महामारी में विपक्ष को एक सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए थी, लोगों के बीच में एक भरोसा और मनोबल पैदा करना चाहिए था। इसके बजाय उसने देश को कमजोर करने की, अराजकता फैलाने की कोशिश की है। प्रदेश भाजपा की ओर से चलाई जा रही हेल्पलाईन में हमारे कार्यकर्ताओं ने सरकारी और व्यक्तिगत तौर पर लोगों को ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध कराने में मदद की है।

साथियों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाना बंद करें पंजाब के सीएमः सिद्धू

चंडीगढ़। पंजाब के असंतुष्ट कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पितवार को मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह से कहा कि वह साथियों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाना बंद करें। राज्य के कुछ मंत्रियों ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधने के लिए सिद्धू के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी, जिसके बाद सिद्धू ने यह बात कही। सिद्धू ने हाल ही में सिंह पर निशाना साधते हुए उनसे 2015 की बेअदबी की घटनाओं में न्याय दिलाने की मांग की थी। पंजाब के फरीदकोट जिले में हुईं उन घटनाओं में गुरू ग्रंथ साहिब के कई फटे हुए पन्ने बिखरे पड़े मिले थे। इन घटनाओं के दो दिन बाद हुई पुलिस गोलीबारी में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी।

सिद्धू ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए पूछा, अदालत में आपको कौन बचाएगा ग्रेट गुरू? उन्होंने बृहस्पितवार को ट्वीट किया, कल और आज भी, मेरी आत्मा गुरू साहिब के लिए न्याय मांगती रही है। आने वाले कल भी इस मांग को दोहराता रहूंगा। पंजाब की अंतरात्मा की आवाज पार्टी लाइन से ऊपर है। पार्टी के साथियों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाना बंद कीजिए। आप प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार और जवाबदेह हैं। अदालत में आपको कौन बचाएगा ग्रेट गुरू?

पंजाब तथा हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले महीने 2015 के कोट कपूरा गोलीबारी मामले की जांच रिपोर्ट को खारिज कर दिया था, जिसके बाद से सिद्धू अमरिन्दर सिंह पर हमला बोल रहे हैं। वह 2015 में हुईं बेअदबी की घटनाओं और पुलिस गोलीबारी के मामले में न्याय में हुई कथित देरी को लेकर सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पर बार-बार निशाना साध रहे हैं। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री ने सिद्धू को पूरी तरह अनुशासनहीन बताया था। पंजाब के चार मंत्रियों ने अमरिन्दर सिंह पर निरतंर हमले करने के लिए बुधवार को सिद्धू के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी। सिद्धू आम आदमी पार्टी और भाजपा के इशारे पर पार्टी की राज्य इकाई पर हमले कर रहे हैं।

टीके की अनुपलब्धता पर हमें क्या खुद को फांसी पर लटका लेना चाहिए : सदानंद गौड़ा

भाषा। बेंगलुरु

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने बृहस्पतिवार को जानना चाहा कि क्या सरकार में बैठे लोगों को टीके के उत्पादन में नाकामी की वजह से खुद को फांसी पर लटका लेना चाहिए? गौड़ा ने यहां पत्रकारों से कहा , अदालत ने अच्छी मंशा से कहा है कि देश में सबको टीका लगवाना चाहिए। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि अगर अदालत कल कहती है कि आपको इतने (टीके) देने हैं और यह अगर न बन पाए, तो क्या हमें खुद को फांसी पर लटका लेना चाहिए ?

टीके की किल्लत के सवालों पर केंद्रीय मंत्री ने सरकार की कार्वाई योजना पर जोर दिया और कहा कि इसके निर्णय किसी भी राजनीतिक लाभ या किसी अन्य कारण से निर्देशित नहीं होते हैं। गौड़ा ने कहा कि सरकार अपना काम पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करती आ रही है और उस दौरान कुछ कमियां सामने आई हैं। मंत्री ने जानना चाहा, व्यावहारिक रूप से, कुछ चीजें जो हमारे नियंत्रण से परे हैं, क्या हम उसका प्रबंधन कर सकते हैं? उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ काम कर रही है कि एक या दो दिन में चीजें सुधरें और लोगों को टीका लगे।

गौड़ा के साथ मौजूद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने दावा किया कि अगर व्यवस्था समय पर नहीं की जाती तो चीज़ें बदतर हो सकती थी। रवि ने कहा, यदि पहले से उचित व्यवस्था नहीं की गई होती तो मौतें 10 गुना या 100 गुना ज्यादा होतीं। रवि ने कहा, लेकिन कोरोना वायरस के अकल्पनीय प्रसार के कारण हमारी तैयारी विफल रही।

अदालतों द्वारा कोरोना वायरस के मुद्दे पर सरकार की खिंचाई करने पर रवि ने कहा, न्यायाधीश सब कुछ जानने वाले नहीं होते हैं। हमारे पास जो कुछ भी उपलब्ध है, उसके आधार पर तकनीकी सलाहकार समिति यह सिफारिश करेगी कि कितना (टीकों का) वितरण किया जाना है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर हम निर्णय करेंगे। कर्नाटक में कोरोना वायरस के चिंताजनक हालात हैं और रोज़ाना 40-50 हजार मामले आ रहे हैं। इसी के साथ टीके की मांग भी कई गुना बढ़ गई है।

राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार, राज्य की ओर से तीन करोड़ टीके खरीदने के लिए ऑर्डर दिया गया और दो टीका निर्माताओं को भुगतान भी कर दिया गया। बहरहाल, केवल सात लाख खुराक ही राज्य पहुंची। कई टीकाकरण केंद्रों के सामने लोग कतारबद्ध खड़े होते हैं लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ता है।

चेन्नई में कोविड-19 की वैक्सीन लगवाते हुए अभिनेता रजनीकांत।

उच्चतम न्यायालय में उत्तराखंड की चारधाम परियोजना का मामला

केंद्र ने एनजीओ के दावे को किया खारिज

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में बृहस्पतिवार को एक एनजीओ के उस दावे को पूरी तरह खारिज किया जिसमें कहा गया है कि वह महत्वाकांक्षी चारधाम राजमार्ग परियोजना को चौड़ा करने से जुड़े मामले में संबंधित पीठ से बचने का प्रयास कर रहा है।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 900 किलोमीटर लंबे राजमार्ग से जुड़ी परियोजना सभी मौसमों में उत्तराखंड में चार धामों–यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ने पर केंद्रित है। गैर सरकारी संगठन सिटिजंस ऑफ ग्रीन दून ने मामले में अपने लिखित अभिवेदन में दावा किया है कि केंद्र सरकार संबंधित पीठ से बचने का प्रयास कर रही है।

न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ ने अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल की दलीलों का संज्ञान लेते हुए कहा कि उसने मुद्दे पर एनजीओ से लिखित आवेदन दाखिल करने को नहीं कहा था और पक्षों से केवल यह कहा था कि वे मामले में पारित आदेश अदालत के समक्ष रखें। मामले में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अदालत को इस बात को भी परखना चाहिए कि आखिर किस वजह से एनजीओ इस तरह के आरोप लगा रहा है, जबकि मामला चीन सीमा पर रणनीतिक सीमावर्ती सड़कों के निर्माण से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि मामले को प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण के समक्ष रखा जाए जिससे कि वह 18 मई को सुनवाई के लिए इसे किसी उचित पीठ को भेज सकें। बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई करने वाली अवकाशकालीन पीठ में अगले सप्ताह संबंधित न्यायाधीश नहीं बैठेंगे।

एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्वेस ने कहा कि उन्होंने कल शाम चार-पांच पृष्ठ का लिखित नोट दाखिल किया है और आज सुबह इसे कोर्ट मास्टर को भी भेज दिया गया।पीठ ने गोंजाल्वेस से कहा, आपने यह बहुत देर से भेजा है। हमने आपको कोई लिखित अभिवेदन दायर करने की अनुमति नहीं दी है।

इसने कहा कि वह मामले को प्रधान न्यायाधीश को भेज रही है जिससे कि इसे उचित पीठ को भेजा जा सके। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2019 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण के एक आदेश में संशोधन करते हुए चारधाम राजमार्ग परियोजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था।

हैदराबाद का तेलगू तल्ली फ्लाईओवर लॉकडाउन के चलते सन्नटे में नजर आया

रेमडेसिविर की कालाबाजारी करने वाले 75 लोगों के खिलाफ रासुका

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश में कोविड-19 महामारी के इलाज में उपयोग किए जाने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में लिप्त 75 लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दी है।

मध्य प्रदेश गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने पीटीआई-भाषा से कहा, रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाज़ारी के लिए 75 लोगों को रासुका के तहत गिरफ्तार कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से जेल भेज दिया गया है। राजोरा ने बताया कि इनके अलावा, रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं चिकित्सकीय ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने के लिए प्रदेश में छह लोगों को चोरबाजारी निवारण और अत्यावश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि इन छह लोगों में से पांच को रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करने के लिए जबलपुर, उज्जैन एवं सागर में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि एक व्यक्ति को चिकित्सीय ऑक्सीजन की कालाबाजारी के मामले में सतना में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर गृह विभाग द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन, चिकित्सकीय ऑक्सीजन और अन्य आवश्यक दवाओं की कालाबाजारी करने वालों पर रासुका अंतर्गत सख्त और त्वरित कार्वाई के निर्देश जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए गए हैं। राजोरा ने बताया कि ए सभी लोग रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने के लिए 20 अप्रैल से 10 मई तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पकड़े गए थे।

सहारनपुर जिले मे तैनात अपर दीवानी न्यायाधीश का कोरोना से निधन

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले मे तैनात अपर दीवानी न्यायाधीश तैयब अहमद की कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से मृत्यु हो गई। पिछले एक सप्ताह से वह सहारनपुर के मेडिकल कॉलेज के आईसीयू मे भर्ती थे। उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह आखिरी सांस ली।सहारनपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आदित्य अगीरस ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अहमद का निधन हो गया है। उन्होंने बताया कि इससे कुछ दिन पहले एक अन्य अतिरिक्त न्यायाधीश की भी कोरोना संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई थी और उन्हीं के संपर्क में आने से अहमद संक्रमित हुए थे। अगीरस के मुताबिक, अहमद हरिद्वार जिले के मंगलौर के निवासी थे और उनके परिवार में पत्नी, चार वर्षीय पुत्री और बुर्जुग मां है।

धैर्य व साहस से कोरोना संकट पर विजय प्राप्त करेगा भारत : शंकराचार्य

● निराशा, हताशा से नहीं सकारात्मकता से मिलेगी कोरोना के खिलाफ इस युद्ध में विजयः सोनल मानसिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हम जीतेंगे शृंखला के तीसरे दिन शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती व प्रख्यात कलाकार सोनल मानसिंह ने भारतीय समाज को स्वयं पर विश्वास बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वयं पर विश्वास बनाए रखते हुए सकारात्मक विचारों को अपने आसपास ज्यादा से साझा करें, इससे कोरोना के खिलाफ युद्ध में विजय प्राप्त करने में निश्चित ही मदद मिलेगी। इस पांच दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन कोविड रिस्पॉन्स टीम द्वारा किया गया है, जिसमें समाज के प्रमुख व्यक्तित्व मार्गदर्शन कर रहे हैं।

शंकराचार्य ने कहाकि आज विश्व में महामारी की वजह से एक अति संकट की स्थिति है। भारत में एक साल पहले भी ये कष्ट आया था। उस समय समाज की मेहनत से, सहयोग से, सबकी सहानुभूति से, इस संकट का विमोचन हुआ था। अभी इस संदर्भ में दोबारा कुछ संकट शुरू हुआ है। अति वेग से शुरू हुआ है, उस संकट से विमोचन होना चाहिए। उन्होंने कहाकि वाल्मीकि रामायण में हनुमान जी कहते हैं कि दु:ख होता है, संकट होता है, फिर भी अपना जो मनोधैर्य है, मन में जो हिम्मत है वो छोड़ना नहीं प्रयत्न करते रहना है।

प्रख्यात कलाकार पद्मविभूषण सोनल मानसिंह ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि हाल ही में उन्हें कोरोना हुआ था। पर सकारात्मक विचारों, धैर्य, आत्मबल व प्रार्थना द्वारा उन्होंने नैराश्य को दूर भगाते हुए इस पर विजय प्राप्त की। उन्होंने कहाकि समाज में असीम आशा व सकारात्मकता का वातावरण बनाने की आवश्यकता है ताकि कोई भी हताश या निराश न हो। इसके लिए रचनात्मकता का सहारा लें तथा मन में कृतज्ञता का भाव रखें। हम सभी इस युद्ध को लड़ रहे हैं और इसमें निश्चित ही विजय प्राप्त करेंगे, पर इसके लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वयं को असहाय न मानें। क्रोध, निराशा, हताशा से स्वयं भी दूर रहें और सकारात्मक विचारों को साझा कर दूसरों को भी संबल दें व समाज में सामूहिक स्तर पर सकारात्मकता का वातावरण तैयार करें। इस व्याख्यानमाला का प्रसारण 100 से अधिक मीडिया प्लेटफार्म पर 11 मई से 15 मई तक प्रतिदिन सायं 4:30 बजे से किया जा रहा है। 14 मई को इस श्रृंखला में श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के पीठाधीश्वर महंत संत ज्ञान देव सिंह एवं वात्सल्य धाम, वृंदावन की साध्वी ऋतंभरा उद्बोधन करेंगी।

चिकमंगलूर में कोरोना के कहर को देखते हुए मॉस्क पहनकर शादी करता हुआ जोड़ा

विज्ञान की जगह हिन्दुत्व पर भरोसा कर कोविड-19 से अनर्थकारी ढंग से निपट रही मोदी सरकार : माकपा

● माकपा के मुखपत्र में केंद्र सरका पर लगाया गया आरोप

भाषा। नई दिल्ली

माकपा के मुखपत्र पीपुल्स डेमोक्रेसी में प्रकाशित एक संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि नरेंद्र मोदी सरकार के कोविड-19 महामारी से अनर्थकारी ढंग से निपटने का कारण विज्ञान की जगह उसका हिन्दुत्ववादी दृष्टिकोण पर भरोसा करना है।

संपादकीय में सरकार से सवाल किया गया कि वह उच्चतम न्यायालय की तीन सदस्ईय पीठ के सुझाव का पालन करने में क्यों विफल रही जिसने मौजूदा टीकाकरण नीति पर पुनर्विचार करने को कहा था और सुझाव दिया था कि वह राज्यों को टीका आवंटन तथा प्रदायगी कार्यक्रम पर फैसला करे, न कि उन्हें दो टीका विनिर्माता कंपनियों से सौदा करने को छोड़े। इसमें कहा गया, टीकाकरण में अफसलता और पिछले एक पखवाड़े में राज्यों में टीकाकरण की दर गिरकर 60 प्रतिशत होने के बाद कोई भी संवेदनशील सरकार टीकाकरण कार्यक्रम पर फिर से काम करने के उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप का लाभ उठाती। लेकिन यह संवदेनशील सरकार नहीं है-यह ऐसी सरकार है जिसकी आंखों पर नव-उदारवाद और हिन्दुत्व की पट्टी बंधी है। इसने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत प्रदत्त नागरिकों के जीवन के अधिकार के आधार पर सरकार को उसकी नीति बदलने के लिए निर्देश देने की इच्छाशक्ति दिखाएगा। संपादकीय में कहा गया, सरकार के कोविड लहर से अनर्थकारी ढंग से निपटने का अन्य कारण विज्ञान पर भरोसा करने की अक्षमता तथा हिन्दुत्वादी दृष्टिकोण पर विश्वास करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन के व्यवहार की और किस चीज से व्याख्या की जा सकती है? इसमें कहा गया कि महामारी के मामलों में अप्रैल के मध्य में वृद्धि शुरू हुई और मंत्री ने देशी गायों पर अनुसंधान कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

माकपा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाया जिन्होंने कोरोना संकट के दौरान प्रत्एक जिले में गायों के संरक्षण के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने का आदेश दिया।

फिरोजपुर रेल संभाग ने कम यात्रियों के चलते रद्द की 16 एक्सप्रेस ट्रेनें

फिरोजपुर। फिरोजपुर रेल संभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के कारण कम यात्रियों के चलते 16 अनारक्षित एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि रद्द की गई ट्रेनों में अमृतसर-पठानकोट एक्सप्रेस, फजिल्का-बठिंडा डेमू, फिरोजपुर कैंट-फजिल्का एक्सप्रेस एवं जालंधर सिटी-फिरोजपुर कैंट शामिल हैं। संभागीय रेल प्रबंधक राजेश अग्रवाल ने बताया कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर ट्रेनों में कम यात्री हो गए हैं। फिरोजपुर रेल संभाग पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के एक हिस्से में ट्रेन सेवाएं प्रदान करता है।

पेज 1 का शेष

टीके के लिए ...

वास्तव में, देश में वैक्सीन की भारी कमी है और कई राज्यों ने इस कारण 18 से 44 साल की उम्र के लिए टीकाकरण अभियान स्थगित कर दिया है। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने कहा है कि टीके की उपलब्धता की स्थिति में जुलाई के बाद ही सुधार होने की संभावना है, क्योंकि उस समय सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक द्वारा वैक्सीन की 216 करोड़ खुराक का उत्पादन किया जाएगा। नीति अयोग सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एफ्डीए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुमोदित टीके ही भारत लाए जा सकते हैं। वैक्सीन आयात करने के लिए राज्यों को एक या दो दिन में लाइसेंस दे दिया जाएगा।

देशभर में लगाए...

बृहन्मुंबई नगर निगम ने 12 अस्पतालों में 16 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है, ताकि शहर अपनी जरूरत खुद पूरी कर सके।इसी तरह हरियाणा सरकार राज्य भर के बड़े अस्पतालों में 66 ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करेगी। दिल्ली सरकार ने 48 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की योजना सामने रखी है। इनमें से 21 फ्रांस से आयात किए जा रहे हैं और षेश भारत में निर्मित किए जा रहे हैं। बिहार की नीतीश सरकार ने पीएम केयर फंड से 15 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का निर्णय लिया है।

कोविड -19 महामारी की विनाषकारी दूसरी लहर से जूझ रहे पंजाब में लगभग एक दर्जन छोटे और मध्यम ऑक्सीजन संयंत्रों को दोबारा संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। ओडिशा ने कटक के सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों, जिला मुख्यालय अस्पतालों (डीएचएच), राजधानी अस्पताल, राउरकेला सरकारी अस्पताल और आचार्य हरिहर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर (एएचपीजीआईसी) में 40 ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना के लिए केंद्र को प्रस्ताव दिया है। मध्य प्रदेश ने भोपाल, रीवा, इंदौर, ग्वालियर और शहडोल में 1.60 करोड़ रुपये में संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। गुजरात के 22 अस्पतालों में 36 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। गुजरात में ऑक्सीजन की मांग बढ़कर 1,190 मीट्रिक टन हो गई है, जिसमें से लगभग 1,000 मीट्रिक टन केंद्र द्वारा दी जा रही है। कर्नाटक में 18 चिकित्सा संस्थानों में 22 ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित होंगे। देश में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन का कुल उत्पादन लगभग 9500 मीट्रिक टन प्रति दिन हो रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पिछले साल मार्च में टैंकरों की क्षमता 12,480 मीट्रिक टन थी और उनकी संख्या 1,040 थी। अब, टैंकरों की क्षमता 23,056 मीट्रिक टन हो गई है और उनकी संख्या बढ़कर 1,681 हो गई है, जिसमें 408 परिवर्तित कन्वर्टर्स और 101 आयातित टैंकर शामिल हैं।

कोविशील्ड की खुराक ...

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एनईजीवीएसी ने कोविशील्ड टीके के दो डोज के बीच समयांतर को बढ़ाकर 12 से 16 सप्ताह करने के कोविड-19 कार्य समूह की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। कोविड-19 कार्य समूह के अध्यक्ष डॉक्टर एन. के. अरोड़ा आईएनसीएलईएन ट्रस्ट के निदेशक हैं। इसके सदस्यों में जेआईपीएमईआर के निदेशक और डीन डॉक्टर राकेश अग्रवाल, वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज से प्रोफेसर डॉक्टर गगनदीप कांग, वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर डॉक्टर जे. पी. मुल्लीयाल, नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंट बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी) के ग्रुप लीडर डॉक्टर नवीन खन्ना, नई दिल्ली स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी के निदेशक डॉक्टर अमूल्य पांडा और भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉक्टर वी.जी. सोमानी शामिल हैं।

कोरोना से सर्वाधिक ...

इसके बाद कर्नाटक में 516, उत्तर प्रदेश में 326, दिल्ली में 300, तमिलनाडु में 293, पंजाब में 193, हरियाणा में 165, राजस्थान में 164, छत्तीसगढ़ में 153, पश्चिम बंगाल में 135, उत्तराखंड में 109 और गुजरात में 102 लोगों की मौत हुई। देश में अब तक 2,58,317 लोगों की मौत हुई है जिसमें से 78,007 मरीजों की महाराष्ट्र में, कर्नाटक में 20,368, दिल्ली में 20,310, तमिलनाडु में 16,471, उत्तर प्रदेश में 16,369, पश्चिम बंगाल में 12,728, पंजाब में 11,111 और छत्तीसगढ़ में 11,094 लोगों की मौत हुई है।

आज पीएम किसान...

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी उपस्थित रहेंगे। बयान में कहा गया, इस दौरान 9.5 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के खातों में 19,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की जाएगी। ज्ञात हो कि इस योजना के अंतर्गत, कुछ अपवादों को छोड़कर, जोत वाले किसान परिवारों की आय में 6,000 रुपए की सालाना सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत हर चार महीने पर 2,000-2,000 रूपए की तीन किस्तें प्रदान की जाती हैं। यह धनराशि डीबीटी माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे जमा कराई जाती है। अब तक इस योजना के तहत, 1.15 लाख करोड़ रुपए किसान परिवारों के खातों में हस्तांरित किए जा चुके हैं।

गंगा में लाशें मिलने...

उल्लेखनीय है कि भारत कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह से प्रभावित है और देशभर के श्मशान और कब्रिस्तान पर क्षमता से अधिक बोझ है। एनएचआरसी ने बयान में कसा, शवों को हमारी पवित्र गंगा नदी में प्रवाहित करना स्पष्ट रूप से जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। आयोग ने बताया कि उसे 11 मई 2021 को मीडिया में आई खबरों के हवाले से शिकायत मिली और उसमें आशंका जताई गई कि नदी में बह रहे शव कोविड-19 संक्रमितों के हैं। एनआरसी ने उल्लेख किया कि शिकायत में इंगित किया गया कि इस तरह से शवों को बहाए जाने से उन लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा जो दैनिक कार्यों के लिए गंगा नदी पर निर्भर हैं। आयोग ने कहा, इसमें (शिकायत) में आगे कहा गया कि अगर ए शव कोविड-19 संक्रमितों के नहीं भी हैं तो ऐसी घटना समाज के लिए शर्मनाक है और यहां तक कि मृतकों के मानवाधिकार का भी उल्लंघन है।

लकड़ी जलने के...

इस गाड़ी में दो स्तर पर गर्म हवा प्रणाली से युक्त है जिससे दहन किया जाता है। इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी एंड स्पांसर्ड रिसर्च एंड इंडस्ट्रीज इंटरेक्शन (आईसीएसआर एंड आईई) के डीन आईआईटी प्रो. डा. हरप्रीत सिंह जिन्होंने इस मशीन को तैयार भी किया है, इन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के इंसीनरेटर 1044 डिग्री सेल्सियस तक गर्म होता है जिससे शव पूरी तरह से राख में बदल जाता है। प्रो. हरप्रीत ने कहा कि इस मशीन से शव का अंतिम संस्कार 12 घंटे में हो जाता है, जबकि खुले में लकड़ी पर अंतिम संस्कार करने पर 48 घंटे का समय लग जाता है। कम लकड़ी के प्रयोग के साथ ही इसमें धुंआ भी घटकर आधा हो जाता है। इसके दोनों तरफ स्टील के इंसुलेशन होने से गर्मी अधिक होती है और कम लकड़ी लगती है। दोनों तरफ लगे ट्रे के हटाने की सुविधा से राख को आसानी से साफ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित इस मॉडल में लकड़ी के उपयोग के साथ अंतिम संस्कार होगा। जो हमारे रीति रिवाजों व मान्यताओं के साथ लकड़ी की चिता पर अंतिम संस्कार होगा।इस मशीन का प्रोटोटाइप मॉडल बनाने वाले चीमा ब्वायलर्स के प्रबंध निदेशक हरजिंदर सिंह चीमा ने कहा कि इस महामारी के हालात में अगर इस व्यवस्था को अपनाया जाता है, यह उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी होगा जो अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों का खर्च नहीं उठा सकते।

कोविड की जंग...

जालंधर के पंजाब इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज में मात्र 20 दिन के सुखदीप सिंह ने कोविड को हराया। इसके लिए उनके अभिभावकों ने चिकित्सकों और उनकी टीम का पूरा सहयोग किया, जिसके बाद वह ठीक होकर नवजात अपने घर गया। एम्स की नर्स राखी ने समर्पण की अलग ही मिसाल पेष की। कोविड मरीजों की देखभाल करने में व्यस्त रेखा अपनी दादी के अंतिम संस्कार में नहीं गईं। कॉलेज के दो स्टूडेंट गौतम और गायत्री ने होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों के लिए फूड ऑन व्हील शुरू किया। भोपाल में ऑटो ड्राइवर जावेद खान ने अपने ऑटो को एंबुलेंस में बदलकर कोविड मरीजों को मुफ्त में सेवा दी। झारखंड में संतोष कुमार पांडा ने कोविड मरीजों को राषन और दवा की आपूर्ति उनके घर तक की वो भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के। करीब 38 साल के देवेंद्र शर्मा 1400 किलोमीटर सफर करके अपने दोस्त की जान बचाने के लिए बोकारो से नोएडा ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचे। आज उनका दोस्त ठीक है। 10वीं की छात्रा स्नेहा और श्लोका ने 24 घंटे में 2 लाख रुपये दान से जुटाए और 300 ऑक्सीमीटर गरीब और जरूरतमंद लोगों को दिये। ऐसी बहुत सी कहानियां हैं जो प्रेरणा देती हैं और कोरोना से जंग जीतने में मदद व हौसला देती हैं।

पोवार फिर महिला क्रिकेट टीम के कोच बने

वी रमन की जगह लेंगे

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व स्पिनर रमेश पोवार को गुरुवार को डब्ल्यू वी रमन की जगह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। पोवार इससे पहले भी टीम के साथ यह भूमिका निभा चुके है। उन्हें हालांकि 2018 टी20 विश्व कप के बाद सीनियर खिलाड़ी मिताली राज के साथ विवाद के बाद निलंबित कर दिया गया था। पूर्व भारतीय खिलाड़ी मदन लाल की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने इस पद के लिए मौजूदा कोच डब्ल्यू वी रमन के अलावा आठ उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद पोवार के नाम की सिफारिश की। बीसीसीआई से जारी बयान में कहा गया, बीसीसीआई रमेश पोवार को भारतीय टीम (वरिष्ठ महिला) के प्रमुख कोच के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करता है। बीसीसीआई ने इस पद के लिए विज्ञापन दिया था और 35 से अधिक आवेदन प्राप्त किए थे। इस पद के लिए पोवार और रमन के अलावा भारत के पूर्व विकेटकीपर अजय रात्रा और पूर्व मुख्य चयनकर्ता हेमलता काला सहित पांच महिला उम्मीदवार दौड़ में थे।टीम का कोच नियुक्त होने के बाद पोवार ने ट्वीट किया, भारतीय क्रिकेट टीम को आगे ले जाने के लिए तैयार हूं। इस मौके के लिए सीएसी और बीसीसीआई का शुक्रिया। मदन लाल ने कहा कि सीएसी ने टीम के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के कारण पोवार को चुना। लाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, वह कुछ समय से कोच की भूमिका निभा रहे है। टीम के लिए उनके दृष्टिकोण ने हमें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उनके पास टीम के लिए एक स्पष्ट योजना है, जिससे वह इसे अगले स्तर पर ले जाना चाहते है। खेल के सभी पहलुओं पर उनकी पूरी स्पष्टता है। अब उन्हें अपनी बातों पर अमल करने की जरूरत है। यह देखना होगा पवार मिताली के साथ किस तरह से सामांजस्य बैठाते है। मिताली ने पोवार पर हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टी20 टीम से इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप (2018) सेमीफाइनल से बाहर करने का आरोप लगाया था। मिताली ने बीसीसीआई को पत्र लिख कर पोवार पर आरोप लगाया था कि पोवार ने मेरे करियर को खत्म करने और मुझे अपमानित करने के लिए ऐसा किया है। पोवार ने पलट वार करते हुए कहा था, मिताली काफी नखरे दिखाती है और टीम में विवाद पैदा करती है। महिला टीम की जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने के बाद पोवार ने खुद को एक कोच के रूप में साबित किया और इस साल की शुरुआत में विजय हजारे ट्राफी में बुरी तरह से विफल रहने वाली मुंबई की टीम को सैयद मुश्ताक अली टी 20 प्रतियोगिता का चैम्पियन बनने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में भी गेंदबाजी कोच के तौर पर अपनी भूमिका अदा की। मदन लाल से जब पोवार के खराब रिश्ते और टीम से हटाए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमने उनसे इसके बारे में पूछा था और उन्होंने कहा कि इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी। वह सभी खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर तैयार है। उन्होंने बताया, साक्षात्कार के लिए चुनी गई चार महिला उम्मीदवारों के विचारों से मैं भी बहुत प्रभावित हुआ। यह दिखाता है कि उनकी नजर खेल पर है। इन सभी का भविष्य उज्ज्वल है। पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 एकदिवसीय खेले है। वह जुलाई 2018 से नवंबर 2018 तक महिला टीम के कोच रहे है। उनकी देख-रेख में टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची थी और उसी साल टीम ने लगातार 14 टी20 मैच जीते थे। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रमन की देख-रेख में टीम पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। इस साल मार्च में दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ घरेलू मैदान पर एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला गंवाना का उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले 12 महीने में हालांकि यह टीम का पहला मुकाबला था। रमन से जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने के बाद कहा, भारतीय महिला टीम के साथ पोवार को मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है लड़कियां (खिलाड़ी) अपकी देखरेख में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी। पोवार के लिए न्यूजीलैंड में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने की चुनौती होगी। इससे पहले उनकी देखरेख में टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी जहां उसे 16 जून से सात साल के बाद पहला टेस्ट मैच खेलना है। विश्व कप से पहले टीम को ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी करना है।

ओलंपिक टिकट हासिल करने वाले इरफान सहित चार एथलीट पॉजिटिव

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पैदल चाल के एथलीट के टी इरफान सहित ट्रैक एवं फील्ड के पांच खिलाड़ियों को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केन्द्र मे कोरोना वायरस जांच मे पॉजिटिव पाया गया। यह जांच पिछले शुक्रवार को की गई थी और इसमे संक्रमित पाए जाने वाले खिलाड़ियों को पृथकवास पर रखा गया है। शुक्रवार को की गई जांच मे कम से कम पांच एलीट (शीर्ष) एथलीट को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। इन खिलाड़ियों को दूसरो से अलग रखा गया है।

हॉकी दिग्गजों के परिवारों को पांच पांच लाख देने का ऐलान किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने कोरोना संक्रमण के कारण अपनी जान गंवाने वाले पूर्व हॉकी खिलाड़ी रविंदर पाल सिंह और एम के कौशिक के परिवारों को पांच पांच लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। रीजीजू ने ट्वीट किया , हमने दो हॉकी दिग्गजो को कोरोना के कारण खो दिया। भारतीय खेलो में कौशिक जी और रविंदर पाल सिंह जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

नकारात्मक राय से ओलंपिक को कोई खतरा नहीं

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इन आशंकाओ को खारिज किया है कि जापान की जनता की राय नकारात्मक होने से तोक्यो ओलंपिक रद्द होंगे। वही आईओसी की वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस मे प्रदर्शनकारियो ने बाधा डाली। आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की सालाना बैठक के बाद बुधवार को यह प्रेस कांफ्रेंस बुलाई गई थी।

स्पेनिश खिताब के करीब पहुंचा एटलेटिको

मैड्रिड। यान्निक कारास्को और एंजेल कोर्या के पहले हाफ मे किए गए गोल से एटलेटिको मैड्रिड ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग मे रीयल सोसीडाड को 2-1 से हराकर चैम्पियन बनने की अपनी उम्मीदो को और मजबूत कर लिया। डिएगो शिमोन की टीम ने अपने घरेलू मैदान पर पहले हाफ मे 2-0 की बढ़त कायम कर ली। सोसीडाड के इगोर जुबेल्दिया ने 83वे मिनट मे गोल कर हार के अंतर को कम किया। इस जीत के साथ ही टीम 2014 के बाद पहली बार खिताब जीतने के इतने करीब पहुंची है।

रेबिक की हैट्रिक से मिलान से टोरिनो को 7-0 से रौंदा

मिलान। एंटे रेबिक के 12 मिनट के अंदर बनाई गई हैट्रिक की मदद से एसी मिलान ने इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरि ए मे टोरिनो को 7-0 से हरा कर चैम्पियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदो को जिंदा रखा है। रेबिक की हैट्रिक के अलावा थेओ हेर्नांडिज ने भी टीम के लिए दो गोल किए। इस जीत के साथ मिलान की टीम तालिका मे तीसरे स्थान बनी हुई है। मिलान और अटलांटा के 36 मैचो मे एक सामना 75-75 अंक है लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण अटलांटा दूसरे स्थान पर है।

आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रविवार को लौट सकते हैं स्वदेश

माले (मालदीव)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्थगित होने के बाद अभी मालदीव में फंसे आस्ट्रेलिया के क्रिकेटर, प्रशिक्षक और कमेंटेटर विशेष विमान से रविवार को स्वदेश लौट सकते हैं हालांकि उन्हें अब भी अपनी सरकार से इसके लिए पुष्टि की प्रतीक्षा है। आईपीएल 2021 को निलंबित किए जाने के बाद 14 खिलाड़ियों सहित कुल 38 आस्ट्रेलियाई छह मई को मालदीव चले गए थे क्योंकि उनकी सरकार ने भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत से 15 मई तक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रखा है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, अभी जो योजना तैयार की जा रही है उसके अनुसार 38 लोगों का समूह रविवार 16 मई को विशेष विमान से मालदीव से मलेशिया होते हुए सिडनी लौट सकता है जहां उन्हें 14 दिन के कड़े पृथकवास पर रहना होगा। इसमें हालांकि कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट आस्ट्रेलिया को अब भी आस्ट्रेलियाई सरकार से मालदीव में फंसे आस्ट्रेलियाई नागरिकों को 15 मई के बाद स्वदेश लौटने की अनुमति मिलने की प्रतीक्षा है।

पेन ने दिया आस्ट्रेलिया के एशेज जीतने पर कप्तानी छोड़ने का संकेत

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने संकेत दिया है कि अगर उनकी टीम इस साल एशेज क्रिकेट श्रृंखला में इंग्लैंड को हरा देती है तो वह कप्तानी से विदा ले लेंगे। उन्होंने स्टीव स्मिथ को अगला कप्तान बनाए जाने की भी हिमायत की। सत्र की शुरूआत में सितारों के बिना खेल रही भारतीय टीम के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में आस्ट्रेलिया की हार के बाद से 36 वर्ष के पेन पर कप्तानी से हटने का दबाव है। वहीं स्मिथ 2018 के गेंद से छेड़खानी प्रकरण से पहले आस्ट्रेलिया के कप्तान थे। पेन ने न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू से कहा , निश्चित तौर पर मैं फैसले नहीं लेता लेकिन मैने जितना समय स्टीव की कप्तानी में खेला, वह शानदार था। वह तकनीक का धनी है।

काउंटी चैम्पियनशिप मैच से वापसी करेंगे आर्चर

लंदन। चोट के कारण डेढ महीने मैदान से दूर रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गुरूवार को काउंटी मैच के जरिए क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे। आर्चर ने आखिरी बार मार्च में भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच खेला था। घर में मछली का टैंक साफ करते समय उनके हाथ में कांच घुस गया था और उन्हें आपरेशन कराना पड़ा था। वह आईपीएल में भी नहीं खेलद सके जो बाद में निलंबत हो गई।

संजू के लिए कप्तानी बहुंत अच्छा अनुभव, इस भूमिका में लगातार बेहतर होता जा रहा है : बटलर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करना संजू सैमसन के लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ वह अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से निभा रहा था। संजू ने 2020 सत्र में अपनी टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। उन्हें जनवरी में आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ की जगह राजस्थान रॉयल्स का कप्तान नियुक्त किया गया था। बटलर ने वर्चुअल मीडिया सत्र में कहा, यह उसके लिए बहुत अच्छा अनुभव था और मुझे लगता है कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ वह इस भूमिका को बेहतर तरीके से निभाने लग गया था।

पंत को कोरोना के टीके का पहला डोज लगा

नई दिल्ली। भारत के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत ने कोरोना के टीके का पहला डोज गुरूवार को लगवा लिया। भारत के इस 23 वर्षीय क्रिकेटर ने टीका लेते हुए अपनी तस्वीर ट्वीट की है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में हैं। उन्होंने ट्विट किया , टीके का पहला डोज लग गया। अगर आप टीका लगवाने के योग्य हैं तो देर मत कीजिए। जितनी जल्दी हम टीका लगवाएंगे, वायरस को हरा सकेंगे।

चैम्पियंस लीग का फाइनल पोर्तो में, 12000 दर्शकों को मंजूरी

लंदन। चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के बीच चैम्पियंस लीग फुटबॉल का फाइनल पोर्तो में खेला जाएगा। पुर्तगाल सरकार ने स्टेडियम में दर्शकों के प्रवेश की अनुमति दे दी है। यूएफा ने की पुष्टि की कि इस मुकाबले के लिए 12,000 दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। यह मैच 29 मई को 50000 दर्शकों की क्षमता वाले ड्रागाओ स्टेडियम में खेला जाएगा जिसमें इंग्लैंड के क्लबों के हजारों समर्थक जुटेंगे। पुर्तगाल में स्टेडियमों में दर्शकों के प्रवेश पर रोक थी ।

भारत आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष पर

वार्षिक अपडेट जारी

भाषा। दुबई

आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग का वार्षिक अपडेट जारी होने पर भारत पहले स्थान पर बना हुआ है। रैंकिंग गुरूवार को जारी की गई। भारत एक रेटिंग अंक समेत कुल 121 अंक लेकर शीर्ष पर है। उसके 24 मैचों में 2914 अंक रहे।

वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत के खिलाफ खेलने जा रही न्यूजीलैंड के 120 अंक है। उसके 18 टेस्ट में दो रेटिंग अंक समेत कुल 2166 अंक हैं। भारत ने पिछले साल आस्ट्रेलिया को 2-1 और इंग्लैंड को 3-1 से हराया। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को 2-0 से मात दी। आईसीसी द्वारा जारी बयान के मुताबिक यह सालाना अपडेट 2017-18 के नतीजों में जुड़ेगा। इसमें मई 2020 से खेले गए सभी मैचों को सौ फीसदी और दो साल पहले के मैचों को 50 फीसदी रेटिंग मिली है। इंग्लैंड 109 रेटिंग अंक लेकर तीसरे और आस्ट्रेलिया उससे एक अंक पीछे चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान के 94 अंक है और वह पांचवें स्थान पर है जबकि वेस्टइंडीज 84 अंक लेकर छठे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका सातवें और श्रीलंका आठवें स्थान पर है जिनके क्रमश: 80 और 78 अंक हैं। भारत और न्यूजीलैंड साउथम्प्टन में 18 से 22 जून तक पहला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलेंगे।

शेफाली राधा डब्ल्यूबीबीएल में पदार्पण को तैयार

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजी सनसनी शेफाली वर्मा महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) मे दो बार की चैम्पियन सिडनी सिक्सर्स की ओर से पदार्पण करने को तैयार है।

इस 17 साल की विस्फोटक बल्लेबाज के साथ वामहस्त स्पिनर राधा यादव से भी सिडनी सिक्सर्स फ्रेंचाइजी की बात-चीत जारी है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, शेफाली का करार हो गया है, डब्ल्यूबीबीएल के कार्यक्रम को जारी करते समय इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया, राधा से सिडनी सिक्सर्स की बात-चीत जारी है। शेफाली अभी नाबालिग है इसलिए लीग मे खेलने के लिए उनके पिता को सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने की जरूरत होगी। शेफाली के अलावा इस लीग से भारतीय टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर (सिडनी थंडर) सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (ब्रिसबेन हीट) और हरफनमौला वेदा कृष्णामूर्ति (होबार्ट हरिकेन्स) भी जुड़ी हुई है।

सेरेना को कैरियर के 1000वें मैच में मिली हार

भाषा। रोम

सेरेना विलियम्स को कैरियर के 1000वें टूर मैच में पराजय का सामना करना पड़ा जिसे इटालियन ओपन टेनिस के दूसरे दौर में नादिया पोडोरोस्का ने 7-6, 7-5 से हराया। चार बार की चैम्पियन आठवीं वरीयता प्राप्त सेरेना ने आस्ट्रेलियाई ओपन के बाद से टेनिस नहीं खेला है। उसे करीब दो घंटे तक चले मैच में अर्जेंटीना की खिलाड़ी ने हराया। सेरेना ने हार के बाद कहा , क्लेकोर्ट पर पहला मैच कठिन होता है।शायद कुछ और मैचों की जरूरत है।मैं अपने कोच और टीम से बात करके देखूंगी कि क्या हो सकता है। गत चैम्पियन सिमोना हालेप को दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी एंजेलिक कर्बर के खिलाफ चोट के कारण मैच छोड़ना पड़ा।वह उस समय 6-1,6-1 से आगे थी। दूसरी वरीयता प्राप्त नाओमी ओसाका को अमेरिका की जेसिका पेगुला ने 7-6, 6-2 से हराया। वहीं चौथी वरीयता प्राप्त सोफिया केनिन को बारबोरा के ने 6-1, 6-4 से मात दी। शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी और पूर्व चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा अगले दौर में पहुंच गई। पुरूष वर्गमें रफेल नडाल ने स्थानीय युवा जानिक सिनेर को 7-5, 6-4 से हराया। वहीं रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव हमवतन असलान कारात्सेव से 2-6, 6-6 से हार गए।

जोकोविच में स्टेडियम में दर्शकों की वापसी का जश्न जीत के साथ मनाया

रोम। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इटालियन ओपन ओपन मे दर्शको की स्टेडियम मे वापसी का जश्न एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ गुरुवार को प्रभावशाली जीत दर्ज कर मनाया। सर्बिया के जोकोविच ने स्पेन के खिलाड़ी को एकतरफा मुकाबले मे 6-2, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल मे जगह पक्की की। टूर्नामेंट के शुरूआती चरणो मे दर्शको की मौजूदगी की अनुमति नही थी लेकिन इटली सरकार के फैसले के बाद गुरुवार से स्टेडियम मे क्षमता के 25 प्रतिशत दर्शको को आने की मंजूरी दी गई। मैच मे शानदार जीत दर्ज करने के बाद पांच बार के चैम्पियन जोकोविच ने कहा, यह सिर्फ अच्छा नही बल्कि शानदार था। उन्होंने कहा, दूसरे खिलाड़ियो की तरह मुझे भी दर्शको की काफी कमी खली। यही एक कारण है कि मैने लगातार खेलना जारी रखा है। जोकोविच का अगला मुकाबला मोंटे कार्लो के चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास या मैड्रिड ओपन के उपविजेता माटेओ बेरेटिनी से होगा।

सेरेना ने एमिलिया-रोमागना ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड को स्वीकार किया

पार्मा। सेरेना विलियम्स ने इस सप्ताह के आखिर मे यहां शुरू होने वाले एमिलिया-रोमागना ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड आमंत्रण को गुरुवार को स्वीकार कर लिया है। इटालियन ओपन की चार बार की चैम्पियन आठवी वरीयता प्राप्त सेरेना का आस्ट्रेलियाई ओपन के बाद लगभग तीन महीने के बाद यह पहला मुकाबला था। सेरेना के साथ उनकी बड़ी बहन वीनस विलियम्स ने भी इस टूर्नामेंट के वाइल्ड कार्ड आमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाला पार्मा ओपन को कोरोना वायरस से प्रभावित सत्र मे जोड़ा गया है। फ्रेंच ओपन से पहले खिलाड़ियो को यहां क्ले कोर्ट पर खेलने का अवसर मिलेगा।

अमेरिकी व्यापार प्रमुख ने सीनेट की वित्त समिति के समक्ष वैक्सीन छूट का समर्थन किया

वाशिंगटन। कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए ट्रिप्स समझौते के कुछ प्रावधानों में अस्थाई रूप से छूट देने के बाइडन प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए एक शीर्ष अमेरिकी व्यापार अधिकारी ने कहा कि भारत में लोग महामारी के चलते अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका सहित कई विकासशील देश ट्रिप्स समझौते में छूट देने की मांग कर रहे थे। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने बुधवार को कोविड-19 की सुनवाई के दौरान सीनेट की वित्त समिति के समक्ष कहा, कोविड-19 महामारी के संबंध में आपको अखबार पढ़ने या टीवी खोलने और भारत के दृश्यों को देखने और इस सच्चाई को स्वीकार करने की जरूरत है कि इस महामारी खत्म नहीं हुई है और यहां तक कि जिन देशों ने सोचा कि वे अच्छी स्थिति में हैं, अगर आप लापरवाह हुए तो हालात बहुत अधिक बिगड़ सकते हैं।

टिप्स इंडस्ट्रीज, गूगल के बीच म्यूजिक लाइसेंसिंग समझौता

नई दिल्ली। संगीत कारोबार से जुड़ी कंपनी टिप्स इंडस्ट्री ने गुरुवार को कहा कि उसने गूगल की नई यूट्यूब सर्विस शॉर्ट्स के साथ म्यूजिक लाइसेंसिंग समझौता किया है। यूट्यूब शॉर्ट्स, गूगल की नवीनतम छोटे वीडियो वाली सेवा है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता और कलाकार छोटी अवधि के वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। टिप्स ने एक बयान में कहा, इस सौदे के तहत, टिप्स अपने बड़े संगीत भंडार का यूट्यूब प्लेटफॉर्म को लाइसेंस देगा, जिससे दुनिया भर में विशाल भारतीय समुदाय अपने लोकप्रिय और सुपरहिट संगीत के प्रेरित कंटेंट बना सकेंगे। टिप्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कुमार तौरानी ने कहा कि इस साझेदारी से रचनाकारों और उपयोगकर्ताओं के लिए रचनात्मकता की नई संभावनाएं तैयार होंगी।

अक्षय तृतीय पर सोने का बाजार कोविड से प्रभावित होने की आशंका, डिजिटल खरीद का सुझाव

नई दिल्ली। देश में सोने की खरीद के लिए अक्षय तृतीय को शुभ अवसर माने जाने की परंपरा के बावजूद इस बार कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए बाजार में मूल्यवान धातु की खरीद प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में विशेषज्ञों ने इच्छुक निवेशकों को पीली धातु की खरीद करने की जगह डिजिटल तरीके से या स्वर्ण आधारित प्रतिभूतियों में निवेश की सलाह दी है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि महामारी के संकट के बीच केंद्रीय बैंकों द्वारा बाजार में लगातार नकदी का प्रवाह बढ़ाए जाने के उपायों (बांड खरीद कार्यक्रम), पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका तथा चीन के बीच व्यापार युद्ध जैसे कुछ कारकों को देखते हुए आने वाले वाले समय में सोने के दाम ऊंचे बने रहने की संभावना है। निवेश परामर्श कंपनी मिलवुड के सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) और संस्थापक निश भट्ट ने कहा, देश में लोग सोना रखने को पसंद करते हैं और यह कोई छिपी हुई बात नहीं है तथा अक्षय तृतीय के मौके पर सोने की खरीद को शुभ माना जाता है।

अटकी परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराया कोष

1.16 लाख मकान खरीदारों को होगा लाभ: सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि सस्ते और मध्यम आय वर्ग के लोगों वाली परियोजनाओं के लिए कर्ज की विशेष सुविधा (एसडब्ल्यूएएमआईएच) से उन 1.16 लाख मकान खरीदरों को लाभ होगा, जिनकी आवास परियोजनाएं अंतिम चरण में कर्ज के अभाव में अटकी पड़ी हैं। इस कोष के जरिए पहली आवासीय परियोजना पूरी होने के मौके पर उन्होंने यह बात कही। देश में कई रियल एस्टेट परियोजनाएं कोष की कमी के कारण अटकी पड़ी हैं। इस मुद्दे के समाधान के लिए सरकार ने नवंबर 2019 में 25,000 करोड़ रुपए के एसडब्ल्यूएएमआईएच कोष की घोषणा की। इस पहल का मकसद 4.58 लाख आवासीय इकाई वाली अटकी पड़ी।,500 से अधिक आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में मदद करना है। सीतारमण ने कहा कि 2019 रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए कठिन वर्ष था और उद्योग नकदी संकट से जूझ रहा था जबकि बैंक फंसे कर्ज के दबाव में उन्हें ऋण देने से बच रहे थे।

मार्च तिमाही में घरेलू शेयर बाजार में फपीआई निवेश सात प्रतिशत बढ़कर 552 अरब डॉलर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशको (एफपीआई) के निवेश का मूल्य मार्च 2021 तिमाही मे इससे पूर्व की तिमाही से सात प्रतिशत बढ़कर 552 अरब डॉलर हो गया। बाजार अध्ययन फर्म मार्निंगस्टार की एक रपट खबर के अनुसार ऐसा एफपीआई से मजबूत निवेश और भारतीय इक्विटी बाजारो के शानदार प्रदर्शन की वजह से हुआ। मार्च 2021 तिमाही के खत्म होने के साथ भारतीय शेयर बाजार मे एफपीआई निवेश का मूल्य 552 अरब डॉलर रहा।यह इससे पिछली तिमाही मे दर्ज किए गए 518 अरब डॉलर से ज्यादा है। वही वित्तीय वर्ष 2019-20 की आखिरी तिमाही मे भारतीय इक्विटी मे एफपीआई निवेश का मूल्य 281 अरब डॉलर था।

बीएसई को चौथी तिमाही में 31.75 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। देश का प्रमुख शेयर बाजार बीएसई का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही जनवरी-मार्च मे 31.75 करोड़ रुपए रहा। बीएसई ने बृहस्पतिवार को एक बयान मे कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही मे उसे 1.91 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजार की परिचालन आय मार्च 2021 को समाप्त तिमाही मे 27 प्रतिशत बढ़कर 152.18 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2020-20 की इसी तिमाही मे 119.56 करोड़ रुपए थी। बीएसई के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 2 रुपए इक्विटी शेयर पर 21 रुपए का लाभांश देने की सिफारिश की है। यह शेयरधारको की मंजूरी पर निर्भर है। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 (जनवरी-मार्च) मे बीएसई का शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 141.70 करोड़ रुपए रहा जो जो एक साल पहले 2019-20 मे 120.61 करोड़ रुपए था। शेयर बाजार की परिचालन आय आलोच्य वित्त वर्ष मे 11 प्रतिशत बढ़कर 501.37 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2019-20 मे 450.51 करोड़ रुपए थी।

ट्रांसएशिया ने प्रदेश को 30 बीआईपीएपी वैंटीलेटर मशीन डोनेट की

लखनऊ। ट्रांसएशिया बायो मेडिकल्स लिमिटे़ड, भारत का प्रमुख आईनीजी प्लेयर है । यह कोविड रोगियों के त्वरित निदान,और उपचार में विभिन्न राज्य सरकारों की सक्रीयतापूर्वक मदद कर रहा है। राज्य की इस महामारी की दूसरी लहर में मदद करने के लिए ट्रांसएशिया ने उत्तर प्रदेशभर में विभिन्न कोविड समर्पित अस्पतालों में स्थापित करने के लिए 30 बीआईपीएपी वैंटीलेटर मशीन डोनेट की है। वर्तमान समय में इन मशीनों की उपलब्धता में भारी कमी होने के बावजूद ट्रांशएशिया ने ये मशीने अपने ग्लोबल वेंडर्स से खरीदी है। विजेरानी फाउंडेशन और ट्रांसएशिया के प्रति उत्तर प्रदेश सरकार को सहायता प्रदान करने के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए कंचन वर्मा आईएएसए एमडीए यूपीएमएससीएलने कहा कि यह डोनेशन बहुत ही सामयिक है और कोविड का मुकाबला करने के लिए अत्यन्त लाभदायक सिद्ध होगा। इस सहायता के सम्बन्ध में बोलते हुए ट्रांसएशिया इरबा समूह के फाउंडर और चेयरमैन सुरेश वजीरानी ने कहा कि दूसरी लहर अत्यन्त विनाशकारी है और इसने हमारे देश के हैल्थकेयर सिस्टम पर आघात किया है। हम आशा करते हैं कि भारत में यह स्थिति शीघ्र ही काबू में होगीए परन्तु केवल आशा करने से काम नहीं चलेगा।

4जी डाउनलोड की रफ्तार में जियो शीर्ष पर, वोडाफोन अपलोड में सबसे आगे

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई के नवीनतम आंकड़े के मुताबिक अप्रैल में 20.1 मेगाबिट प्रति सेकेंड की डेटा डाउनलोड रेट के साथ रिलाइंस जियो 4जी रफ्तार की सूची मे शीर्ष पर था जबकि 6.7 एमबीपीएस की अपलोड रफ्तार के साथ वोडाफोन अपलोड रेट मे सबसे आगे था। निकटतम प्रतिद्वंदी वोडाफोन की तुलना मे जियो की डाउनलोड की रफ्तार तीन गुना ज्यादा थी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) दोनो ही इकाइयो के नेटवर्क रफ्तार का अलग-अलग आंकड़ा जारी करता है। ट्राई द्वारा 11 मई को डाले गए नए आंकड़े के मुताबिक अप्रैल मे वोडाफोन की डाउनलोड की रफ्तार सात एमबीपीएस थी। इसके बाद आइडिया और भारती एयरटेल की डाउनलोड की

भारत को 2020 में 83 अरब डॉलर का धनप्रेषण : विश्व बैंक रिपोर्ट

वाशिंगटन। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान बावजूद भारत को 2020 में विदेश से धनप्रेषण के रूप में 83 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि मिली, जो इससे पिछले वर्ष के मुकाबले सिर्फ 0.2 प्रतिशत कम है। विश्व बैंक द्वारा बुधवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान चीन ने 59.5 अरब डॉलर का धनप्रेषण हासिल किया, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 68.3 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के लिए धनप्रेषण में 2020 के दौरान महज 0.2 प्रतिशत की कमी हुई और ऐसा संयुक्त अरब अमीरात से होने वाले धनप्रेषण में 17 प्रतिशत की कमी के चलते हुआ। हालांकि, इस दौरान अमेरिका से भारत को पर्याप्त राशि भेजी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि धनप्रेषण के लिहाज से भारत और चीन के बाद मेक्सिको (42.8 अरब डॉलर), फिलीपींस (34.9 अरब डॉलर), मिस्र (29.6 अरब डॉलर), पाकिस्तान (26 अरब डॉलर), फ्रांस (24.4 अरब डॉलर) और बांग्लादेश (21 अरब डॉलर) का स्थान है।

ओएनजीसी ने विपणन मार्जिन हटाया, पर गैस कीमत कम करने से इनकार

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने अपने केजी बेसिन फील्ड से उत्पादित गैस पर उपयोगकर्ताओं से विपणन मार्जिन नहीं लेने को लेकर सहमति जताई है लेकिन न्यूनतम दर को कम करने से इनकार कर दिया है। कंपनी के निविदा दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। देश की शीर्ष तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी ने पिछले महीने केजी डीडब्ल्यूएन.9812 ब्लॉक (केजी-डी5) से उत्पादित शुरूआती 20 लाख घन मीटर प्रतिदिन गैस बेचने को लेकर बोलियां मंगाई थी। कंपनी ने बोलीदाताओं से मौजूदा ब्रेंट क्रूड तेल की बाजार कीमत को सामने रख कर बोली लगाने को कहा था। उसने बोली के लिए न्यूनतम दर ब्रेंट क्रूड के तीन महीने के औसत मूल्य का 10.5 प्रतिशत रखा है।

टेक्नो ने अपनी अनोखी डोरस्टेप डिलीवरी पहल को दोबारा शुरू किया

कानपुर। टेक्नो ने अपनी अनोखी डोरस्टेप डिलीवरी पहल को दोबारा शुरू किया है। यह पहल भारत में उसकी 50000 से ज्यादा दुकानों के सबसे बड़े नेटवर्क पर हो रही हैए ताकि उपभोक्ताओं के लिये कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच घर से खरीदारी की सुविधाजनक पेशकश की जा सके। यह अनोखी पहल उपभोक्ताओं को उनके घरों से उनकी पसंद का टेक्नो स्मार्टफोन खरीदने की सुविधा देगी। सभी ऑर्डर्स की डिलीवरी कोविड-19 के संकट के चलते सरकार द्वारा बताये गये नियमों और दिशा.निर्देशों के अनुपालन के साथ होगी और इसके लिये उपभोक्ताओं को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। टेक्नो की इस पहल पर ट्रांसियॉन इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा कि कोविड 19 की मौजूदा दूसरी लहर के दौरान हमारे सहकर्मियों भागीदार नेटवर्कों और बड़े पैमाने पर हमारे परिचालन से जुड़े समुदायों की सुरक्षा हमारे लिये सर्वोपरि है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने वाली हमारे ब्राण्ड के सिद्धांत के अनुसार हमने अपनी लोकप्रिय डोर.स्टोप डिलीवरी फिर से शुरू की हैए जिससे उपभोक्ता सुरक्षित तरीके से टेक्नो के अपने चहेते उत्पाद खरीद सकेंगे और हमारे रिटेल भागीदारों का व्यवसाय भी जारी रहेगा।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने सतोशी उचिदा को कंपनी प्रमुख बनाया

नई दिल्ली। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने गुरुवार को बताया कि उसने सतोशी उचिदा को अपना कंपनी प्रमुख नियुक्त किया है। एसएमआईपीएल ने एक बयान मे कहा कि उचिदा ने एक मई 2021 से कोइचिरो हिराओ की जगह ली है। उचिदा अपनी नई भूमिका मे वृद्धि के नए रास्ते तलाशने और भारतीय बाजार मे सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया की स्थिति को और मजबूत करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

इजराइल, हमास के बीच संघर्ष और तेज, शांति के प्रयास जारी

एपी। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

हमास ने इजराइल के शहरों को निशाना बनाते हुए बृहस्पतिवार को कुछ मिनटों के अंदर कई रॉकेट दागे वहीं इजराइल ने भी गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं।गाजा में लड़ाई बढ़ने के बीच संघर्ष विराम पर वार्ता के प्रयासों के तहत इजराइल के अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए मिस्र का एक प्रतिनिधिमंडल तेल अवीव पहुंच गया है।

इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच संघर्ष 2014 की जंग से भी बड़े स्तर पर फैल चुका है। पहले संघर्ष फलस्तीन क्षेत्र और सीमा पर बसे इजराइली समुदायों वाले इलाके तक सीमित था लेकिन इस बार यह लड़ाई यरुशलम में शुरू हुई है। कुछ रॉकेट तेल अवीव क्षेत्र को भी निशाना बनाकर दागे गए। इजराइल में भी बड़े स्तर पर हिंसा छिड़ गई है। कई शहरों में अरब और यहूदियों की भीड़ सड़कों पर आकर उपद्रव कर रही है, लोगों से बुरी तरह मारपीट कर रही है। भीड़ ने कई वाहनों में भी आग लगा दी। हिंसा के कारण देश के मुख्य हवाई अड्डे से उड़ानें भी निलंबित कर दी गई है। संघर्ष के कारण फलस्तीन के लोगों के लिए मातम के साथ रमजान के पवित्र महीने का समापन हुआ है। सोमवार से रॉकेट दागे जाने के बाद से इजराइल ने गाजा में तीन बहुमंजिला इमारतों को जमींदोज कर दिया और कहा कि इसमें हमास के कई दफ्तर थे।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 17 बच्चों और सात महिलाओं समेत 83 फलस्तीनियों की मौत हुई है और 480 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। इस्लामी जेहादियों ने सात उग्रवादियों के मारे जाने की पुष्टि की है। हमास ने स्वीकार किया है कि उसके एक शीर्ष कमांडर और कई अन्य सदस्यों की मौत हुई है। वहीं, इजराइल ने कहा है कि हमास ने जितने लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है उससे ज्यादा की मौत हुई है।

गाजा सिटी पर इजरायल द्वारा दागी गई मिसाइल के बाद विध्वंस का एक दृश्य

इजराइल में भी सात लोगों की मौत हुई है। टैंक रोधी मिसाइल के हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और रॉकेट के हमले में छह वर्षीय बच्चे की भी मृत्यु हो गई। संघर्ष विराम के लिए आए मिस्र के प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले गाजा पट्टी में हमास के अधिकारियों से वार्ता की और उसके बाद इजराइल की सीमा में पहुंचे। मिस्र दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहा है। इस्लामी उग्रवादी समूह ने भी पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है और उसने इजराइली शहरों में सैकड़ों रॉकेट दागे।

वार्ताकारों की मौजूदगी के बावजूद गाजा के उग्रवादियों ने एक साथ करीब 100 रॉकेट दागे जिससे इजराइल के दक्षिणी और मध्य शहरों में हवाई हमले के सायरन बज उठे। नुकसान या हताहत होने के बारे में फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। लेकिन हमले का उद्देश्य यह दिखाना है कि हमास के पास अभी काफी आयुध भंडार हैं। महज तीन दिन में दोनों पक्षों के बीच लड़ाई ने 2014 के उस विध्वंसक युद्ध की याद दिला दी जो 50 दिन तक चला था।

इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। इजराइल ने सुबह होते ही कई हवाई हमले किए और गाजा में दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाया। बुधवार को भी हवाई हमले जारी रहे थे जिससे हवा में धुएं का गुबार बन गया। यह संघर्ष ऐसे वक्त चल रहा है जब मुस्लिमों के लिए रमजान का पवित्र महीना खत्म होने के बाद ईद मनाई जा रही है। हमास ने लोगों से खुले स्थान के बजाए, अपने घरों के भीतर ही या निकटवर्ती मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करने का आग्रह किया है।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू डोम मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली का जायजा लेने पहुंचे। सेना ने कहा है कि इस प्रतिरक्षा प्रणाली ने गाजा से दागे गए 1200 रॉकेट में 90 प्रतिशत को गिरा दिया गया। हमास ने कहा है कि उसने गाजा से सबसे शक्तिशाली रॉकेट अयाश दागे। इजराइली मीडिया ने कहा कि यह रॉकेट रेगिस्तानी इलाके में गिरा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गाजा में असैन्य इलाकों से इजराइली आबादी वाले इलाकों की ओर अंधाधुंध रॉकेट दागे जाने की निंदा की लेकिन साथ ही उन्होंने इजराइल से अधिक से अधिक संयम बरतने का भी अनुरोध किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नेतन्याहू को फोन कर इजराइल के अपने प्रतिरक्षा के अधिकार का समर्थन किया। वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने नेतन्याहू से इजराइल के अपनी रक्षा करने के अधिकार का समर्थन करने का आह्वान किया और कहा कि वह तनाव खत्म करने की कोशिश के तहत एक वरिष्ठ राजनयिक को भेज रहे हैं।

धमाके में घायल मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इलाज के लिए जर्मनी रवाना

माले। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद को बृहस्पतिवार को यहां अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और आगे के उपचार के लिए वह जर्मनी रवाना हो गए हैं। नशीद (53) पिछले सप्ताह एक धमाके में घायल हो गए थे और अधिकारियों ने हमले के लिए मुस्लिम चरमपंथियों को जिम्मेदार ठहराया है। हमले में उनके दो अंगरक्षक और दो राहगीर भी घायल हो गए थे। नशीद के सिर, छाती, पेट और कई अंगों की सर्जरी भी की गई है। माले स्थित एडीके अस्पताल ने बृहस्पतिवार को बताया कि नशीद को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और स्वास्थ्य लाभ के लिए वह विदेश जा रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति के भाई नजीम सत्तार ने बताया कि नशीद जर्मनी गए हैं।भारी सुरक्षा के बीच, नशीद को एम्बुलेंस में हवाई अड्डे पर लाया गया और फिर एक विशेष विमान तक पहुंचाया गया। नशीद (53) मालदीव में पहली बार लोकतांत्रिक रूप से राष्ट्रपति चुने गए थे। वह 2008 से 2012 तक राष्ट्रपति थे।

ब्रिटेन में कोविड-19 स्तर में कमी

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या में पिछले महीने कम होकर करीब आधी हो गई है जो कि पिछले वर्ष के बाद से कोविड-19 के मामलों का सबसे कम स्तर है।

द इंपीरियल कॉलेज लंदन के नेतृत्व में सामुदायिक संक्रमण का वास्तविक समय आकलन (आरईएसीटी-1) अध्ययन ऐसे समय किया गया है जब यह बात सामने आई कि भारत में सामने आए कोविड-19 के नए प्रकार पर सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह (एसएजीई) द्वारा चर्चा करने को लेकर के लिए बृहस्पतिवार को एक समीक्षा बैठक की जानी है। कोविड-19 के इस नए प्रकार के बारे में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संसद कहा था कि यह बेहद चिंता उत्पन्न करने वाला है क्योंकि यह पिछले साल ब्रिटेन के कैंट काउंटी में पहली बार सामने आए प्रकार की तुलना में काफी अधिक संक्रामक हो सकता है।कोविड-19 का नया प्रकार बी.1.617.2 भारत में पहली बार ज्ञात उत्परिवर्तन के तीन उप-प्रकारों में से एक है।ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा, एसएजीई के वैज्ञानिक अपना आकलन करेंगे, वे सरकार को जानकारी देंगे और हम आंकड़ों और उनके द्वारा दिए गए सबूतों के आधार पर निर्णय लेंगे। ऐसी आशंका है कि पूर्ण लॉकडाउन ढील को लेकर ब्रिटेन सरकार की रूपरेखा एसएजीई विश्लेषण से प्रभावित हो सकती है।

यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी ने कहा है कि वह इसको लेकर बहुत आश्वस्त है कि वर्तमान में उपयोग में आने वाले टीके कोविड के प्रकार बी.1.617.2 के खिलाफ प्रभावी हैं, जो इस स्तर पर ब्रिटेन में वैज्ञानिकों का दृष्टिकोण बना हुआ है।इस बीच, 15 अप्रैल से 3 मई के बीच किए गए आरईएसीटी-। अध्ययन से पता चलता है कि वर्तमान में 0.1 प्रतिशत आबादी संक्रमित है, या।,000 में से एक व्यक्ति संक्रमित है।

नेपाल में सरकार गठन की समयसीमा खत्म होने के करीब

भाषा। काठमांडू

● अगर-मगर में उलझे राजनीतिक दल

नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के सोमवार को विश्वास मत खोने के बाद राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार रात तक सरकार गठन की समयसीमा तय की थी, लेकिन नेपाल के राजनीतिक दल अपने धड़ों के बीच गुटबाजी के चलते अभी तक इस मामले पर कोई सहमति कायम नहीं कर पाए हैं।

शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद के लिए दावा पेश करने का निर्णय लिया था, लेकिन गठबंधन सरकार बनाने की उसकी कोशिशों को तब झटका लगा जब महंत ठाकुर की अगुवाई वाली जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-एन) के एक वर्ग ने साफ कर दिया कि वह सरकार गठन की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगा। ठाकुर के नेतृत्व वाले धड़े के प्रतिनिधि सभा में करीब 16 मत हैं। नेपाली कांग्रेस के पास 61 मत हैं। उसे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी मध्य) का समर्थन हासिल है, जिसके पास 49 मत हैं। कांग्रेस-माओवादी मध्य के गठबंधन को उपेन्द्र यादव नीत जनता समाजवादी पार्टी के करीब 15 सांसदों का भी समर्थन हासिल है। लेकिन इन तीनों दलों के पास कुल 125 मत हैं जो 271 सदस्ईय सदन में बहुमत के आंकड़े 136 से 11 मत कम हैं। सरकार गठन के लिए दी गई समयसीमा बृहस्पतिवार रात को खत्म हो रही है, ऐसे में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने विपक्षी दलों से बहुमत की ओर बढ़ रहे गठबंधन का समर्थन करने की अपील की है। सीपीएन-यूएमएल के माधव कुमार नेपाल-झालानाथ खनल धड़े से संबंध रखने वाले सांसद भीम बहादुर रावल ने गतिरोध खत्म करने के लिए मंगलवार को दोनों नेताओं के करीबी सांसदों से

केपी शर्मा ओली

नई सरकार का गठन करने के लिए संसद सदस्यता से इस्तीफा देने का आग्रह किया।रावल ने बुधवार को ट्वीट किया कि ओली नीत सरकार को गिराने के लिए उन्हें संसद सदस्यता से इस्तीफा देना चाहिए।उन्होंने लिखा, असाधारण समस्याओं के समाधान के लिए असाधारण कदम उठाए जाने की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री ओली को राष्ट्रीय हितों के खिलाफ अतिरिक्त कदम उठाने से रोकने के लिए उनकी सरकार गिराना जरूरी है। इसके लिए हमें संसद की सदस्यता से इस्तीफा देना चाहिए। राजनीतिक नैतिकता और कानूनी सिद्धांतों के लिहाज से ऐसा करना उचित है।

यदि नेपाल-खनल धड़े के यूएमएल के 28 सांसद एक साथ संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे देते हैं तो नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-माओवाद मध्य के लिए जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-एन) के एक धड़े के सांसदों का समर्थन लिए बिना भी नई सरकार के गठन की राह आसान हो जाएगी। यदि यूएमएल के 28 सांसद सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देते हैं तो 271 सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा में सांसदों की संख्या घटकर 243 रह जाएगी, जिसके बाद बहुमत का आंकड़ा भी कम हो जाएगा और नेपाली कांग्रेस तथा सीपीएन-माओवाद मध्य गठबंधन आसानी से सरकार गठन कर सकता है।

क्विक न्यूज

नेपाली पर्वतारोही ने एक मौसम में सबसे कम समय में दो बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का विश्व रिकॉर्ड बनाया

काठमांडू। नेपाल के 43 वर्षीय पर्वत गाइड मिंगमा तेन्जी शेरपा ने एक मौसम में सबसे कम समय में दो बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को आयोजकों ने दी।पूर्वी नेपाल के शंखुवासभा जिले का निवासी शेरपा पहली बार सात मई की शाम को एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचा और फिर 11 मई की सुबह दूसरी बार दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ पर पहुंच गया। पर्वतारोहण का आयोजन करने वाले सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने यह जानकारी दी। मिंगमा ने बताया, वह महज चार दिनों के अंदर एवरेस्ट के शिखर पर दो बार पहुंचा जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इससे पहले भारतीय पर्वतारोही अंशु जामसेनपा ने 2017 में 118 घंटे 15 मिनट के अंदर दो बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर रिकॉर्ड बनाया था। बहरहाल, किसी महिला पर्वतारोही का यह रिकॉर्ड अब भी उनके नाम है।

संघीय एजेंसियों की साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए बाइडन ने शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किया

रिचमॉन्ड (अमेरिका),। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हैकिंग की कई घटनाओं के बाद देश की साइबर सुरक्षा को मजबूती देने के इरादे से एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किया है। हैकिंग की ये बड़ी घटनाएं काफी सुर्खियों में रही थी। इन घटनाओं से यह पता चला है कि देश का सार्वजनिक और निजी क्षेत्र अपराधियों और हाईटेक जासूसों का कितना आसानी से निशाना बन सकता है। राष्ट्रपति ने आदेश पर बुधवार को हस्ताक्षर किया। इसके तहत सभी संघीय एजेंसियों के लिए मूलभूत साइबर सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल करना जरूरी होगा और संघीय सरकार के साथ अनुबंधित सॉफ्टवेयर निर्माताओं के लिए नए सुरक्षा मानक आवश्यक होंगे। अधिकारी सभी तरह के सॉफ्टवेयर की सुरक्षा में सुधार के लिए संघीय सरकार से खर्च वहन की उम्मीद कर रहे है। संघीय एजेंसियों पर रूसी साइबर हमले और निजी कंपनियों पर रैनसमवेयर हमले को लेकर प्रशासन द्वारा आलोचना किए जाने के बीच यह आदेश सामने आया है। साइबर हमले के कारण अमेरिका के एक प्रमुख ईंधन पाइपलाइन को अपनी सेवा रोकनी पड़ी थी जिसकी वजह से अब भी दक्षिण पूर्व में गैस की कमी है। अमेरिका ने संघीय एजेंसियों को निशाना बनाकर की गई हैकिंग की घटना के बाद पिछले महीने क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) पर प्रतिबंध लगाया था। इस घटना को सोलर विंड्स ब्रीच के नाम से जाना जाता है।

अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता के दमन के लिए चीन और अन्य पर निशाना साधा

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने अमेरिकी विदेश नीति में प्राथमिक ध्यान मानवाधिकारों की बहाली पर देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ने के क्रम में धार्मिक स्वतंत्रता के दमन के लिए चीन और कई अन्य देशों पर बुधवार को निशाना साधा। यह निंदा उसी तरह की है जो ट्रंप प्रशासन ने भी की थी जिसकी आलोचना अन्य अधिकारों से ज्यादा तवज्जो धार्मिक स्वतंत्रता को देने के लिए की जाती थी। यह कदम अमेरिकी स्थिति की फिर से पुष्टि करता है कि मुस्लिमों पर और पश्चिमी शिनजियांग में अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर चीन की कार्वाई नरसंहार के दायरे में आती है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता, प्रशासन के व्यापक मानवाधिकार रणनीति का महज एक तत्व है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंत्रालय की वार्षिक अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट का हवाला देकर चीन की अपने नागरिकों को स्वतंत्र रूप से उपासना करने की अनुमति न देने के लिए निंदा की। इसके अलावा उन्होंने पूर्व वरिष्ठ चीनी अधिकारी पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है जिन पर अमेरिका ने फालुन गोंग धार्मिक पंथ के सदस्यों का दमन करने का आरोप लगाया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन में संघर्ष विराम का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन में संघर्ष रोकने का आह्वान करते हुए कहा है कि टिकाऊ संघर्ष विराम और राजनीतिक वार्ता से ही अरब जगत के इस सबसे गरीब मुल्क में छह साल से चल रही जंग खत्म हो पाएगी। अशांति-अस्थिरता का माहौल खत्म करने का आह्वान करते हुए सुरक्षा परिषद ने बुधवार को संकेत दिया कि यमन के तेल से संपन्न मारिब प्रांत में ईरान समर्थित शिया हूती विद्रोही भड़काने की कार्वाई कर रहे है। हमलों के कारण 2015 से करीब 10 लाख लोगों को दूसरी जगह विस्थापित होना पड़ा है। परिषद के बयान जारी करने के पहले संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत मार्टिन ग्रिफ्टिस ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

इंग्लैंड के वाल्वेरहेम्पटन में अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान पौधे रोपित करतें ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम व उनकी पत्नी केट

भारत ने चीन से कहा ,मालवाहक विमानों की आवृत्ति बहाल करें

कोविड-19 की चिकित्सा आपूर्तियों की कीमतें बढ़ने से रोकें

भाषा। बीजिंग

भारत ने देश में कोविड-19 की लहर से निपटने में लगे निजी भारतीय व्यापारियों द्वारा चीनी उत्पादकों से खरीदी जा रही आवश्यक चिकित्सा आपूर्तियों की कीमतों में तेज होती वृद्धि को रोकने में चीन से मदद करने और सतत आपूर्ति श्रृंखला को बरकरार रखने के लिए मालवाहक विमान सेवाओं की सामान्य आवाजाही को बहाल करने को कहा है।

हांगकांग में भारत की महावाणिज्य दूत प्रियंका चौहान ने कहा कि ऑक्सीजन सांद्रकों जैसी चिकित्सीय आपूर्तियों की बढ़ती कीमतों और भारत आने वाले मालवाहक विमानों में व्यवधान से चिकित्सा सामग्रियों के आगमन की गति धीमी हो रही है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के साथ एक साक्षात्कार में चौहान ने बुधवार को कहा, मैं यह कहना चाहती हूं कि इस वक्त हमारी आकांक्षा यह है कि आपूर्ति श्रृंखला खुली रहे और उत्पाद की कीमतें स्थिर रहें। उन्होंने हांग कांग के समाचार-पत्र से कहा, भले ही आपूर्ति-मांग का थोड़ा बहुत दबाव है, लेकिन उत्पाद की कीमतों में कुछ स्थिरता और पूर्वानुमान तो होना चाहिए। चौहान ने कहा, और सरकारी स्तर का समर्थन एवं प्रयास का भाव भी दिखना चाहिए। मेरे पास इस बात की जानकारी नहीं है कि चीनी सरकार का इस मामले में कितना प्रभाव हो सकता है लेकिन अगर वे प्रभाव डाल सकते हैं, तो इसका स्वागत किया जाएगा। उनकी ए टिप्पणियां निजी भारतीय व्यापारियों द्वारा अत्यावश्यक चिकित्सीय आपूर्तियों खासकर ऑक्सीजन सांद्रकों के आयात के लिए की जा रही कोशिशों की पृष्ठभूमि में आई है ताकि अस्पतालों में हो रही कमी को दूर किया जा सके।

अमेरिका के 57 सांसदों ने बाइडेन से भारत को और सहायता देने का अनुरोध किया

भाषा। वाशिंगटन

● पत्र में सांसद शेरमन ने कहा, भारत में कोविड-19 का हालिया प्रकोप एक मानवीय संकट है जिसमें हमें सहायता देने की जरूरत है

अमेरिका के 57 सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर भारत को दी जाने वाली कोविड-19 सहायता बढ़ाने का अनुरोध किया है।

बाइडन को बुधवार को भेजे पत्र में सांसदों ने लिखा है, संक्रमण के मामलों में तेजी से हुई वृद्धि के कारण भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र पर भार बहुत अधिक बढ़ गया है। वायरस को खत्म करने के लिए हमें अपनी ओर से प्रयास करने चाहिए। कांग्रेशनल इंडिया कॉकस में अध्यक्ष ब्रेड शेरमन ने कहा, भारत में कोविड-19 की दूसरी भयावह लहर को लेकर हमें बहुत अधिक चिंता है। भारत वैश्विक महामारी कोविड-19 का केंद्र बन गया है। आज का दिन भारत के लिए बहुत कष्टदाई रहा है, वहां 4,205 लोगों की मौत हो गई और इन्हें मिलाकर अब तक 2,50,000 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। पत्र में शेरमन ने कहा, भारत में कोविड-19 का हालिया प्रकोप एक मानवीय संकट है जिसमें हमें सहायता देने की जरूरत है। जब तक भारत में कोविड कहर बरपाता रहेगा तब तक वायरस के नए स्वरूपों की उत्पत्ति का जोखिम भी बना रहेगा जो टीकाकरण करवा चुके अमेरिकी लोगों के लिए भी एक गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को अतिरिक्त चिकित्सा उपकरणों, आपूर्तियों और अन्य आवश्यक संसाधनों की आवश्यकता है। इसके साथ ही पत्र में प्रशासन से अनुरोध किया गया कि भारत को ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन सांद्रक, ऑक्सीजन जनरेटर संयंत्र, क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकर, रेमडेसिविर, वेंटिलेटर आदि भेजे जाएं। पत्र में कहा गया कि भारत में सभी का टीकाकरण हो यह अमेरिका के हित में है, अत: भारत को टीके उपलब्ध करवाए जाने चाहिए।

‘अमेरिका मानवाधिकार के मुद्दों पर भारतीय अधिकारियों से नियमित वार्ता करता है’

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों की भारत की पुरानी परंपरा एवं सहिष्णुता के इतिहास को ध्यान में रखते हुए भारतीय अधिकारियों से हर स्तर पर नियमित रूप से वार्ता करता है और उन्हें अल्पसंख्यकों के संरक्षण समेत मानवाधिकार दायित्वों एवं प्रतिबद्धताओं को बरकरार रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता मामलों के प्रभारी वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन द्वारा 2020 अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट को बुधवार को प्रस्तुत किए जाने के दौरान, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी डैन नाडेल ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी नागरिक संगठनों, स्थानीय धार्मिक समुदायों के साथ भी लगातार बैठक करते हैं ताकि उनके विचार एवं चुनौतियों और अवसरों को समझ सके। रिपोर्ट में देश में कोविड-19 की पहली लहर के मद्देनजर पिछले साल तबलीगी जमात के सदस्यों को निशाना बनाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए एकता एवं भाईचारे के संदेश पर भी गौर किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 19 अप्रैल को ट्वीट किया था, कोविड-19 वार करने से पहले धर्म, नस्ल, रंग, जाति, समुदाय, भाषा या सीमाएं नहीं देखता है। हमारा व्यवहार एवं प्रतिक्रिया में एकता एवं भाईचारे को अहमियत दी जानी चाहिए।

वार्षिक रिपोर्ट के भारतीय खंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के 26 अप्रैल के राष्ट्र के नाम ऑनलाइन संबोधन का भी उल्लेख है जिसमें उन्होंने लोगों से कोविड-19 के खिलाफ जंग में किसी से भेदभाव नहीं करने की अपील की थी।नाडेल ने कहा कि भारत सरकार को अमेरिका के कुल प्रोत्साहन की बात करें तो वह इन समुदायों को, इन बाहरी तत्वों को प्रत्यक्ष संवाद में शामिल करता है। उन्होंने कहा, क्योंकि जब कानून पारित किए जाते हैं, जब पहल की जाती हैं और इन समुदायों के साथ प्रभावी राय-विचार के साथ नहीं किया जाता, यह नि:सशक्तीकरण का भाव पैदा करता है कई बार विरक्ति का। और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका है सरकारी एवं नागरिक संस्थाओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करना।

नाडेल ने कहा, इसलिए भारत के संबंध में, मेरे विचार में सरकार के लिए भारतीय नागरिक संस्थाओं की कुछ चिंताओं से निपटने का सही में मौका है जो अधिक संवाद एवं अधिक वार्ता से संभव है।

भारत इससे पहले यह कहकर अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्टों को खारिज करता रहा है कि वह विदेशी सरकार का उसके नागरिकों के संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकारों पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं समझता है। इससे पहले रिपोर्ट जारी करते हुए ब्लिंकेन ने कहा था कि पूरी दुनिया में यहूदियों के खिलाफ और कुछ हिस्सों में मुस्लिमों के खिलाफ भी नफरत बढ़ी है जो अमेरिका के साथ ही यूरोप के लिए गंभीर समस्या है।

उन्होंने कहा कि जहां भी यह हो रहा हो इसका पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी धर्म एवं पृष्ठभूमि के लोगों को बराबर सम्मान एवं गरिमा मिले।रिपोर्ट का स्वागत करते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन अमेरिकन क्रिश्चियन ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष कोशी जॉर्ज ने कहा कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान भी इसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन जारी है। उन्होंने कहा, इन अहम मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी निराश करने वाली है।

कोविड-19 : भारत की सहायता के लिए अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ने जुटाए 2.5 करोड़ डॉलर

एजेंसी। वाशिंगटन

कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत की सहायता के लिए एक भारतीय-अमेरिकी गैर लाभकारी संगठन ने 2.5 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। संगठन के पदाधिकारियों ने इस बारे में बताया।अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निशांत पांडे ने पीटीआई को बुधवार को बताया, हम 5,500 ऑक्सीजन सांद्रक, 2,300 बेड, 25 ऑक्सीजन संयंत्र और 30,000 वेंटिलेटर भेजना चाहते हैं और इसके लिए हमने ऑर्डर भी दे दिया है। एआईएफ की स्थापना गुजरात में भूकंप के बाद पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेई की पहल से हुई थी। संस्था ने अब तक 2.5 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है जो किसी भारतीय अमेरिकी संस्था द्वारा जुटाई गई सबसे अधिक राशि है।

एक अंतरंग रिश्ता

सीमित तरीके से मनाए जा रहे ईद के त्यौहार को रंग देने के लिए फैशन जगत ने कई अद्भुत सेलिब्रिटी लुक्स तैयार किए हैं।

यह ईद, जैसा कि हम जानते हैं कि इसमें मनाए जाने वाले उत्सव अधिक अंतरंगतापूर्ण होते हैं, फैशन बिरादरी ने आपके लिए स्टाइलिश और शानदार सेलिब्रिटी लुक की एक श्रृंखला को क्यूरेट किया है। अपने उत्सव के मूड को बढ़ावा देने के लिए फ्यूज़ फ्री सिल्हूट से लेकर रंगों तक, बहुमुखी संग्रह किए हैं और उन्हें पैसे के लिए स्थिरता और मूल्य दोनों को आश्वस्त करने के लिए कई तरीकों से शैलीबद्ध किया जा सकता है।

परफेक्ट पोटलीस
ब्रांड : लवटोबग

■ काले धातु के मोती की पोटली अभिनेत्री शनाया कपूर को प्रभावित करती है। यह सुरुचिपूर्ण और कालातीत है, कला का यह टुकड़ा हाथ से कशीदाकारी पैटर्न में महीन मोती के साथ कढ़ाई है।

■अभिनेत्री सुरवीन चावला ने पंचांग की पोटली को इलान के साथ पेश किया। ला बेले ओपोक नामक फ्रांसीसी इतिहास में सुनहरे काल की अस्पष्टता से प्रेरित, यह पोटली जापानी बगले मोतियों के साथ हाथ से कशीदाकारी है। तटस्थ स्वरों में टियेरड लटकन डिजाइन में एक विंटेज स्पर्श जोड़ता है।

इसे सही तरीके से स्टाइल करें : काली धातु की मोती की पोटली और पैनकेक पोटली को स्लिंग पाउच या छोटे क्लासिक हैंडबैग के रूप में स्टाइल किया जा सकता है और इसे अलंकृत लवटोबैग हैंडल के साथ जोड़ा जा सकता है। पोटली को भारतीय और पश्चिमी संगठनों की एक सरणी के साथ सजाया जा सकता है। आप इसे अपने नीले डेनिम, क्लासिक ब्लाउज, मैक्सिस और शाम के पहनावे के साथ स्लिंग बैग के रूप में ले सकते हैं। यह भी एक क्लासिक और समकालीन रूप दर्शाता है जब लहंगे और साड़ी जैसे पारंपरिक भारतीय पोशाक के साथ रखा जाता है।

अनारकली पोशाक
ब्रांड : गुलाबो जयपुर

■अभिनेत्री करिश्मा कपूर लाल सूफी अनारकली पहने नजर आती हैं। जब आरामदायक होना सबसे महत्वपूर्ण है, तो यह खूबसूरत लाल ब्लॉक मुद्रित कपास अनारकली खास नजर आता है जब चिकन पैंट और एक ऑर्गेना दुपट्टा के साथ जोड़ा जाता है।

■सोनाक्षी सिन्हा द्वारा पहना गया सोना ब्लू अनारकली सेट शांत, फैशनेबल और शानदार है। यह कॉटन अनारकली सेट ऑफ-व्हाइट चिकन पैंट और हाथ से काम किए डोरिया दुपट्टे के साथ आता है।

■अभिनेत्री मिथिला पालकर सुहाना सेट में नजर आती हैं। एक परफेक्ट फेस्टिव लुक, यह ब्लू जॉर्जेट आउटफिट एंब्रॉयडरी ऑर्गेना दुपट्टे के साथ टीम में स्टनिंग लगता है।

इसे सही से स्टाइल करें : तीनों अनारकली - लाल सूफी, सोना नीला और सुहाना दिन या रात के अवसर के लिए पहना जा सकता है। जबकि सुहाना और सोना ब्लू सेट को एक उच्च बन और झुमके के साथ स्टाइल किया जा सकता है, आप अपने बालों को लाल सूफी अनारकली के लिए खुला छोड़ सकती हैं, और एक पतली श्रृंखला के साथ छोटे स्टड बालियों के साथ लुक को पूरा कर सकती हैं।

एम्ब्रायडरी अपनाना
ब्रांड : गुलाबी शहर

■अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा तीन टुकड़ों के पहनावे में लिपटी हुई नज़र आती हैं, जिसमें हॉट पिंक कुर्ता, धोती पैंट और गोटा वर्क के साथ एक ओम्ब्रे बंधनी दुपट्टा सुशोभित है।

■डोरी वर्क की कढ़ाई को टीवी अभिनेता गौहर खान द्वारा पहने गए इस फिट-फिट टॉप पर खूबसूरती से रखा गया है। मटका सिल्क में निर्मित, शीर्ष को धोती पैंट और सीमा विस्तार के साथ एक केप के साथ जोड़ा गया है।

■अभिनेत्री मौनी रॉय इस लाल रेशमी चंदेरी कुर्ते में उत्सव मनाती हैं, जिसमें शेवरॉन जरदोजी कढ़ाई के साथ फर्शी पैंट और एक बंदनी दुपट्टा है।

इसे सही ढंग से स्टाइल करें : तीनों पोशाक को दिन या रात के कार्यों के दौरान पहना जा सकता है। प्रत्येक पोशाक पर कढ़ाई अपने आप में एक स्टाइल स्टेटमेंट है और एक शानदार और स्टाइलिश लुक देता है।

बिंदु पर प्रिंट
ब्रांड - दृष्टि और ज़हाबिया

■ एन अभिनेत्री डायना पेंटी इकत-प्रेरित काफ्टान सेट के साथ नजर आती हैं। चंदेरी रेशम में निर्मित, पोशाक जीवंत रंगों और बोहेमियन दर्पण और धागे के काम को एक आधुनिक मोड़ के साथ बयां करती है।

■ अभिनेत्री हिना खान सुंदर चेरी लाल में प्रिंट जैकेट सेट पर प्रिंट करती हैं। कलाकारों की टुकड़ी में सोने के एक स्पर्श, एक ज्यामितीय प्रिंट भीतरी और सीधे फिट टखने लंबाई पैंट को जोड़ने के लिए गर्दन और केंद्र के सामने नाजुक जरदोजी के साथ एक पुष्प मिक्स-प्रिंट काली जैकेट शामिल हैं।

इसे सही स्टाइल करें : काफ्टान को चंकी ऑक्सीडाइज़्ड ज्वैलरी या हूप इयररिंग्स के साथ स्टाइल करें। प्रिंट-ऑन-प्रिंट के रूप में, आप इसे झुमकों या चंदबाला के साथ जोड़ सकते हैं।

उत्सव के मौसम के लिए बहुमुखी प्रतिभा और आराम के साथ खुद को स्टाइल करें।

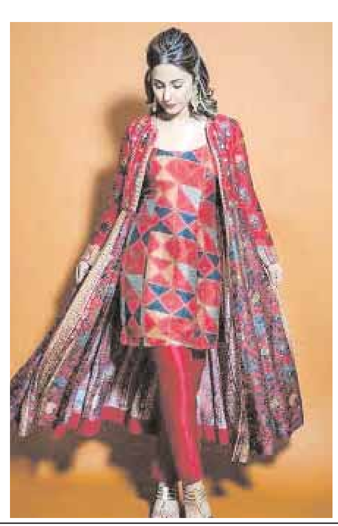

सुदरताएं
ब्रांड : प्रेरणा राजपाल का अमरियां ब्रांड

■ टाइम टर्नर चोकर अनुग्रह और रॉयल्टी का एक प्रतीक है। कीमती पत्थरों और मुगल रूपांकनों का एक नमूना, डिजाइन जटिल शिल्प कौशल का जश्न मनाता है। कला के इस टुकड़े को पहने हुए हैं अभिनेत्री दीपिका पादुकोण। यदि आप करीब से देखते हैं तो आप तीन रूसी पन्नों को केंद्र में ले जाते देख सकते हैं। यह टुकड़ा बिना कटे हीरे, मोती और तंजनाइट के साथ है और पेस्टल कलर टोन एक क्लासिक और लोभी लुक देता है।

■ अभिनेत्री कियारा आडवाणी निजाम चोकोर में तेजस्वी लग रही है, जो मुगलों के रोमांस पर ध्यान देती है। कला के इस टुकड़े में एक 35-कैरेट ज़ांबियन नक्काशीदार पन्ना है जो एक खुले पोल्की सेटिंग में बिना हीरे के घिरा हुआ है।

■ मीरा कपूर द्वारा पहनी गई नीली क्रांति एक कालातीत सौंदर्य है। डिजाइन विवरण में एक नीलमणि, एक राजकुमारी कट और मार्की के आकार के हीरे शामिल हैं। स्वच्छ कट लाइनों के साथ एक आधुनिक दिन का टुकड़ा, अंगूठी आपकी अंगूठी अलमारी में गर्मी और रंग लाएगा।

इसे सही ढंग से स्टाइल करें : टाइम टर्नर चोकर इंडो-वेस्टर्न गाउन, प्री-प्लेड साड़ी या सम-सामयिक चीजों के सेट के साथ अच्छी तरह से खिलता है। नीले रंग की क्रांति की अंगूठी के साथ उत्सव में रिंग करें और इसे हरे या गहरे पीले रंग के वेस्टर्न आउटफिट या प्री-प्लेड साड़ी के साथ पेयर करें। निज़ाम चोकर के समकालीन लुक और एहसास को ध्यान में रखते हुए, यह बोल्ड नेकलाइन ब्लाउज पर स्टनिंग लग रहा है और हरे और आइवरी आउटफिट के साथ खड़ा है।

चोपड़ा ने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगी कि मैं इसके प्रभाव में नहीं आई। उम्र बढ़ने के साथ मेरे शरीर में भी वैसे ही बदलाव आए हैं, जैसे किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में आते हैं और मैंने मानसिक तथा भावनात्मक रूप से इसे स्वीकार कर लिया है।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में आए बदलावों को स्वीकार कर लिया है: प्रियंका चोपड़ा

लॉस एंजिलिस। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहना है कि उन्होंने उम्र बढ़ने के साथ शरीर में हो रहे स्वाभाविक बदलावों को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में स्वीकार कर लिया है। चोपड़ा (38) ने याहू को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह एक स्टार का दर्जा मिलने के बाद उनके जीवन में आए बदलावों से प्रभावित हो गई थीं और सकारात्मक मानसिकता के सहारे इसका साममा किया। चोपड़ा ने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगी कि मैं इसके प्रभाव में नहीं आई। उम्र बढ़ने के साथ मेरे शरीर में भी वैसे ही बदलाव आए हैं, जैसे किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में आते हैं और मैंने मानसिक तथा भावानात्मक रूप से इसे स्वीकार कर लिया है। अब मेरा शरीर जैसा दिखता है, मैं उसमें ही संतुष्ट महसूस करती हूं। मेरा शरीर अब 10 या 20 साल पहले जैसा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि वह विश्व में अपने योगदान, अपने स्थान और अपने उद्देश्य का सतत आकलन करती रहती हैं।

अक्षय तृतीया : अक्षय फल प्रदान करने वाला दिन

वैशाख शुक्ल तृतीया को अक्षय तृतीया कहते हैं। इसे उत्तर भारत में आखा तीज भी कहा जाता है। इसे व्रत के साथ त्यौहार के रूप में भी मनाया जाता है। अनेक कारणों से अक्षय तृतीया का महत्व है। साढ़े तीन मुहूर्तों में से एक पूर्ण मुहूर्त अक्षय तृतीया पर तिल तर्पण करना, उदकुंभदान करना, मृत्तिका पूजन तथा दान करने का प्रघात है। पुराणकालीन मदनरत्न नामक संस्कृत ग्रंथ में बताए अनुसार अक्षय तृतीया कृतयुग अथवा त्रेतायुगका आरंभ दिन है। अक्षय तृतीया की संपूर्ण अवधि शुभ मुहूर्त ही होती है। इसलिए इस तिथिपर धार्मिक कृत्य करनेके लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इस तिथि पर हयग्रीव अवतार नरनारायण प्रकटीकरण तथा परशुराम अवतार हुए हैं। इस तिथि पर ब्रह्मा एवं श्रीविष्णु की मिश्रित तरंगें उच्च देवता लोकों से पृथ्वी पर आती हैं। इससे पृथ्वीपर सात्विकता की मात्रा 10 प्रतिशत बढ़ जाती है। इस कालमहिमा के कारण इस तिथिपर पवित्र नदियों में स्नान, दान आदि धार्मिक कृत्य करने से अधिक आध्यात्मिक लाभ होते हैं। इस तिथि पर देवता, पितर के निमित्त जो कर्म किए जाते हैं, वे संपूर्णत: अक्षय यानी अविनाशी होते हैं ।

पुराणकालीन मदनरत्न नामक संस्कृत ग्रंथ में बताए अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को इस दिन का महत्व बताया है। वे कहते हैं–

अस्यां तिथौ क्षयमुर्पति हुतं न दत्तं। तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया॥
उद्दिश्य दैवतपितृन्क्रियते मनुष्यै:। तत् च अक्षयं भवति भारत सर्वमेव॥

अर्थात इस तिथि को दिए हुए दान तथा किए गए हवन का क्षय नहीं होता। इसलिए मुनियों ने इसे अक्षय तृतीया कहा है। देवों तथा पितरों के लिए इस तिथि पर जो कर्म किया जाता है वह अक्षयय अर्थात अविनाशी होता है। अक्षय तृतीया की तिथि को साढ़े तीन मूहूर्तों में से एक मुहूर्त माना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सत्ययुग समाप्त होकर त्रेतायुग का प्रारंभ हुआए ऐसा माना जाता है। इस कारण भी यह संधिकाल ही हुआ। संधिकाल अर्थात मुहूर्त कुछ ही क्षणों का होता है परंतु अक्षय तृतीया के दिन उसका परिणाम 24 घंटे तक रहता है। इसलिए यह पूरा दिन ही अच्छे कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

अक्षय तृतीया के दिन ही हयग्रीव अवतार परशुराम अवतार एवं नरनारायण अवतार का प्रकटीकरण हुआ है। कालविभाग कोई भी प्रारंभ दिन भारतीय पवित्र मानते हैं। इस तिथिको विविध धर्मकृत्य बताए गए हैं। इस दिन की विधि ऐसा है। पवित्र जलमें स्नान, श्रीविष्णु पूजा जप होम दान एवं पितृ तर्पण इस दिन अपिंडक श्राद्ध करें अथवा तिल तर्पण करें। इस दिन श्रीविष्णुपूजा, जप एवं होम यह धर्मकृत्य करने से आध्यात्मिक लाभ होता है। अक्षय तृतीया के दिन सातत्य से सुख-समृद्धि देनेवाले देवताओं के प्रति कृतज्ञता भाव रखकर उनकी उपासना करने से हम पर उन देवताओं की होनेवाली कृपा का कभी भी क्षय नहीं होता। इस दिन कृतज्ञता भाव से श्रीविष्णु सहित वैभवलक्ष्मी की प्रतिमा का पूजन करें। इस दिन होमहवन एवं जप-जाप करने में समय व्यतीत करें ।

अक्षय तृतीया के दिन दिए गए दान का कभी क्षय नहीं होता। हिन्दू धर्म बताता है कि सत्पात्र दान करना प्रत्येक मनुष्य का परमकर्तव्य है। दान देने से मनुष्य का पुण्यबल बढ़ता है तो सत्पात्र दान देने से पुण्यसंचयसहित व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। संत, धार्मिक कार्य करनेवाले व्यक्ति समाज में धर्मप्रसार करनेवाली आध्यात्मिक संस्था तथा राष्ट्र एवं धर्म जागृति करनेवाले धर्माभिमानी को दान करें, कालानुरूप यही सत्पात्रे दान है।

इस समय अनेक स्थानों पर कोरोना की पृष्ठभूमि पर निर्बंध होने से पर यह त्योहार सदैव की भांति करने में मर्यादाएं हो सकती हैं। इस अनुषंग से आपदधर्म के भाग के रूप में आगे दिए कृत्य कर सकते हैं। हम घर में ही गंगा का स्मरण कर स्नान करें, तो गंगास्नान का हमें लाभ होगा। इसलिए आगे दिए श्लोक का उच्चारण कर स्नान करें...

गंगेच यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधि कुरु।।

वर्तमान में विविध ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध हैं। अत: अध्यात्मप्रसार करनेवाले संतों अथवा ऐसी संस्थाओं को हम ऑनलाइन अर्पण कर सकते हैं। घर से ही अर्पण दिया जा सकता है। शास्त्र कहता है कि अक्षय तृतीया के दिन उदकुंभ दान करें। इस दिन यह दान करने के लिए बाहर जाना संभव न होने के कारण अक्षय तृतीया के दिन दान का संकल्प करें एवं शासकीय नियमों के अनुसार जब बाहर जाना संभव होगा, तब दान करें। पितरों से प्रार्थना कर घर से ही पितृतर्पण कर सकते हैं।

(सौजन्य: सनातन संस्था का ग्रंथ 'त्यौहार, धार्मिक उत्सव एवं व्रत')

ब्राह्म व क्षात्र तेज के प्रतीक भगवान परशुराम

अग्रतश्चतुरो वेदा: पृष्ठत: सशरं धनु: ।
इदं ब्राह्मम् इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ॥

यानी चारों वेद कंठस्थ कर ब्राह्मतेज से संपन्न तथा क्षात्रतेज के प्रतीक धनुष्य-बाण पीठ पर धारण करनेवाले भगवान परशुराम विरोधियों को शाप से अथवा शस्त्र से परास्त करते हैं।

परशुराम श्रीविष्णुके छठे अवतार हैं। इसलिए उन्हें उपास्य देवता मानकर पूजा जाता है। त्रेतायुग के प्रारंभ में महर्षि भृगु के गोत्र में जामदग्नेय कुल में महर्षि जमदग्नि तथा रेणुकामाता के घर श्रीविष्णु ने अपना छठा अवतार लिया। वैशाख शुक्ल तृतीयाकी परशुराम जयंती एक व्रत और उत्सवके तौरपर मनाई जाती है। परशुरामकी कथाएं रामायण, महाभारत एवं कुछ पुराणोंमें पाई जाती हैं। पूर्वके अवतारोंके समान इनके नामका स्वतंत्र पुराण नहीं है। भगवान परशुराम शत्रु के निर्दालन के लिए ब्राह्म तथा क्षात्र इन दोनों तेजों का उत्तम उपयोग करनेवाले श्रेष्ठतम योद्धा के उत्तम उदाहरण हैं।

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनुमांश्च बिभीषण:।
कृप: परशुरामश्च सप्तैते चिरजीविन:॥

यानी अश्वत्थामा, बलि, महर्षि व्यास, हनुमान, बिभीषण, कृपाचार्य तथा परशुराम ये सप्त चिरंजीव हैं ।

परशुराम ने काल पर विजय प्राप्त की है। इसलिए वे सप्तचिरंजीवों में से एक हैं। प्रात:काल उनका स्मरण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। सत्ययुग में मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह तथा वामन ये श्रीविष्णु के 5 अवतार हुए। त्रेतायुग के प्रारंभ में महर्षि भृगु के गोत्र में जामदग्नेय कुल में महर्षि जमदग्नी तथा रेणुकामाता के घर श्रीविष्णु ने अपना छठा अवतार लिया। उनका नाम परशुराम था। भार्गवगोत्री होने के कारण उन्हें भार्गवराम भी कहा जाता है। परशुराम ने तपस्या कर सहस्त्रार्जुन कार्तवीर्य की अपेक्षा अधिक तपोबल अर्जित करने से सूक्ष्म स्तर पर कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन की पराजय आरंभ होना

हैहय वंश के अधर्मी राजा महिष्मति नरेश कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन ने सहस्त्रों वर्ष कठोर तपस्या कर, भगवान दत्तात्रेयजी को प्रसन्न किया था तथा असीम बलशाली बनकर सहस्त्रों भुजाएं धारण करने का वरदान प्राप्त किया था। ऐसे कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन का नाश करना संभव हो, इसके लिए उसके तपोबल की अपेक्षा अधिक तपोबल अर्जित करने हेतु परशुराम ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। कार्तवीर्य के तपोबल को परास्त करने के लिए परशुराम ने उससे अधिक कठोर तपस्या कर एक प्रकार से ब्राह्मतेज के शस्त्र से, कार्तवीर्य के पुण्यबल पर ही प्रहार कर उसे क्षीण कर दिया। इससे कार्तवीर्य की सहस्त्रों भुजाओं के माध्यम से कार्यरत सूक्ष्म कर्मेंद्रियों की दिव्य शक्ति निष्प्रभ होने लगी तथा अधर्म का प्रतीक बन चुके कार्तवीर्य का सूक्ष्म से पराजित होना प्रारंभ हुआ। कार्तवीर्य को पराजित करने के लिए भगवान परशुराम द्वारा किया गया आध्यात्मिक स्तर का युद्ध अद्वितीय है।

कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन ने ऋषि दंपति के विरोध को अनदेखा कर जमदग्नी आश्रम से कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले गया। इस प्रकार उसने गोमाता का अपहरण किया। जब यह घटना हुई तब परशुराम आश्रम में नहीं थे। वे घनघोर वन में कठोर तपस्या में व्यस्त थे। जब वे जमदग्नी के आश्रम में पहुंचे तब उनको घटना ज्ञात हुई। कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन के नियंत्रण से कामधेनु को मुक्त कर गोमाता तथा गोधन की रक्षा करने हेतु उन्होंने गोधन की चोरी करनेवालों के विनाश का संकल्प लिया। उनकी शापवाणी सत्य सिद्ध हुईय क्योंकि गोधन चुराने का अपराध करने से कार्तवीर्य का पुण्यक्षय हुआ। जमदग्नी ऋषि पर प्राणघातक आक्रमण करने से कार्तवीर्य के पुत्रों को भी पाप लगा। परशुराम ने कार्तवीर्य के कुल के विनाश करने का अपना संकल्प पूर्णकर गोमाता को मुक्त किया और आदरपूर्वक उसे पुन: जमदग्नी के आश्रम ले आए ।

भगवान परशुराम ने संपूर्ण पृथ्वी की 21 बार परिक्रमा की और पृथ्वी पर उन्मत्त बने अहंकारी तथा अधर्मी क्षत्रियों का नाश किया। इस प्रकार पृथ्वी परिक्रमा कर उन्होंने पृथ्वी के भार को हलका किया तथा उसके साथ ही पृथ्वी परिक्रमा का पुण्य भी प्राप्त किया। सहस्त्रों क्षत्रिय तथा लाखों की सेना के साथ अकेले युद्ध का सामर्थ्य प्रजा का उत्पीड़न कर संपूर्ण पृथ्वीपर ऊधम मचानेवाले क्षत्रियों की संख्या सहस्त्रों में थी। उनके पास लाखों अक्षौहिणी सेना का बल था। भगवान परशुराम नरदेह में साक्षात् श्रीमन्नारायण ही थे। सके कारण उनमें सहस्त्रों क्षत्रिय तथा लाखों की सेना के साथ अकेले युद्ध करने का अपूर्व सामर्थ्य था। एकछत्र सम्राट की भांति अखिल भूमि के अधिपति होते हुए भी अश्वमेध यज्ञ के समय परशुराम ने यज्ञ के अध्वर्यू महर्षि कश्यप को संपूर्ण पृथ्वी दान की। इससे परशुराम कितने दानवीर थे, यह दिखाई देता है। भगवान परशुराम ने केवल तीन कदमों में ही समुद्र को पीछे ढकेलकर क्षणार्ध में परशुराम भूमि का निर्माण किया तथा चिता से चित्पावन ब्राह्मणों की उत्पत्ति कर परशुराम क्षेत्र की नई सृष्टि ही साकार की।

(संकलक: श्री गुरुराज प्रभु, सनातन संस्था)